TIMES OF INDIA 31.12.2023

FOUNDATION DAY CELEBRATED

COER University Roorkee celebrated its foundation day with great joy. The research journal 'Anvesh' published by the institute was released by the guests. Presiding as Chief Guest, JC Jain, founder and chairman, COER, wished for the bright future of the institutions. He called upon the students and teachers to set world class standards in the field of education. The faculty and staff members who had completed 10, 15 and 20 years of service were given recognition awards. The alumni were also awarded. The research students were given research motivation awards by Sunita Jain, VP; and Charu Jain, executive director.

Presiding in the function as Guest of honour, Brigadier Rajesh Bhatt, Commandant Bengal Engineering Group and Center Roorkee, exhorted the students to contribute to overall development of the nation. Gopal Joshi, frontier basin manager, ONGC, told students to produce more innovative projects. Dr Meenu Singh, executive director, AIIMS Rishikesh, emphasised on the need to combine technological advancements with the healthcare industry and motivated the students. Shreyance, pro VC of the university, gave vote of thanks. Among the special invited guests were Gopal Joshi, GM, BHEL Haridwar; Sunil Kumar Garg, president, SIDCUL manufacturing association, Uttarakhand; Dr Harendra Kumar Garg, and Dr BM Singh.

जनवाणी दिनॉक 25.12.2023

व्यवसाय में मानव संसाधन की उभरती भूमिका

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर विश्वविद्यालय रुड़की ने एनएचआरडीएन उत्तराखंड चैप्टर और पीएनजीआई के सहयोग से एक महत्वपूर्ण एचआर कॉन्क्लेव और पुरस्कार समारोह की मेजबानी की, जिसमें उद्योग जगत के मानव संसाधन अधिकारियो और शिक्षाविदों को मानव संसाधन के क्षेत्र में उत्कृष्टता, अधिकतम रोजगार के अवसरों और उसके अनुरूप शिक्षा की संरचना पर विस्तार से चर्चा की गयी। मुख्य अतिथि डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम (आईएएस), सचिव, मुख्यमंत्री, ऊर्जा, श्रम एवं अध्यक्ष-उत्तराखंड सरकार एवं विशिष्ट अतिथि कर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जेसी जैन रहे। मुख्य अतिथि ने आज के तेज गति से बढ़ाने वाले व्यावसायिक परिदृश्य में मानव संसाधन की उभरती भूमिका और प्रतिभा औरनवाचार को बढ़ावा देने के महत्व पर मूल्यवान विचार साझा करते हुए भविष्य की सम्भावनाओ को बताया। कोर विश्वविद्यालय के प्रतिकूलपति डॉ बीएम सिंह ने संस्थान के स्थापना दिवस से लेकर और आज तक की उपलब्धियां पर प्रकाश डाला। कोर विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

64 एचआर अधिकारियों को सम्मानित किया

पैनल चर्चा, मुख्य भाषण और एक पुरस्कार समारोह आदि रहे, जिसमें मानव संसाधन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों और संगठनों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पुरस्कृत किया गया। पैनल चर्चा का विषय नए युग के कार्यबल-एचआर और ईआर दक्षताएं जो आपको जीवित रहने और आगे बढ़ने में मदद करती हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एचआर कॉन्क्लेव मे आये विचारकों और विशेषज्ञों को मानव संसाधनों में नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और नवाचारों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। कुलाधिपति जेसी जैन ने कहा हम एचआर कॉन्क्लेव और पुरस्कार समारोह की सफलता से रोमांचित हैं। आयोजन का एक मुख्य आकर्षण बिन्दु एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार रहा, जिसने मानव संसाधन के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए उत्कृष्ट व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता दी। पुरस्कार श्रेणियों में शिक्षण एवं विकास, प्रतिभा प्रबंधन, संगठन संस्कृति, कर्मचारी सहभागिता, सीएसआर और मानव संसाधन में डिजिटलीकरण शामिल हैं। दिव्या मिश्रा, रुचि चौरासिया, साक्षी चौहान उपस्थित रहे।

बद्री विशाल दिनॉक 25.12.2023

कोर यूनिवर्सिटी में एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार-2023 कार्यक्रम 23 को

रुडकी बद्री विशाल। एनएचआरडीएन उत्तराखंड चैप्टर और पीएनजीआई के सहयोग से कोर यूनिवर्सिटी को एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 लॉन्च करने की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो मानव संसाधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर सम्मानित करने एवं तदर्थ समारोह के उद्देश्य से एक प्रतिष्ठित पहल है। पुरस्कार समारोह आगामी 23 दिसंबर 2023 को कोर यूनिवर्सिटी रुड़की में अयोजित किया जायेगा। यह पूरे क्षेत्र में मानव संसाधन पेशेवरों के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने का वादा करता है। मानव संसाधन प्रबंधन में उत्कृष्टता को मान्यता देने एवं प्रोत्साहित करने की दृष्टि से एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार की स्थापना की गई थी। पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को प्रदान करेंगे, जिन्होंने अपनी मानव पूंजी के प्रबंधन और विकास में असाधारण प्रतिबद्धता, नवाचार और प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है। जैसे-जैसे व्यवसाय निरंतर विकसित हो रहे परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं, मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। पुरस्कार समारोह में ख्याति प्राप्त वक्ता, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग के अवसर शामिल होंगे। इसे मानव संसाधन पेशेवरों को जुड़ने, अंतर्दृष्टि साझा करने और उनकी सामूहिक उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कोर यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक सुश्री चारू जैन ने कहा कि हम एचआर पेशेवरों द्वारा किए गए अविश्वसनीय काम को पहचानने और सम्मानित करने के लिए एक मंच के रुप में एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार लॉन्च करते हुए रोमांचित हैं, जो संगठनात्मक सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य मानव संसाधन समुदाय को सीमाओं को आगे बढ़ाने और अपने संबंधित संगठनों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है। कोर विश्वविद्यालय इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाग लेने के लिए सभी मानव संसाधन पेशेवरों, संगठनों और हितधारकों को आमंत्रित करता है।

शाह टाइम्स दिनाँक 25.12.2023

एचआर कॉन्क्लेव और उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। शनिवार को कोर यूनिवर्सिटी रुड़की में आयोजित पीएनजीआई (प्रोफेशनल नेटवर्क ग्रुप ऑफ इंडिया) और राष्ट्रीय एचआरडी नेटवर्क व एचआर कॉन्क्लेव उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह शानदार रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईएएस सचिव मुख्यमंत्री डॉ. आर मीनाक्षी सुंदरम ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए एचआर कॉन्क्लेव में हिस्सा लेने वाले प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रमुखों के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए राज्य में उद्योगों के हित में चल रही विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस मौके पर बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर मौजूद रहे पीएनजीआई के मुख्य सचिव व सीईओ कापरो मारुति लिमिटेड विनोद कुमार बपना ने भी कार्यक्रम में आए लोगों के साथ अपने महत्वपूर्ण विचार विमर्श करते हुए कई जानकारी साझा की।

इसी के साथ मुख्य अतिथि आर मीनाक्षी सुंदरम द्वारा आईटीसी टीम को प्लेटिनम अवार्ड के साथ सम्मानित किया गया बताते चले कि मुख्य अतिथि डॉ. आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्रम एवं मुख्यमंत्री उत्तराखंड ने व्यापार करने में आसानी के बारे में बताया और उत्तराखंड में आने वाले नए उद्योग निवेशों को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। बता दें कि हाल ही में उत्तराखंड में हुए इन्वेस्टर समिट में भी आर मीनाक्षी सुंदरम अहम भूमिका निभा चुके है और दुनिया भर को विश्वास दिला चुके है कि आने वाले युग मे उधोग के क्षेत्र में उत्तराखंड अपना परचम लहराने को तैयार है। इसी क्रम में शनिवार को हुए इस कार्यक्रम में भी उनके द्वारा अपने विचारों को कार्यक्रम में आए लोगों के साथ साझा किया गया जिसका कई कंपनियों के प्रबंध कों द्वारा लाभ उठाया गया। वहीं, दूसरी ओर अनिल पंटवाल ने भी अपने विचार साझा करते हुए कई महत्वपूर्ण जानकारी दी साथ ही बताया कि प्रासंगिक श्रम कानूनों और उत्तराखंड में सभी सकारात्मक वातावरण एक महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। कार्यक्रम में आईएएस श्रम सचिव उत्तराखंड के साथ ही अनिल पंटवाल, अतिरिक्त श्रम आयुक्त, अरविंद के नागियान, डीडीएफ, यूसी राय, डीएलसी, प्रद्युम्न पांडे, सीएचआरओ हीरो मोटोकॉर्प, सुरजीत सिंह रोरिया जीएम आईटीसी लिमिटेड, सुरजीत सिंह रोरिया सहित कई वरिष्ठ श्रम अधिकारियों के साथ ही देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के एचआर प्रमुखों में अल्ताफ हुसैन, एचआर आईटीसी लिमिटेड और अध्यक्ष एनएचआरडी और पीएनबीआई उत्तराखंड राज्य, नागर कालाकोटी, प्रिंसिपल बीएमएल मुंजाल, जेसी जैन, सीओईआर यूनिवर्सिटी रूड़की के चांसलर सहित उत्तराखंड राज्य और भारत भर से लगभग 120 अन्य वरिष्ठ एचआर प्रमुखों ने भाग लिया। इस दौरान आईटीसी, हीरो, विप्रो, कैविन केयर, हिताची कैपारी सहित 25 एचआर टीमों को प्लेटिनम, गोल्ड और सिल्वर पुरस्कार प्रदान किए गए। तो वहीं पीएनजीआई के संस्थापक अशफाक अहमद ने सभी पुरस्कार विजेताओं को धन्यवाद और बधाई देते हुए कार्यक्रम में पहुँचे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। अंत में आयोजक अल्ताफ हुसैन,प्रमुख एचआर आईटीसी लिमिटेड, अध्यक्ष-पीएनजीआई और एनएचआरडीएन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

Date: 22.12.23 Newspaper: Janvaani News Received By: Dr. Ravinder Saini Ji

कोर यूनिवर्सिटी ने एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार की घोषणा

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर यूनिवर्सिटी ने मानव संसाधन समुदाय को प्रेरित करने के लिए एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 की घोषणा की। एनएचआरडीएन उत्तराखंड चैप्टर और पीएनजीआई के सहयोग से कोर यूनिवर्सिटी को एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 लॉन्च करने की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो मानव संसाधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर सम्मानित करने एवं तदर्थ समारोह के उद्देश्य से एक प्रतिष्ठित पहल है। पुरस्कार समारोह 23 दिसंबर को कोर यूनिवर्सिटी रूड़की में अयोजित किया गया है और यह पूरे क्षेत्र में मानव संसाधन पेशेवरों के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने का वादा करता है।

मानव संसाधन प्रबंधन में उत्कृष्टता को मान्यता देने एवं प्रोत्साहित करने की दृष्टि से एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार की स्थापना की गई थी। पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को प्रदान करेंगे जिन्होंने अपनी मानव पूंजी के प्रबंधन और विकास में असाधारण प्रतिबद्धता, नवाचार और प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है।

जैसे-जैसे व्यवसाय निरंतर विकसित हो रहे परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं, मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार के माध्यम से उन व्यक्तियों और टीमों पर प्रकाश डालना चाहते हैं जिन्होंने अपने संगठनों और समग्र रूप से एचआर समुदाय में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पुरस्कार समारोह एक भव्य कार्यक्रम होगा, जिसमें ख्याति प्राप्त वक्ता, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग के अवसर शामिल होंगे। इसे मानव संसाधन पेशेवरों को जुड़ने, अंतर्दृष्टि साझा करने और उनकी सामूहिक उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कोर यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक सुश्री चारू जैन ने कहा, हम एचआर पेशेवरों द्वारा किए गए अविश्वसनीय काम को पहचानने और सम्मानित करने के लिए एक मंच के रूप में एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार लॉन्च करते हुए रोमांचित हैं, जो संगठनात्मक सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन पुरस्कारों का उद्देश्य मानव संसाधन समुदाय को सीमाओं को आगे बढ़ाने और अपने संबंधित संगठनों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है।

Date: 21.12.23 Rashtiya Sahara News Page No. 4

कोर यूनिवर्सिटी को मिलेगा एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार

रुड़की। एनएचआरडीएन उत्तराखंड चैप्टर और पीएनजीआई के सहयोग से कोर यूनिवर्सिटी को एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 के लिए चुना गया है। पुरस्कार समारोह 23 दिसम्बर को कोर यूनिवर्सिटी में अयोजित किया जाएगा।कोर यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने कहा कि यह पूरे क्षेत्र में मानव संसाधन पेशेवरों के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने का वादा करता है। मानव संसाधन प्रबंधन में उत्कृष्टता को मान्यता देने एवं प्रोत्साहित करने की दृष्टि से एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार की स्थापना की गई थी। पुरस्कार उन व्यक्तियों और संगठनों को प्रदान किए जाएगे, जिन्होंने अपनी मानव पूंजी के प्रबंधन और विकास में असाधारण प्रतिबद्धता, नवाचार और प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया है। कहा कि जैसे-जैसे व्यवसाय निरंतर विकसित हो रहे परिदृश्य में आगे बढ़ रहे है। मानव संसाधन पेशेवरों की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। कहा कि पुरस्कार समारोह में ख्याति प्राप्त वक्ता, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग के अवसर शामिल होंगे।

Date: 17.12.23 Amar Ujala News Page No.4 (My City Page)

'नये भारत का सपना शीघ्र होगा साकार'

उत्तर मध्य क्षेत्र के दो दिवसीय अधिवेशन में बोले आचार्य अवधेशानंद

माई सिटी रिपोर्टर

हरिद्वार। भारत विकास परिषद उत्तर मध्य क्षेत्र के दो दिवसीय क्षेत्रीय अधिवेशन में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनने में अब देर नहीं लगेगी। देश का लाल आज भारत की सेवा कर रहा है पांच, सात साल बाद ही हम भारतीय सबसे आगे होंगे।

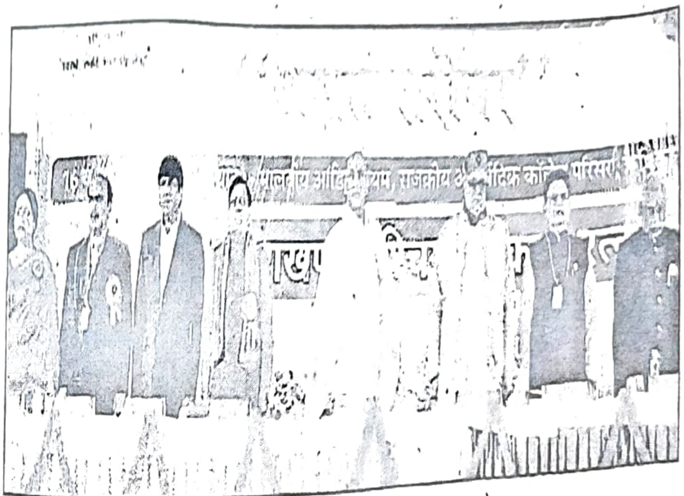

भाविप की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। संवाद

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज स्थित मालवीय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत के मूल में भारतीयों की भूमिका अहम रही है। विश्व का एक मात्र ऐसा संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ही है जो चिंतन, मनन, चरित्र, आचरण और संस्कृति के प्रति समर्पण भाव से काम कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक महेंद्र ने कहा कि हम सब लोग काम करने वाले हैं और हम काम की भाषा ही जानते हैं। क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. तरुण शर्मा ने कहा कि इस दो दिवसीय अधिवेशन के दौरान अलग-अलग सत्र में संगठन की गतिविधियों और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष बृज प्रकाश गुप्ता, प्रांतीय महामंत्री मनीषा सिंहल, क्षेत्रीय महासचिव अनुराग दुबलिश, राष्ट्रीय महामंत्री श्याम शर्मा, डॉ. शैलेंद्र, कोर यूनिवर्सिटी के जेसी जैन, शरद चंद्रा, ललित पांडे आदि मौजूद रहे।

Date: 18.12.23 | Danik Jagran | News page No.2

भारत विकास परिषद के विचार आज भी प्रासंगिक : स्वामी अवधेशानंद गिरि

हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज के मालवीय आडिटोरियम में भारत विकास परिषद के दो दिवसीय क्षेत्रीय अधिवेशन का किया गया उद्घाटन

कार्यक्रम में उपस्थित स्वामी अवधेशानंद व अन्य अतिथिगण • जागरण

संवाद सहयोगी, हरिद्वार : भारत विकास परिषद उत्तर मध्य क्षेत्र-1 के दो दिवसीय क्षेत्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि विश्व का एक मात्र ऐसा संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ही है, जो चिंतन, मनन, चरित्र, आचरण और संस्कृति के प्रति समर्पण भाव से काम कर रहा है। परिषद के विचार आज भी प्रासंगिक है। क्लब के नाम पर भारत विकास परिषद सामाजिक दायित्वों की पूंजी है।

ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज स्थित मालवीय आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में संघ के क्षेत्रीय प्रचारक महेंद्र कुमार ने कहा कि हम सब लोग काम करने वाले हैं और हम काम की भाषा ही जानते हैं। भारत विकास परिषद की सभी शाखाएं एक स्थायी प्रकल्प चलाएं। क्षेत्रीय अध्यक्ष डा. तरुण शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय अधिवेशन के दौरान अलग-अलग सत्रों में संगठन की गतिविधियों और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। देवभूमि में हो रहे इस अधिवेशन में 450 से अधिक डेलिगेट्स भाग ले रहे हैं।

स्वागत भाषण करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष बृज प्रकाश गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से राष्ट्र सेवा में अपना निरंतर योगदान दे रहा है। प्रथम सत्र की शुरुआत करते हुए प्रांतीय महामंत्री मनीष सिंहल ने अपनी रिपोर्ट रखी। उसके बाद मंच का संचालन क्षेत्रीय महासचिव अनुराग दुबलिश ने किया।

प्रथम सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री श्याम शर्मा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांतीय प्रचारक डा. शैलेंद्र, कोर यूनिवर्सिटी के जेसी जैन, क्षेत्रीय संयुक्त महामंत्री शरद चंद्रा, संगठन मंत्री ललित पांडे, प्रांतीय कोषाध्यक्ष रोहित कोचगवे, सुगंधा जैन, डा. संगीता सिंह, अमित गुप्ता, कुशलपाल सिंह चौहान मौजूद रहे।

Date: 17.12.23 Rashtiya Sahara News Page No. 5

नये भारत का सपना शीघ्र होगा साकार : स्वामी अवधेशानंद गिरि

■ भारत विकास परिषद उत्तर मध्य क्षेत्र-1 का दो दिवसीय अधिवेशन शुरू

क्षेत्रीय अधिवेशन अमृत सरोवर के दौरान मंचासीन अतिथि।

हरिद्वार(एसएनबी)। भारत विकास परिषद उत्तर मध्य क्षेत्र-1 के दो दिवसीय क्षेत्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि भारत को विश्व गुरु बनने में अब देर नहीं लगेगी। देश का लाल आज भारत की सेवा कर रहा है कुछ सालों बाद ही हम भारतीय सबसे आगे होंगे।

ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज स्थित मालवीय आडिटोरियम में आयोजित अधिवेशन को संबोधित करते हुए आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय अधिवेशन में सहभागिता निभाते हुए उन्हें हर्ष हो रहा है। भारत के मूल में भारतीयों की भूमिका अहम रही हैं। विश्व का एक मात्र ऐसा संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ही है जो चिंतन, मनन, चरित्र, आचरण और संस्कृति के प्रति समर्पण भाव से काम कर रहा है। परिषद के विचार आज भी प्रासंगिक है। भारत विकास परिषद सामाजिक दायित्वों की पूंजी है। हिंदू वैदिक सनातन संस्कृति बिना किसी प्रलोभन के भी विश्व में फैल रही है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक महेंद्र ने कहा कि हम सब लोग काम करने वाले है और हम काम की भाषा ही जानते हैं। भारत विकास परिषद की सभी शाखाएं एक स्थायी प्रकल्प चलाएं। तभी देश में एक नया परिवर्तन आयेगा। भारत स्व आधारित होगा। प्राचीन काल में पूज्य संतों के साथ ही समाज का भी योगदान है। इसीलिए तो भारत भारत रह सका। आज शिक्षा में अपनी भाषा और संस्कृति होनी चाहिए। वही खेती में भी हमें प्राचीन पद्धति अपनानी होगी। आज विज्ञान का स्वरूप बदल रहा है, विज्ञान को विकास के रूप में स्वीकार करें ना कि विनाश के रूप में। परिषद को संस्कृति की रक्षा के लिए सजग रहना होगा। आज देश में नकारात्मक सोच विकसित की जा रही है। इससे सावधान रहने की जरूरत है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष डा. तरुण शर्मा ने कहा कि दो दिवसीय अधिवेशन के दौरान अलग-अलग सत्रों में संगठन की गतिविधियों और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। प्रांतीय अध्यक्ष बृज प्रकाश गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से राष्ट्र सेवा में अपना निरंतर योगदान दें रहा है। प्रांतीय महामंत्री मनीषा सिंहल ने अधिवेशन में अपनी रिपोर्ट पेश की। मंच का संचालन करते हुए क्षेत्रीय महासचिव अनुराग दुवलिश ने अधिवेशन के विभिन्न सत्रों में होने वाली चर्चाओ की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि परिषद के पूरे भारत में 8 जोन हैं। देवभूमि में हो रहे इस अधिवेशन में 239से अधिक शाखाओं के डेलिगेट्स भाग लें रहें हैं। प्रथम सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री श्याम शर्मा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांतीय प्रचारक डा. शैलेंद्र, कोर यूनिवर्सिटी के जेसी जैन, क्षेत्रीय सयुक्त महामंत्री शरद चंद्रा, संगठन मंत्री ललित पांडे, प्रांतीय कोषाध्यक्ष रोहित कोचगवे, प्रांतीय महिला संयोजिका सुगंध जैन, महिला एवं बाल विकास संयोजिका डा.संगीता सिंह, प्रांतीय मीडिया प्रभारी अमित गुप्ता, पंचपुरी शाखा अध्यक्ष एडवोकेट कुशलपाल सिंह चौहान आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर भारत विकास परिषद की पश्चिम प्रांत दुवारा प्रकाशित स्मारिका का मंचासीन अतिथियों द्वारा विमोचन भी किया गया।

Date: 4.12.23 Newspaper: Amar Ujala News Page No. 4 (My City Page)

'तकनीकी शिक्षा में शोध करना अत्यंत आवश्यक'

हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय रुड़की के स्थापना दिवस पर हुए कार्यक्रम में संस्थापक एवं अध्यक्ष जेसी जैन ने छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में विश्वस्तर के मानक स्थापित करने का आह्वान किया। कहा कि तकनीकी शिक्षा में शोध करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि, तकनीकी शिक्षा के बल पर ही हमारा देश प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि अध्ययन के साथ-साथ ही छात्रों को अपने सामाजिक और नैतिक मूल्यों को समझना चाहिए। उनकी रक्षा करना उनका परम कर्तव्य बनता है। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों से देश एवं प्रदेश के विकास के मॉडल पर शोध करने की अपील की। बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एंड सेंटर रुड़की के कमांडेट ब्रिगेडियर राजेश भट्ट ने कहा भारत युवाओं का देश है। आज युवाओं के कंधों पर देश की बड़ी जिम्मेदारियां हैं, उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। जिससे हमारा विकसित होने का सपना पूर्ण हो सके।

एम्स ऋषिकेश की डायरेक्टर डॉ. मीनू सिंह ने कहा कि मेडिकल साइंस के क्षेत्र में तकनीकी का महत्व दिन पर दिन पड़ता जा रहा है, इसलिए, टेक्नीशियन के कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी आ रही है। इस दौरानप प्रतिकुलपति डॉ.बीएम सिंह, प्रो. श्रेयांश जैन, सुनीता जैन, चारू जैन ने विचार रखे। संवाद

Date: 4.12.23 Newspaper: Pradhan Times News Online Received By: Dr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय रूड़की ने बड़ी धूमधाम से मनाया 26वाँ स्थापना दिवस

प्रधान टाइम्स ब्यूरो

रूड़की। दिल्ली हाईवे मार्ग पर स्थित कोर विश्वविद्यालय रूड़की पूर्व कॉलेज आफ इंजीनियरिंग रूड़की ने अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 26 वर्ष पूर्ण होने पर, एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर अपना स्थापना दिवस बड़े हर्ष एवं उत्साह के साथ मनाया कार्यक्रम में कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जे.सी. जैन ने बतौर मुख्य अतिथि एवं ब्रिगेडियर राजेश भट्ट कमान्डेन्ट बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एण्ड सेन्टर रूड़की, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ए आई आई एम एस ऋषिकेश डा मीनू सिंह, प्रो. चांसलर कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा श्रीमति सुनीता जैन एवं कार्यकारी निदेशक श्रीमति चारू जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत किया। विशेष आमंत्रित अतिथियों में फैक्ट्रियार चीफ मैनेजर ओ.एन.जी.सी. गोपाल जोशी जी.एम. एम.बी.एल.ई एल हरिद्वार सुनील कुमार गर्ग, अध्यक्ष सिडकुल मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन उत्तराखण्ड डॉ हरेन्द्र कुमार गर्ग रहे। यह कार्यक्रम प्रतिकुलपति डॉ.वी.एन.सिंह के सफल निर्देशन में आयोजित हुआ जिसका मंच का संचालन डॉ.वीनलक्ष्मी एवं डा रश्मि गुप्ता, ने किया।

मुख्य अतिथि ने अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संस्थान द्वारा प्रकाशित शोध जर्नल पत्रिका 'अन्वेषण' व अन्य न्यूज लेटर, का विमोचन किया जिनमें आर एण्ड डी न्यूज लेटर, विश्वविद्यालय न्यूज लेटर अन्य विभागीय न्यूज लेटर आदि है। कोर के संस्थापक एवम अध्यक्ष श्री जे सी जैन ने संस्थान की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया तथा कोर संस्थाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों तथा शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तर के मानक स्थापित करने का आह्वान किया मुख्य अतिथि कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जे.सी. जैन ने 26वें स्थापना दिवस की सभी छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्रबन्ध समिति को बधाई दी उन्होंने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रूड़की जो आज कोर विश्वविद्यालय बन चुका है के तकनीकी एवं प्रबंध शिक्षा के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि कोर की शिक्षा के मानचित्र पर एक अलग पहचान है उत्तराखण्ड ही नहीं अपितु इसकी पहचान भारत के कोने कोने तक फैली है और शायद ही विश्व कोई देश है जहाँ इस संस्था के छात्र सेवारत नहीं है उन्होंने भारत में तकनीकी शिक्षा के और विकास पर बल देते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा में शोध करना अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि तकनीकी शिक्षा के बल पर ही हमारा देश प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। अध्ययन के साथ साथ ही छात्रों को अपने सामाजिक और नैतिक मूल्यों को समझना चाहिए उनकी रक्षा करना आपका परम कर्तव्य बनता है उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से देश एवं प्रदेश के विकास के मॉडल पर शोध करने का आह्वान किया और कहा देश के विकास में योगदान देने वाले छात्रों एवं शिक्षकों को हमारा हर संभव सहयोग रहेगा कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए प्रतिकुलपति डॉ.वी.एन.सिंह, ने संस्थान की स्थापना के प्रथम दिन से लेकर आज तक की उपलब्धियों एवं विकास पर प्रकाश डालने के साथ साथ आगामी योजनाओं के बारे में बताया उन्होंने कहा कोर पिछले 26 वर्षों से प्रतिवर्ष नयी ऊँचाईयों को छूता चला गया एवं इसी मार्ग पर अग्रसर रहेगा उन्होंने बताया कि कोर में उच्च कोटि के शिक्षक है जो छात्रों को शिक्षण का कार्य कर रहे हैं इस प्रकार उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने एवं उच्च स्तरीय शोध कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने एक वर्ष में किये गये शोध कार्यों का विवरण दिया उन्होंने सभी शिक्षकों एवं छात्रों को बधाई दी और कठिन परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया इसके बाद मुख्य अतिथि ने संस्थान के शिक्षकों को अभिप्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया। इसके साथ ही संस्थान में इस वर्ष 10, 15 एवं 20 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों एवं शिक्षकों को लिकॉग्निशन अवार्ड से सम्मानित किया जिनमें श्रीमान पिन्टू, डॉ नागराजन, सजीव शर्मा, दिव्या मिश्रा, विपिन कुमार, विनीत कुमार, मयंक देव, नितिन चन्द्र, अनिल कुमार, ने पुरस्कार ग्रहण किये इस अवसर पर पीएचडी छात्रों के साथ आठ पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमें मधुप राय, सत्यम पंवारी, दिव्यांश गुप्ता, मुकेश चौहान, दीपक पंवार, सौरभ कुमार, अनुराग, रोहित शर्मा, जितेन्द्र सिंह पंवार, प्रशांत जैन, पंकज शर्मा, विद्यारंजन संघवाल, स्वर्णिम भूषण, पुलिन्दा मल्होत्रा, कपिल पंत, निखिल गुप्ता, रितेश कुमार, दिव्या अग्रवाल, अभय बंसल आदि रहे स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर शोध कार्य को बढ़ावा देने व शोधार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से शिक्षकों व छात्रों को शोध प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिनमें मुख्यतः अनिल कुमार मिश्रा, डॉ अरुणा भारद्वाज डॉ गंगा ठाकुर, डॉ कमल कपूर, डॉ इन्दु, डॉ ब्रजमोहन सिंह, डॉ रोहित कुमार, डॉ पुनीत सैनी, डॉ कमल कुमार गोयल डॉ मृदुला सिंह डॉ एस पी पाण्डेय, डॉ रश्मि गुप्ता, छात्रों में प्रियांश जोशी, अभिनव जैन, शिवम राय, जानवी पंवार, आदि रहे 26वें स्थापना दिवस के पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः सात हजार, पांच हजार एवं तीन हजार रूपये के अभिप्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिनमें अनुपी पंवार, देवश्री, हर्षिता सिंह, तान्या चौहान, प्रियंका अरोड़ा, मुस्कान आदि अभिषेक आर्यन नारायण पुरोहित अवान्त हर्षिता, वाहबलन्स आदित्य गौतम आकृति सैनी निकूष एकांश उत्सव सिवाल अदिति सिवान सहनोत अनिल कुमार भटनाग आदित्य विश्वम अनन्त मिश्रा आदि रहे विशिष्ट अतिथि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ए.आई.आई.एम.एस. ऋषिकेश डॉ मीनू सिंह ने कहा मेडिकल साइंस के क्षेत्र में तकनीकी का महत्व दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है इसलिए टेक्नोलॉजिस्ट के कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी आ गयी है। और शिक्षा के क्षेत्र में कोई भी उत्कृष्ट कार्य शिक्षकों एवं छात्रों के समन्वय के बिना नहीं किया जा सकता विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर राजेश भट्ट ने 26 वें स्थापना दिवस के पर शुभकामना और परिवार को बधाई दी एवं युवाओं से देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने का आह्वान किया उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है और आज युवाओं के कंधों पर देश की बड़ी जिम्मेदारियाँ है उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को पहचानना चाहिए। जिससे हमारा विकसित होने का सपना पूर्ण हो सके जिसके लिए आज भारतीय सेना विभिन्न वैज्ञानिक संस्थान से समन्वय स्थापित कर रही है गोपाल जोशी ग्रुप जनरल मैनेजर ओ.एन.जी.सी ने ओएनजीसी की भूमिका उसके कार्य क्षेत्र को बताया एवं छात्रों के लिए उपयोगिता को विस्तार से समझाया। इसी क्रम में सिडकुल संगठन उत्तराखंड के अध्यक्ष श्री हरेंद्र गर्ग जी ने बताया की उत्तराखंड में मैन्युफैक्चर बड़ी तेज गति से विस्तार कर रहे है और उत्तराखंड देश-विदेश के इन्वेस्टर्स को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्तराखंड के उत्पादन को विस्तार से बताया कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। विश्वविद्यालय प्रो चांसलर कोर श्रेयांश जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर कालेज के सभी छात्र-छात्राएं, कर्मचारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

Date: 4.12.23 Newspaper: Badri Vishal News Online Received By: Dr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय रुड़की ने धूमधाम से मनाया 26वाँ स्थापना दिवस

रुड़की बद्री विशाल। कोर विश्वविद्यालय रुड़की (पूर्व कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की) ने अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 26 वर्ष पूर्ण होने पर, एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर अपना स्थापना दिवस बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम में कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने बतौर मुख्य अतिथि एवं ब्रिगेडियर राजेश भट्ट कमान्डेंट बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एण्ड सेन्टर रुड़की, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एआईआईएमएस ऋषिकेश डॉ मीनू सिंह, प्रो चांसलर कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा श्रीमति सुनीता जैन एवं कार्यकारी निदेशक श्रीमति चारू जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। विशेष आमंत्रित अतिथियों में प्रोटियर वेंसिन मैनेजर ओएनजीसी गोपाल जोशी, जीएम, एमबीएवीएल हरिद्वार सुनील कुमार गर्ग, अध्यक्ष सिडकुल मैन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन उत्तराखण्ड डॉ. हरेन्द्र कुमार गर्ग रहे। उक्त कार्यक्रम प्रतिकुलपति डॉ वी.एम. सिंह के निर्देशन में हुआ। जिसका संचालन डॉ. वीरालक्ष्मी एवं डॉ. रश्मि गुप्ता ने किया।

मुख्य अतिथि ने अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संस्थान द्वारा प्रकाशित शोध जर्नल (पत्रिका) 'अनवेश' व अन्य न्यूज लेटर, का विमोचन किया जिनमें आर एण्ड डी न्यूज लेटर, विश्वविद्यालय न्यूज लेटर अन्य विभागीय न्यूज लेटर शामिल रहे। कोर के संस्थापक एवं अध्यक्ष जेसी जैन ने संस्थान की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त किया तथा कोर संस्थाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों तथा शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तर के मानक स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की, जो आज कोर विश्वविद्यालय बन चुका है, के तकनीकी एवं प्रबंध शिक्षा के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि कोर की शिक्षा के मानचित्र पर एक अलग पहचान है। उत्तराखण्ड ही नहीं अपितु इसकी पहचान भारत के कोने-कोने तक फैली है और शायद ही विश्व में ऐसा कोई देश है, जहाँ इस संस्था के छात्र सेवारत नहीं है। उन्होंने भारत में तकनीकी शिक्षा के विकास पर बल देते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा में शोध करना अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि तकनीकी शिक्षा के बल पर ही हमारा देश प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। वहीं प्रतिकुलपति डॉ. वीएम सिंह ने संस्थान की स्थापना के प्रथम दिन से लेकर आज तक की उपलब्धियों एवं विकास पर प्रकाश डालने के साथ-साथ आगामी योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कोर बीते 26 वर्षों में प्रतिवर्ष नयी ऊँचाईयों को छूता चला गया एवं उसी मार्ग पर अग्रसर रहेगा। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने संस्थान के शिक्षकों को अभिप्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया। इसके साथ ही संस्थान में इस वर्ष 10, 15 एवं 20 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों एवं शिक्षकों को रिकॉग्निशन अवार्ड से सम्मानित किया, जिनमें थॉमस मैथ्यू, डॉ. अमरनाथ, राजीव शर्मा, दिव्या मिश्रा, विपिन कुमार, विनीत कुमार, मयंक रंग, नितिन चन्द, अमित कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किये। इस अवसर पर विभिन्न वर्षों के पास आउट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमें मधुर राय, वरुण पंवार, विशाल गुप्ता, मुकेश धीमान, दीपक पंवार, रीतेश कुमार, अनुराग, रोहित गर्ग, जितेन्द्र सिंह पंवार, प्रशांत जैन, पंकज गर्ग, निहारिका सेमवाल, स्वर्णिका मुयाल, पुल्कित मल्होत्रा, कपिल पंत, निखिल गुप्ता, रितेश कुमार, दिशा अग्रवाल, अपार बंसल आदि रहे। स्थापना दिवस पर शोध कार्य को बढ़ावा देने व शोधार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से शिक्षकों व छात्रों को शोध प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिनमें मुख्यतः अंकित कुमार सिंघल, डॉ. अरुणा भट्ट, डॉ. गेसु ठाकुर, डॉ. कमल कपूर, डॉ. इंदुजा, डॉ. ब्रजमोहन सिंह, डॉ. रोहित कन्नौजिया, डॉ. मुनीश सेठी, डॉ. कमल कुमार गोला, डॉ. मृदुला सिंह, डॉ. एसपी पाण्डेय, डॉ. रश्मि गुप्ता, छात्रों में निशांत जोशी, अक्षिता जैन, शिवम राय, जान्हवी बंसल शामिल रहे। इसके अलावा प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः सात हजार, पांच हजार एवं तीन हजार रुपये के अभिप्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विशिष्ट अतिथि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम्स ऋषिकेश डॉ. मीनू सिंह ने कहा कि मेडिकल साइंस के क्षेत्र में तकनीकी का महत्व दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। इसलिए टेक्नोक्रेट्स के कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी आ रही है। विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर राजेश भट्ट ने स्थापना दिवस पर बधाई दी एवं युवाओं से देश के समग्र विकास में बहुमुखी योगदान देने का आह्वान किया। वहीं गोपाल जोशी ग्रुप जनरल मैनेजर ओएनजीसी ने ओएनजीसी की भूमिका उसके कार्य भविष्य की योजनाएं एवं छात्रों के लिए उपयोगिता को विस्तार से समझाया। विशिष्ट सिडकुल संगठन उत्तराखंड के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग ने बताया कि उत्तराखंड में मैन्युफैक्चरर बड़ी तेज गति से विस्तार कर रहे हैं और उत्तराखंड देश-विदेश के इन्वेस्टर्स को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्तराखंड के उत्पादन को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। विश्वविद्यालय प्रो. चांसलर कोर श्रेयांश जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी छात्र-छात्राएं, कर्मचारी, शिक्षक मौजूद रहे।

Date: 4.12.23 Newspaper: Badri vishal (2) News online Received By: Dr. Ravinder saini

कोर विश्वविद्यालय में हुआ पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। कोर विश्वविद्यालय रुड़की में पूर्व छात्र सम्मेलन-2023 का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों के आपसी सम्बंधों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी उपलब्धियों से संस्थान के छात्रों को अवगत कराना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के चांसलर जेसी जैन रहे।

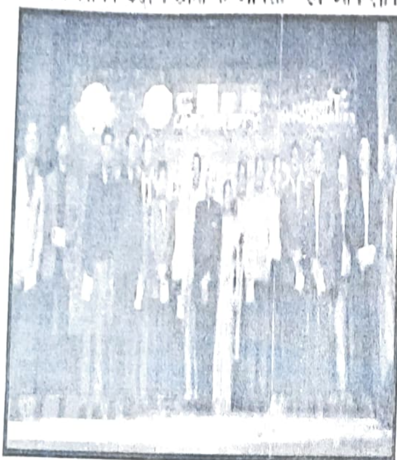

कार्यक्रम में चांसलर जेसी जैन ने सभी पूर्व छात्रों का स्वागत किया और कहा कि आज मुझे सभी छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा कि निसंकोच आपने इस संस्थान एवं अपने शिक्षकों को अपने कठिन परिश्रम से गौरवान्वित किया है। आप लोगों पर हम सदैव गर्व करते रहेंगे। जैन ने अध्ययनरत छात्रों से कहा कि आप जीवन में एक उच्च लक्ष्य निर्धारित करें और उस लक्ष्य के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा से काम करें तभी आपको एक अप्रत्याशित सफलता की प्राप्त होगी। उन्होंने कई छात्र-छात्राओं के कठिन परिश्रम एवं उनकी सफलताओं के उदाहरण प्रस्तुत किये। कोर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति श्रेयांश जैन ने सभी पूर्व छात्रों के आगमन पर हर्ष व्यक्त किया व आयोजक समिति के सभी सदस्यों को उनका विशेष ध्यान रखने के विशेष निर्देश दिए एवं कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग पर मार्गदर्शन किया। वहीं विश्वविद्यालय के प्रति -कुलपति डॉ. वीएम सिंह ने कोर के स्थापना दिवस से प्रारंभ कर वर्तमान तक की संपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला। बताया कि आज कोर विश्वविद्यालय का वर्तमान स्वरुप किन-किन चुनौतियों का सामना करने के उपरांत प्राप्त हुआ एवं किस प्रकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कोर विश्वविद्यालय ने अपने उच्च गुणवत्ता मानक स्थापित किये। कार्यक्रम के अंतर्गत 250 से अधिक विभिन्न संकायों के पूर्व छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। साथ ही उन्होंने अपनी -अपनी सफलता की यात्राओं के अनुभव साझा किये। कई वरिष्ट छात्रों ने बताया की सफलता के मार्ग पर असफलता से बहुत बार रूबरू होना पड़ता है। इसलिए असफलताओं से विचलित नहीं हों। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न विषय के छात्रों ने एक प्रदर्शनी आयोजित की, जिसके अंतर्गत आधुनिक तकनीकी पर आधारित मॉडल को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ट्रेनिंग एवं प्लेस अधिकारी राकेश मार्कस ने किया एवं ऊर्जा सांस्कृतिक समिति के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कोर विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम पास आउट बैच 2003 के छात्र-छात्राओं को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसके अंतर्गत प्रति कुलपति डॉ. वी एम सिंह, निदेशक प्रवेश विभाग डॉक्टर देवेंद्र कुमार एवं अन्य प्रोफेसर सम्मिलित किए गए। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए डॉ. मनीष माथुर, डॉ. सुशील, डॉ. मृदुला सिंह, डॉ. डी. गुप्ता, डॉ. वीके सिंह, श्रीमती दिव्या मिश्रा, डॉ. वीर लक्ष्मी, डॉ. राजेश उपाध्यायछ सुनीत रानी आदि का अहम योगदान रहा।

Date: 4.12.23 Newspaper: Danik News Uttrakhand News Online Received By: Dr. Ravinder saini

दैनिक न्यूज़ उत्तराखंड

Sunday 3rd December 2023

website: www.dainiknewsuttarakhand.com

कोर विश्वविद्यालय रुड़की ने बडी धूमधाम से मनाया 26वां स्थापना दिवस

(रिपोर्ट:-ब्रह्मानंद चौधरी रुड़की) कोर विश्वविद्यालय रुड़की (पूर्व कॉलेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की)ने अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 26 वर्ष पूर्ण होने पर, एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर अपना स्थापना दिवस बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में माननीय कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जे सी जैन ने बतौर मुख्य अतिथि एवं ब्रिगेडियर राजेश भट्ट कमान्डेन्ट बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एण्ड सेन्टर रूडकी,एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ए आई आई एम एस ऋषिकेश डा मीनू सिंह, प्रो चांसलर कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा सुनीता जैन एवं कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। विशेष आमन्त्रित अतिथियों में फ्रंटियर बेसिन मैनेजर ओएनजीसी गोपाल जोशी जीएम, एम बी एच ई एल हरिद्वार सुनील कुमार गर्ग,अध्यक्ष सिडकुल मैन्यूफैचरिंग एसोसिएशन उत्तराखण्ड डॉ हरेन्द्र कुमार गर्ग रहे। यह कार्यक्रम प्रतिकुलपति डॉ0 बी0एम0 सिह के सफल निर्देशन में आयोजित हुआ । जिसका मंच का संचालन डॉ0.वीरालक्ष्मी एंव डा रश्मि गुप्ता, ने किया। मुख्य अतिथि ने अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संस्थान द्वारा प्रकाशित शोध जर्नल (पत्रिका) 'अनवेश', व अन्य न्यूज लेटर, का विमोचन किया जिनमें आर एण्ड डी न्यूज लेटर, विश्वविद्यालय न्यूज लेटर अन्य विभागीय न्यूज लेटर आदि है। कोर के संस्थापक एवम अध्यक्ष श्री जे सी जैन ने संस्थान की उपलब्धियो पर हर्ष व्यक्त किया तथा कोर संस्थाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की । उन्होंने छात्रों तथा शिक्षको को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तर के मानक स्थापित करने का आहवाहन किया । मुख्य अतिथि कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जे सी जैन ने 26वें स्थापना दिवस की सभी छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्रबन्ध समिति को बधाई दी । उन्होंने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रूड़की जो आज कोर विश्वविद्यालय बन चुका है के तकनिकी एवं प्रबंध शिक्षा के योगदान की प्रसंशा की और कहा कि कोर की शिक्षा के मानचित्र पर एक अलग पहचान है उत्तराखण्ड ही नही अपितु इसकी पहचान भारत के कोने कोने तक फैली है और शायद ही विश्व कोई देश है जहाँ इस संस्था के छात्र सेवारत नही है।

उन्होंने भारत में तकनिकी शिक्षा के और विकास पर बल देते हुए कहा कि तकनिकी शिक्षा में शोध करना अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि तकनिकी शिक्षा के बल पर ही हमारा देश प्रगति के मार्ग पर आगे बढ सकता है। अध्ययन के साथ साथ ही छात्रों को अपने सामाजिक और नैतिक मूल्यो को समझना चाहिए उनकी रक्षा करना आपका परम कर्तव्य बनता है उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से देश एवं प्रदेश के विकास के मॉडल पर शोध करने का आहवाहन किया और कहा देश के विकास में योगदान देने वाले छात्रों एवं शिक्षको को हमारा हर संभव सहयोग रहेगा। कार्यक्रम की रूपरेखा को आगे बढाते हुए प्रतिकुलपति डॉ0 बी एम सिह, ने संस्थान की स्थापना के प्रथम दिन से लेकर आज तक की उपलब्धियों एवं विकास पर प्रकाश डालने के साथ साथ आगामी योजनाओ के बारे में बताया। उन्होंने कहा कोर बीते 26 वर्षों में प्रतिवर्ष नयी ऊँचाईयो को छूता चला गया एवं उसी मार्ग पर अग्रसर रहेगा । उन्होंने बताया कि कोर में उच्च कोटि के शिक्षक है जो छात्रों को शिक्षण का कार्य कर रहे हैं हम हमेशा उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने एवं उच्च स्तरीय शोध कार्यो के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने एक वर्ष में किये गये शोध कार्यो का विवरण दिया ।उन्होंने सभी शिक्षको एवं छात्रों को बधाई दी और कठिन परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि महोदय ने संस्थान के शिक्षकों को अभिप्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया। इसके साथ ही संस्थान मे इस वर्ष 10, 15 एवं 20 वर्षो का कार्यकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों एवं शिक्षको को रिकॉग्निशन अवार्ड से सम्मानित किया जिनमें थोमस मैथ्यू, डॉ अमरनाथ, राजीव शर्मा, दिव्या मिश्रा, विपिन कुमार, विनीत कुमार, मंयक देव, नितिन चन्द, अमित कुमार, ने पुरस्कार ग्रहण किये । इस अवसर पर विभिन्न वर्षो के पास आउट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया । जिसमें मधुप राय, वरूण पंजानी, विशाल गुप्ता, मुकेश धीमान, दीपक पंवार, रविस कुमार, अनुढागंर, रोहित गर्ग, जितेन्द्र सिंह पंसार, एशांत जैन, पंकज गर्ग, निहारिका सेमवाल, स्वपनिल मुयाल, पुल्कित मल्होत्रा, कपित पंथ, निखिल गुप्ता, रितेश कुमार, दिप्ती अग्रवाल, अपार बंसल आदि रहे । स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर शोध कार्य को बढावा देने व शोधार्थियों को प्रेरित करने के उददेश्य से शिक्षको व छात्रों को शोध प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिनमें मुख्यत अंकित कुमार सिंघल, डॉ अरूणा भटट, डॉ गेसु ठाकुर, डॉ.कमल कपूर, डॉ इंदूजा, डॉ ब्रजमोहन सिंह, डॉ रोहित कन्नौजिया,डॉ मुनीश सेठी, डॉ कमल कुमार गोला , डॉ मृदुला सिंह डॉ एस पी पाण्डेय, डॉ.रश्मि गुप्ता, छात्रो में चिराग जोशी, अक्सिता जैन, शिवम राय,, जानवी बंसल, आदि रहे। 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक कलास में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमश सात हजार, पांच हजार एवं तीन हजार रूप्ये के अभिप्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिनमें आयुषी पंवार, देवकी, रितिका सिह, तान्या चैहान, प्रियंका अनिषा, गुंजन आजिब अभिशेक अमन नारायण प्रेरणा श्यामह हर्षिता, वात्सल्य साजिया नीतेश आकृति रागनी पियूष एकांस उत्कर्ष विशाल, अदिति शिफा नवनीत अर्पित तृशार समिक्षा आफिया शिवम अनन्त प्रिन्स आदि रहे। विशिष्ट अतिथि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एआईआईएमएस ऋषिकेश डॉ मीनू सिंह ने कहा मेडिकल साइंस के क्षेत्र में तकनीकी का महत्व दिन पर दिन पड़ता जा रहा है इसलिए टेक्नीशियन के कंधों पर ज्यादा जिम्मेदारी आ रही है। और शिक्षा के क्षेत्र में कोई भी उत्कृष्ट कार्य शिक्षकों एवं छात्रों के समन्वय के बिना नहीं किया जा सकता।

विशिष्ट अतिथि ब्रिगेडियर राजेश भट्ट ने 26 में स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त और परिवार को बधाई दी एवं युवाओं से देश के समग्र विकास में बहुमुखी योगदान देने का आह्वान किया उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है और आज युवाओं के कंधों पर देश की बड़ी जिम्मेदारियां हैं उन्हें अपनी जिम्मेदारियो को समझना चाहिए। जिससे हमारा विकसित होने का सपना पूर्ण हो सके जिसके लाए आज भारतीय सेना विभिन्न शैक्षणिक संस्थान से समन्वय स्थापित कर रही है। गोपाल जोशी ग्रुप जनरल मेनेजर ओएनजीसी ने ओएनजीसी की भूमिका उसके कार्य भविष्य की योजनाएं एवं छात्रों के लिए उपयोगिता को विस्तार से समझाया। इसी क्रम में सिडकुल संगठन उत्तराखंड के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग ने बताया की उत्तराखंड में मैन्युफैक्चरर बड़ी तेज गति से विस्तार कर रहे हैं और उत्तराखंड देश-विदेश के इन्वेस्टर्स को आकर्षित कर रहा हैं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्तराखंड के उत्पादन को विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियो को स्मृति चिन्ह भेट किये गये। विश्वविद्यालय प्रो चांसलर कोर श्री श्रेयांश जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया एंव पुनः आगमन का अनुरोध किया। इस अवसर पर कालेज के सभी छात्र-छात्राएं, कर्मचारी, शिक्षक उपस्थित रहे ।

Date: 3.12.23 News Online Received By : Dr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

रुड़की, 2 दिसम्बर (अनिल) : कोर विश्वविद्यालय रुड़की में पूर्व छात्र सम्मेलन-2023 का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों के आपसी सम्बधों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी उपलब्धियों से संस्थान के छात्रों को अवगत कराना भी था। कार्यकारी निदेशक चारू जैन के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के चांसलर जे सी जैन रहे। जैन ने कहा कि आप जीवन में एक उच्च लक्ष्य निर्धारित करें और उस लक्ष्य के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा से काम करें, तब आपको एक अप्रत्याशित सफलता की प्राप्त होगी। कोर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति श्रेयांश जैन ने कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग पर मार्गदर्शन किया। प्रति कुलपति डॉ बीएम सिंह ने कोर के स्थापना दिवस पर प्रारंभ से वर्तमान तक की संपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न विषय के छात्रों ने प्रदर्शनी भी आयोजित की।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि व अन्य।

कार्यक्रम का संचालन ट्रेनिंग एवं प्लेस अधिकारी राकेश मार्कस ने किया। ऊर्जा सांस्कृतिक समिति के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस अवसर पर प्रथम पास आउट बैच 2003 के छात्र-छात्राओं को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए डॉ मनीष माथुर, डॉ सुशील, डॉ मृदुला सिंह, डॉ डी गुप्ता, डॉ वीके सिंह, दिव्या मिश्रा, डॉ वीर लक्ष्मी, डॉ राजेश उपाध्याय, सुनीता रानी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

Date: 4.12.23 Newspaper: Janvaani News Online Received By: Dr. Ravinder Saini

समन्वय के बिना नहीं हो सकता उत्कृष्ट कार्य

कोर विश्वविद्यालय रुड़की ने बड़ी धूमधाम से मनाया 26 वां स्थापना दिवस

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर विश्वविद्यालय रुड़की (पूर्व कॉलेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की) ने अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 26 वर्ष पूर्ण होने पर, एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर अपना स्थापना दिवस बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने बतौर मुख्य अतिथि एवं ब्रिगेडियर राजेश भट्ट कमांडेंट बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एण्ड सेंटर रुड़की, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ए आई आई एम एस ऋषिकेश डा मीनू सिंह, प्रो चांसलर कोर विश्वविद्यालय श्री श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा श्रीमति सुनीता जैन एवं कार्यकारी निदेशक श्रीमति चारू जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। विशेष आमन्त्रित अतिथियों में फ्रंटियर बेसिन मैनेजर ओएनजीसी गोपाल जोशी, जीएम, बीएचईएल हरिद्वार सुनील कुमार गर्ग, अध्यक्ष सिडकुल मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन उत्तराखण्ड डॉ हरेन्द्र कुमार गर्ग रहे। यह कार्यक्रम प्रतिकुलपति डा. वीएम सिंह के सफल निर्देशन में आयोजित हुआ। जिसका मंच का संचालन डा. वीरालक्ष्मी एंव डा रश्मि गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि ने अन्य अतिथियों की उपस्थिति में संस्थान द्वारा प्रकाशित शोध जर्नल (पत्रिका) 'अनवेश', व अन्य न्यूज लेटर, का विमोचन किया जिनमें आरएण्डडी न्यूज लेटर, विश्वविद्यालय न्यूज लेटर अन्य विभागीय न्यूज लेटर आदि है। कोर के संस्थापक एवम अध्यक्ष जे सी जैन ने संस्थान की उपलब्धियो पर हर्ष व्यक्त किया तथा कोर संस्थाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्रों तथा शिक्षको को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तर के मानक स्थापित करने का आहवाहन किया।

मुख्य अतिथि कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने 26वें स्थापना दिवस की सभी छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्रबन्ध समिति को बधाई दी। इसके बाद मुख्य अतिथि ने संस्थान के शिक्षकों को अभिप्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया। इसके साथ ही संस्थान मे इस वर्ष 10, 15 एवं 20 वर्षो का कार्यकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों एवं शिक्षकों को रिकॉगनशन अवार्ड से सम्मानित किया जिनमें थोमस मैथ्यू, डा. अमरनाथ, राजीव शर्मा, दिव्या मिश्रा, विपिन कुमार, विनीत कुमार, मंयक देव, नितिन चन्द, अमित कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किये। इस अवसर पर विभिन्न वर्षों के पास आउट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमें मधुप राय, वरुण पंजानी, विशाल गुप्ता, मुकेश धीमान, दीपक पंवार, रविस कुमार, अनुज्ञांग, रोहित गर्ग, जितेन्द्र सिंह पंसार, एशांत जैन, स्वपनिल मुयाल, पुल्कित मल्होत्रा, कपिल पंथ, निखिल गुप्ता, रितेश कुमार, दिप्ती अग्रवाल, अशार बंसल आदि रहे स्थापना दिवस के विशेष अवसर पर शोध कार्य को बढ़ावा देने व शोधार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से शिक्षकों व छात्रों को शोध प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया डॉ गेसु ठाकुर, डॉ कमल कपूर, डॉ इंदूजा, डॉ ब्रजमोहन सिंह, डॉ रोहित कन्नौजिया, डॉ मुनीश सेठी, डॉ कमल कुमार गोला, डॉ मृदुला सिंह डॉ एस पी पाण्डेय, डॉ रश्मि गुप्ता, छात्रो में चिराग जोशी, अंकिता जैन, शिवम राय, जानवी बंसल, आदि रहे। 26वे स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक क्लास में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमश सात हजार, पांच हजार एवं तीन हजार रूप्ये के अभिप्रेरणा पुरस्कार से सममानित किया गया जिनमें आयुषी पंवार, देवकी, रितिका सिंह, तान्या चैहान, प्रियंका अनिशा, गुंजन आजिब अभिशेक अमन नारायण प्रेरणा श्यामह हर्षिता, आदि रहे।

Date: 4.12.23 Newspaper: Amar Ujala News Page No. 2 (My city)

तकनीकी शिक्षा के बल पर करेगा देश प्रगति : जैन

■ कोर विश्वविद्यालय ने धूमधाम से मनाया अपना 26वां स्थापना दिवस

रुड़की (एसएनबी)। कोर विश्वविद्यालय रुड़की ने अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 26 वर्ष पूर्ण होने पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने स्थापना दिवस की बधाई दी। कहा कि कोर की शिक्षा के मानचित्र पर अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा में शोध आवश्यक है। इसके बल पर ही हमारा देश प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। अध्ययन के साथ ही छात्रों को सामाजिक और नैतिक मूल्यों को समझना चाहिए। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों से देश एवं प्रदेश के विकास के मॉडल पर शोध करने का आह्वान किया।

स्थापना दिवस के पर शोध कार्य को बढ़ावा देने व शोधार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से शिक्षकों व छात्रों को शोध प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें अंकित कुमार सिंघल, डॉ. अरुणा भट्ट, डॉ. गेसु ठाकुर, डॉ. कमल कपूर, डॉ. इंदूजा, डॉ. ब्रजमोहन सिंह, डॉ. रोहित कन्नौजिया, डॉ. मुनीश सेठी, डॉ. कमल कुमार गोला, डॉ. मृदुला सिंह, डा. एसपी पाण्डेय, डॉ. रश्मि गुप्ता, छात्रों में चिराग जोशी, अंकिता जैन, शिवम राय,, जानवी बंसल आदि रहे। प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः सात हजार, पांच हजार एवं तीन हजार रुपए के अभिप्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें आयुषी पंवार, देवकी, रितिका सिंह, तान्या चौहान, प्रियंका, अनिषा, गुंजन, आजिब, अभिशेक, अमन, नारायण, प्रेरणा, श्यामह, हर्षिता, वात्सल्य, साजिया, नीतेश, आकृति, रागनी, पियूष, एकांश, उत्कर्ष, विशाल, अदिति, शिफा, नवनीत, अर्पित, तुषार, समीक्षा, आफिया, शिवम, अनन्त, प्रिन्स आदि रहे। इस अवसर पर विभिन्न वर्षों के पासआउट पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। इनमें मधुप राय, वरुण पंजानी, विशाल गुप्ता, मुकेश धीमान, दीपक पंवार, रविस कुमार, अनु ढांगर, रोहित गर्ग, जितेन्द्र सिंह पंसार,, एशांत जैन, पंकज गर्ग, निहारिका सेमवाल, स्वप्निल मुयाल, पुल्कित मल्होत्रा, कपिल पंत, निखिल गुप्ता, रितेश कुमार, दीप्ती अग्रवाल, अपार बंसल आदि रहे। कार्यक्रम में कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने बतौर मुख्य अतिथि एवं राजेश भट्ट, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एआईआईएमएस ऋषिकेश डा. मीनू सिंह, प्रो. चांसलर कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन, उपाध्यक्ष सुनीता जैन एवं कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।

Date: 4.12.23 Newspaper: Danik Jagran News Page No. 2

कोर विवि के स्थापना दिवस पर पूर्व व वर्तमान छात्र-छात्राएं सम्मानित

बहादराबाद: कोर विश्वविद्यालय में विवि का 26वां स्थापना मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलाधिपति कोर विवि जेसी जैन, ब्रिगेडियर राजेश भट्ट, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एम्स ऋषिकेश डा. मीनू सिंह, प्रो. वाइस चांसलर कोर विवि श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा सुनीता जैन, कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान संस्थान द्वारा प्रकाशित शोध जर्नल (पत्रिका) 'अनवेश' अन्य न्यूज लेटर का विमोचन भी किया। संस्थान में लंबा कार्यकाल पूर्ण कर चुके कर्मचारियों व शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही वर्षों पहले पास आउट पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को क्रमशः सात, पांच व तीन हजार रुपये के अभिप्रेरणा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संचालन डा. वीरालक्ष्मी व डा. रश्मि गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रतिकुलपति डा. बीएम सिंह, गोपाल जोशी ग्रुप जनरल मैनेजर ओएनजीसी,बीएचईएल हरिद्वार सुनील कुमार गर्ग आदि मौजूद रहे। (संसू)

Date: 4.12.23 News Online received By: Dr. Ravinder saini

कोर ने कार्यक्रम आयोजित कर स्थापना दिवस मनाया

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय रुड़की (पूर्व कॉलेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की) ने अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 26 वर्ष पूर्ण होने पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कर अपना स्थापना दिवस बड़े. हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया। इस कार्यक्रम में कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन ने बतौर मुख्य अतिथि एवं ब्रिगेडियर राजेश भट्ट कमान्डेन्ट बंगाल इंजीनियरिंग ग्रुप एण्ड सेन्टर रूडकी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एआईआईएमएस ऋषिकेश डा मीनू सिंह, प्रो चांसलर कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन, उपाध्यक्षा सुनीता जैन एवं कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने विशिष्ट अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। विशेष आमन्त्रित अतिथियों में फ्रंटियर बेसिन मैनेजर ओएनजीसी गोपाल जोशी, सुनील कुमार गर्ग, डॉ. हरेन्द्र कुमार गर्ग रहे।

Date: 3.12.23 Newspaper: Janvani News Online Received By: Dr. Ravinder Saini

पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर सभी को गर्व

कोर विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर विश्वविद्यालय रुड़की में पूर्व छात्र सम्मेलन-2023 का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छात्रों के आपसी सम्बधों को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी उपलब्धियो से संस्थान के छात्रों को अवगत कराना भी रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के चांसलर जेसी जैन रहे और यह कार्यक्रम कार्यकारी निदेशक श्रीमती चारू जैन के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के आरम्भ में जैसी जैन ने अपने स्वागत भाषण में सभी पूर्व छात्रों का स्वागत किया और उन्होंने कहा कि आज मुझे सभी छात्रों की उपलब्धियो पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा निसंकोच आपने इस संस्थान को एवं अपने शिक्षकों को अपने कठिन परिश्रम से गौरवान्वित किया है। आप लोगों पर हम सदैव गर्व करते रहेंगे। जैन ने अध्यनरत छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप जीवन में एक उच्च लक्ष्य निर्धारित करें और उस लक्ष्य के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा से काम करें तब आपको एक अप्रत्याशित सफलता की प्राप्त होगी। उन्होंने कई छात्र-छात्राओं के कठिन परिश्रम एवं उनकी सफलताओं के उदाहरण प्रस्तुत किये। कोर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति श्रेयांश जैन ने सभी पूर्व छात्रों के आगमन पर हर्ष व्यक्त किया व आयोजक समिति के सभी सदस्यों को उनका विशेष ध्यान रखने के विशेष निर्देश दिए एवं कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग पर मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम के अगले पड़ाव पर कोर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डा. वी एम सिंह ने कोर के स्थापना दिवस से प्रारंभ कर वर्तमान तक की संपूर्ण यात्रा पर प्रकाश डाला उन्होंने प्रत्येक वर्ष की उपलब्धियो को विस्तार से बताया साथ ही बताया कि आज कोर विश्वविद्यालय का वर्तमान स्वरूप किन-किन चुनौतियों का सामना करने के उपरांत प्राप्त हुआ एवं किस प्रकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कोर विश्वविद्यालय ने अपने उच्च गुणवत्ता मानक स्थापित किये इसके साथ साथ विश्वविद्यालय की आगामी योजनाओं के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अंतर्गत 250 से अधिक विभिन्न सकांयो के पूर्व छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया साथ ही उन्होंने अपनी अपनी सफलता की यात्राओं के अनुभव साझा किये। कई वरिष्ठ छात्रों ने बताया की सफलता के मार्ग पर असफलता से बहुत बार रुबरू होना पड़ता है इसलिए असफलताओं से विचलित नहीं हो। कार्यक्रम के अगले चरण में संस्थान के विभिन्न विषय के छात्रों ने एक प्रदर्शनी आयोजित की जिसके अंतर्गत आधुनिक तकनीकी की पर आधारित विभिन्न मॉडल को प्रदर्शित किया गया था। बहुत से मॉडल को पूर्व छात्रों एवं विशेषज्ञो ने बहुत सराहा। कार्यक्रम का संचालन ट्रेनिंग एवं प्लेस अधिकारी राकेश मार्कस ने किया एवं ऊर्जा सांस्कृतिक समिति के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कोर विश्वविद्यालय द्वारा इस अवसर पर प्रथम पास आउट बैच 2003 के छात्र-छात्राओं को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसके अंतर्गत प्रति कुलपति डा. वीएम सिंह, निदेशक प्रवेश विभाग डाक्टर देवेंद्र कुमार व अन्य प्रोफेसर सम्मिलित किए गए। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए डा. मनीष माथुर डा. सुशील डा. मृदुला सिंह डा. डी गुप्ता डा. वीके सिंह श्रीमती दिव्या मिश्रा डा. वीर लक्ष्मी डा. राजेश उपाध्याय सुनीता रानी आदि का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा।

Date: 10.11.23 Newspaper: Janvani News Received By: Dr. Ravinder Saini (Online)

5100 दीपों की रोशनी से जगमगाया कोर विश्वविद्यालय

दिवाली के अवसर पर विशेष कार्यक्रम 'दीप संध्या' का आयोजन

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

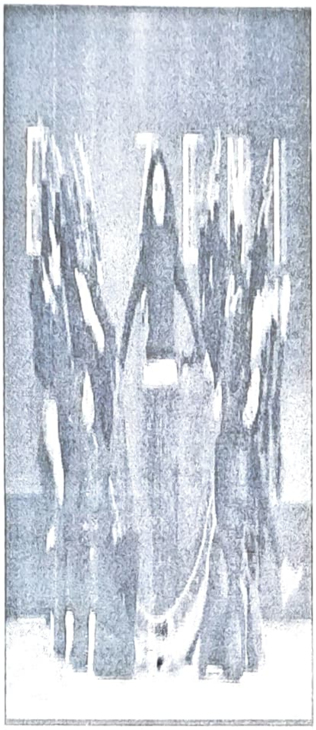

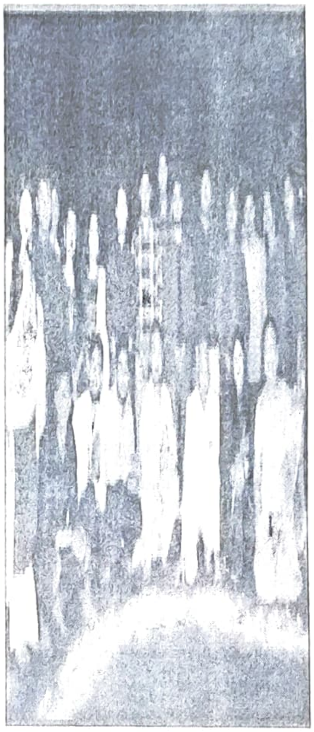

कोर विश्वविद्यालय ने दिवाली के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रोशन क्षणों की एक शानदार शाम के साथ शुभ दीप संध्या समारोह मनाया। यह आयोजन, जो अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक को प्रदर्शित करता है, इसके अंतर्गत एक अति विशेष कार्यक्रम 5100 दीपों की रोशनी से जगमगाता रहा, जो भगवान राम की विजय का प्रतीक है की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ माना गया। शाम की शुरूआत मनोरम गायन और नृत्य प्रस्तुतियों, हास्य प्रस्तुतियों और आतिशबाजी की कड़कड़ाती आवाज के साथ हुई, जिसने हवा में खुशी और उत्सव का माहौल भर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 5100 दीपों का जलाया जाना था, जो प्रकाश का एक मनमोहक नजारा बनाता है और विश्वविद्यालय परिसर को आशा और सकारात्मकता का एक चमकता हुआ चिन्ह बना देता है। दीप संध्या समारोह धर्मनिष्ठा के स्थायी मूल्यों और विपत्ति में अच्छाई के सिद्धांतों को बनाए रखने के महत्व के एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। यह अपने छात्रों के लिए एक जीवंत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण को बढ़ावा देने के लिए कोर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण था। कोर विश्वविद्यालय में दीप संध्या उत्सव का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जे.सी. जैन ने किया। इस आयोजन का कुशल नेतृत्व, योजना और क्रियान्वयन विश्वविद्यालय की कार्यकारी निदेशक चारु जैन और प्रतिकुलपति श्रेयांश जैन द्वारा किया गया। संदीप चौधरी ने कार्यक्रम समन्वयित किया गया। प्रतिकुलपति डॉ. बृजमोहन सिंह सहित अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

Date: 10.11.23 Newspaper: Badri Vishal News Received By: Dr. Ravinder saini (Online)

कोर विश्वविद्यालय में हुआ 'दीप संध्या' का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। कोर विश्वविद्यालय ने दिपावली पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रोशन उत्सवों की एक शानदार शाम के साथ शुभ 'दीप संध्या' समारोह

मनाया। यह आयोजन, जो अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक को प्रदर्शित करता है, के अंतर्गत एक अति विशेष कार्यक्रम 5,100 दीपों की रोशनी से जगमगाया हुआ था, जो भगवान श्रीराम की विजय का प्रतीक है की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ माना गया। शाम की शुरुआत मनोरम गायन और नृत्य प्रस्तुतियों, हास्य प्रस्तुतियों और आतिशबाजी की कड़कड़ाती आवाज के साथ हुई, जिसने हवा में खुशी और उत्सव का माहौल भर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 5100 दीपों का जलाया जाना रहा, जो प्रकाश का एक मनमोहक नजारा था। दीप संध्या समारोह धर्मनिष्ठा के स्थायी मूल्यों और विपत्ति में अच्छाई के सिद्धांतों को बनाए रखने के महत्व के एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रुप में कार्य करता है। यह अपने छात्रों के लिए एक जीवंत और सांस्कृतिक रुप से समृद्ध वातावरण को बढावा देने के लिए कोर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण था। कोर विश्वविद्यालय में 'दीप संध्या' उत्सव का शुभारंभ कुलाधिपति जे.सी. जैन ने किया। इस आयोजन का कुशल नेतृत्व, योजना और क्रियान्वयन विश्वविद्यालय की कार्यकारी निदेशक चारु जैन और प्रतिकुलपति श्रेयांश जैन द्वारा किया गया। संदीप चौधरी ने कार्यक्रम समन्वयित किया गया। प्रतिकुलपति डॉ. बृजमोहन सिंह सहित अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भी अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

शुभ अवसर
शुभकामनाएं

Date: 9.11.23 Newspaper: The Times Of India News Page No. 04

COER UNIVERSITY

ROORKEE, UTTARAKHAND

ADMISSION OPEN : 2023-24

Ph.D

FULL / PART TIME

COURSES OFFERED

- AGRONOMY
- BUSINESS MANAGEMENT
- CIVIL ENGINEERING
- COMPUTER SCIENCE
- COMPUTER SCIENCE & ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
- ENERGY ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING

LAST DATE FOR SUBMISSION OF APPLICATION
27TH NOVEMBER, 2023

DATE OF ENTRANCE TEST
1ST DECEMBER, 2023

Financial assistance will be offered to full time scholars based upon the merit list of Entrance Test & Interview.

Opportunity for Working Professionals to Upgrade Qualification

SCAN TO APPLY

Submit your application at: phd@coeruniversity.ac.in

www.coeruniversity.ac.in 8006440438 | 8979500483

Date: 9.11.23	Newspaper: Hindustan	News Page No. 07

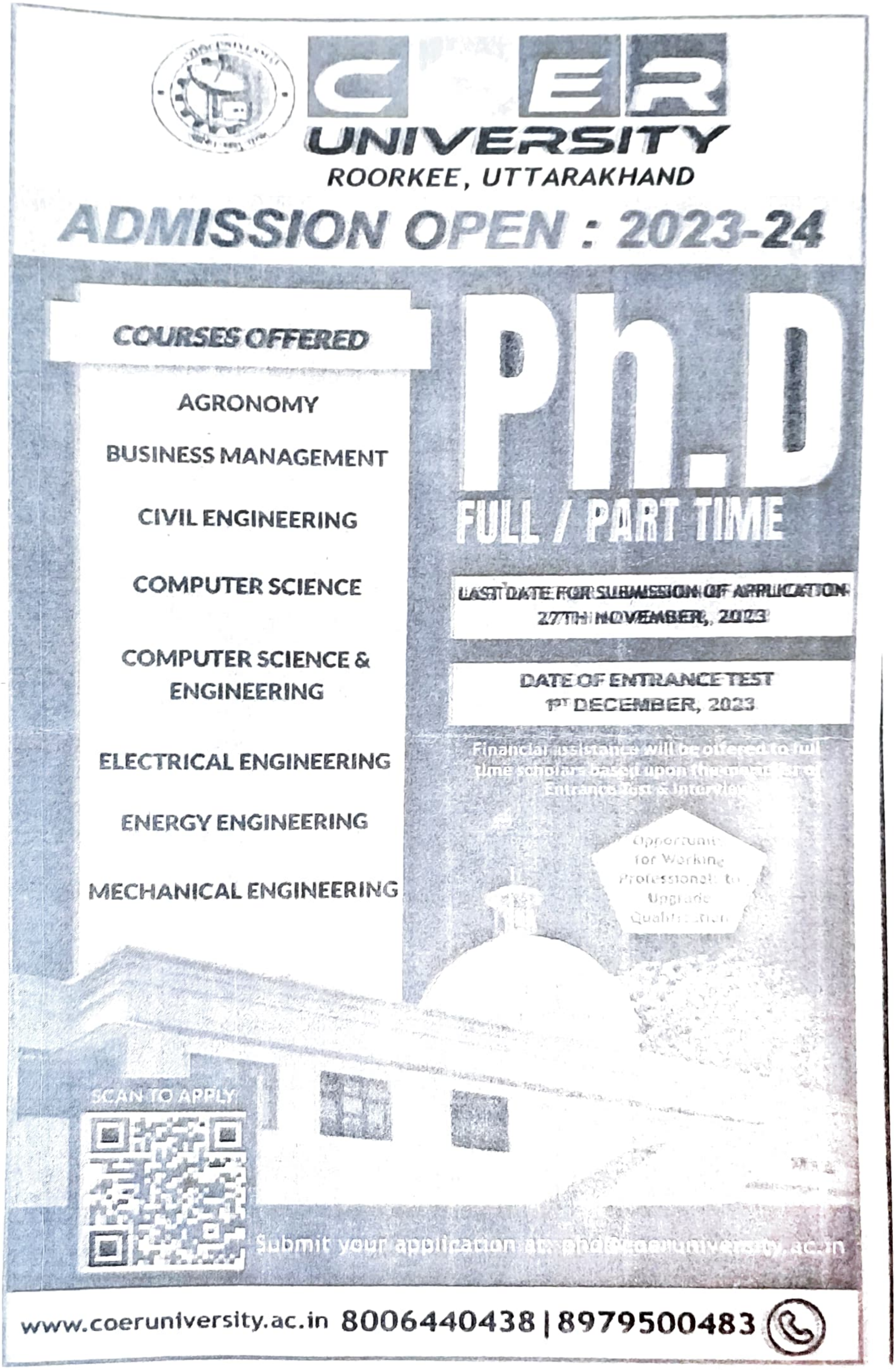

Date: 27.10.23 Newspaper: Danik Jagran News Page No. 02

कोर विवि के छात्र-छात्राओं ने किया रक्तदान

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : कोर विश्वविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने रक्तदान किया। शिविर के शुभारंभ के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता। इसलिए इसे महादान की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि पहले के समय में लोग रक्तदान करने में भयभीत होते थे, लेकिन आज समाज में जागृति आई है। अब लोग समझ गए कि यह मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दौरान उन्होंने छात्र छात्राओं को संतुलित आहार पर आधारित जीवन शैली अपनाने को कहा। इस दौरान पंकज गुप्ता, डा. बीएम सिंह, कुलाधिपति जेसी जैन, रजिस्ट्रार डा. मनीष माथुर आदि प्रतिकुलपति श्रेयांस जैन, प्रो. मौजूद रहे।

कोर विश्वविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, कुलाधिपति जेसी जैन • स्वयं

Date: 27.10.23 Newspaper: Janvani News Received By: Dr. Ravinder saini

रक्तदान शिविरों का आयोजन मानवता की सबसे बड़ी सेवा : त्रिवेंद्र रावत

कोर विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

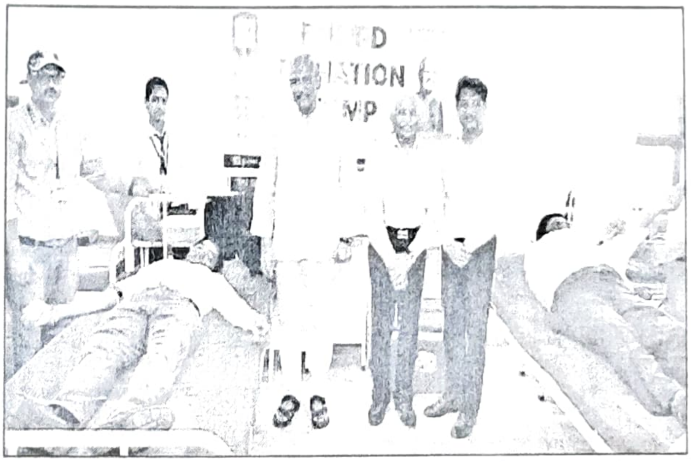

हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित कोर विश्वविद्यालय में आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत विशिष्ट अतिथि कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय जेसी जैन एंव प्रति कुलपति श्री श्रेयांस जैन रहे यह रक्तदान शिविर हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जॉली ग्रांट देहरादून एवं कोर मेडिकल कॉलेज का आयुर्वेद एवं हॉस्पिटल रुड़की के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। रक्त दान शिविर के उद्घाटन अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अपने भाषण में रक्तदान के महत्व पर बल देते हुए कहा रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। इसलिए इसे महादान की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व समय में रक्तदान भयभीत करने वाला कार्य होता था परंतु आज समाज में जागृति बढ़ी है अब लोग समझ गए की यह मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और हम सभी को इसमें भाग लेना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बच्चों, युवाओं, और बड़ों के संतुलित आहार का योगदान बड़े ही सरल शब्दों में बताया और उन्हें संतुलित आहार पर आधारित जीवन शैली अपनाने को कहा।

इतना ही नहीं उन्होंने समाज में बढ़ती जा रही अंग दान की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। एमबीबीएस कर रहे हर 10 छात्रों को एक मृत शरीर की आवश्यकता होती है और हमें आगे चल कर यदि अच्छे चिकित्सक चाहिए तो हमें इस जरुरत पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंनें प्रसन्नता जाहिर करते हुए बताया कि कैसे उनकी बेटियों ने उनकी धर्मपत्नी को भी अंग दान के लिए सहमत कर लिया है।

विशिष्ट अतिथि कुलाधिपति जे.सी. जैन ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा ऐसे रक्तदान शिविरों का आयोजन मानव की सबसे बड़ी सेवा है और विश्व में मानव सेवा को सर्वोच्च सेवा का दर्जा दिया गया है। उन्होंने मानव सेवा से और परोपकारी में कर विश्वविद्यालय की सभी शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्रों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। कोर संस्थान प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविरों का आयोजन करती रही है और इसी तरह आगे भी अयोजित करने में कार्यरत रहेगी।

कुलाधिपति जेसी जैन, प्रतिकूलपति श्रेयांस जैन, कुलपति प्रो पंकज गुप्ता, प्रति कूलपति डॉ. बी.एम सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. मनीष माथुर के बहुमूल्य मार्गदर्शन से यह कार्यक्रम सफल रहा। इस रक्तदान शिविर डीन छात्र कल्याण डॉ. वीके सिंह के नेतृत्व सहायक प्रोफेसर विशाल चौहान के के संयोजन में संस्थान के एनजीओ प्रहर्ष के अंतर्गत अयोजित किया गया है।

Date: 27.10.23 Newspaper: Badri Vishal News Received BY: Dr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। कोर विश्वविद्यालय में आज एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया,

जिसका उद्घाटन पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत, कुलाधिपति जे.सी. जैन, प्रति कुलपति श्रेयांस जैन द्वारा किया गया। इस मौके पर बोलते हुए पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। इसलिए इसे महादान की श्रेणी में रखा गया है। कहा कि पूर्व समय में रक्तदान भयभीत करने वाला कार्य होता था, परंतु आज समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ी है। अब लोग समझ गये हैं कि यह मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और हम सभी को इसमें भाग लेना चाहिए। उन्होंने बच्चों, युवाओं, और बड़ों के संतुलित आहार का योगदान बड़े ही सरल शब्दों में बताया और उन्हें संतुलित आहार पर आधारित जीवन शैली अपनाने को कहा। इतना ही नहीं उन्होंने समाज में बढ़ती जा रही अंग दान की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। एमबीबीएस कर रहे हर 10 छात्रों को एक मृत शरीर की आवश्यकता होती है और हमें आगे चलकर यदि अच्छे चिकित्सक चाहिए, तो हमें इस जरूरत पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बताया कि कैसे उनकी बेटियों ने उनकी धर्मपत्नी को भी अंगदान के लिए सहमत कर लिया है। कुलाधिपति जे.सी. जैन ने कहा कि ऐसे रक्तदान शिविरों का आयोजन मानव की सबसे बड़ी सेवा है और विश्व में मानव सेवा को सर्वोच्च सेवा का दर्जा दिया गया है। इस मौके पर कुलाधिपति जे.सी. जैन, प्रति कुलपति श्रेयांस जैन, कुलपति प्रो. पंकज गुप्ता, प्रति कुलपति डॉ. बी.एम सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. मनीष माथुर के साथ ही डीन छात्र कल्याण डॉ. वी.के. सिंह, विशाल चौहान आदि बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

Date: 26.10.23 News Paper : Rashtiya sahara News Page No. 03

मानवता की सेवा है रक्तदान : त्रिवेंद्र

कोर विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि कुलाधिपति जेसी जैन एंव प्रति कुलपति श्रेयांस जैन रहे। रक्तदान शिविर हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जॉली ग्रांट देहरादून एवं कोर मेडिकल कॉलेज आयुर्वेद एवं हॉस्पिटल रुड़की के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने रक्तदान के महत्व पर बल देते हुए कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नही हो सकता। इसलिए इसे महादान की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि पूर्व समय में रक्तदान भयभीत करने वाला कार्य होता था परंतु आज समाज में जागृति बढ़ी है अब लोग समझ गए की यह मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और हम सभी को इसमें भाग लेना चाहिए। उन्होनें समाज में बढ़ती जा रही अंग दान की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालां। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस कर रहे हर 10 छात्रों को एक मृत शरीर की आवश्यकता होती है और हमें आगे चल कर यदि अच्छे चिकित्सक चाहिए तो हमें इस जरूरत पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होनें प्रसन्ता जाहिर करते हुए बताया कि कैसे उनकी बेटियों ने उनकी धर्मपत्नी को भी अंग दान के लिए सहमत कर लिया है।

विशिष्ट अतिथि कुलाधिपति जेसी जैन ने कहा कि ऐसे रक्तदान शिविरों का आयोजन मानव की सबसे बड़ी सेवा है और विश्व में मानव सेवा को सर्वोच्च सेवा का दर्जा दिया गया है। उन्होंने मानव सेवा से और परोपकारी में कर विश्वविद्यालय की सभी शिक्षकों अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्रों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। कुलाधिपति जेसी जैन, प्रतिकूलपति श्रेयांस जैन, कुलपति प्रो. पंकज गुप्ता, प्रति कूलपति डॉ. बीएम सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. मनीप माथुर आदि ने अपने विचार रखे। रक्तदान शिविर डीन छात्र कल्याण डॉ. वीके सिंह के नेतृत्व में व सहायक प्रोफेसर विशाल नौतान के संयोजन में आयोजित किया गया।

Date: 11.10.23 Newspaper: Janvani (Roorkee) News Received By: Dr. Ravinder saini (Online)

| www.dainikjanwani.com |

प्रतिभागियों का व्यावहारिक कौशल बढ़ाना मुख्य उद्देश्य

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित कोर विश्वविद्यालय में तकनीकी उत्सव मंथन-2 के23 का शुभारंभ हुआ। जिसके अंतर्गत आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रमुख प्रतिष्ठित संस्थानों सहित देश भर की 80 संस्थाए भाग ले रही है, जिनके सहयोग से कोर विश्वविद्यालय द्वारा मंथन-2 के23 का शुभारंभ सफलतापूर्वक किया गया है।

मंथन एक ऐसा कार्यक्रम है जो मस्तिष्को के लिए अपने नवाचार को प्रदर्शित करने और राष्ट्रीय स्तर पर अपने साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में कार्य करता है। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन की तकनीकी परियोजनाओं में शामिल करके नवीन सोच और व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के संयोजक क्षितिज जैन और सह-संयोजक विवेक अग्रवाल है। कोर विश्वविद्यालय ने छात्रों को उनकी रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

तीन दिवसीय वार्षिक तकनीकी महोत्सव ज्ञान, कौशल और प्रदर्शन उत्कृष्टता का एक अनूठा मिश्रण है। यह तकनीकी और गैर-तकनीकी घटनाओं की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है जो छात्रों को अपना मष्तिष्क काम पर लगाने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान पर विचार-मंथन करने की चुनौती देता है। यह दृष्टिकोण न केवल इंजीनियरिंग और अनुसंधान उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करता है बल्कि प्रतिभागियों को बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए भी प्रेरित करता है। मंथन-2 के 23 वास्तव में एक ऐसा कार्यक्रम है जो प्रतिभा को पोषित करने, नवाचार को बढ़ावा देने और इंजीनियरों और शोधकताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए कोर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जो मुख्य अतिथि कोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जे.सी. जैन, विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. पंकज गुप्ता और प्रति कूलपति डॉ. बृज मोहन सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो पंकज गुप्ता ने एक अभिनव और व्यावहारिक भाषण दिया। डॉ. गुप्ता के प्रेरक भाषण के बाद, कुलाधिपति जेसी जैन ने पूरे भारत से आए प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अनुसंधान और विकास में सामूहिक उपलब्धियों की संभावना पर जोर दिया। आज दिनभर में हैकथॉन: 36 घंटे की एक प्रतियोगिता जहां छात्रों ने अपनी समस्या-समाधान और कोडिंग कौशल का प्रदर्शन किया। आज पहले दौर का मूल्यांकन हुआ। गीगाबिट: एक कोडिंग प्रतियोगिता जो प्रतिभागियों को अपनी कोडिंग कौशल प्रदर्शित करने की चुनौती देती है। मंथन-2 के 23 न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच है, बल्कि अनुसंधान और विकास की भावना को आगे बढ़ाने, सहयोग, सीखने और नवीन विचारों के आदान-प्रदान का भी मंच है।

यह कहना अद्भुत है कि दिशा समिति के छात्र समन्वयक के रूप में अतुल प्रताप, अमन सिंह और तरण तकनीकी उत्सव के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समर्पित प्रयास कर रहे हैं। उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता निस्संदेह मंथन-2 के 23 की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Date: 11.10.23 NewsPaper: Badri Vishal News Received By: Dr. Ravinder saini(Online)

कोर मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल के छात्रों ने किया औद्योगिक भ्रमण

रुड़की बद्री विशाल। आयुर्वेदिक विनिर्माण के विषय में छात्रों को शिक्षित करने के उद्देश्य

से कोर मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल ने औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी विभाग के छात्रों को आयुर्वेदिक विनिर्माण के रहस्यों की खोज के विभिन्न प्रकारों के उपकरणों में तकनीकियों के बारे में बताया गया। आरोग्य फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिडकुल, हरिद्वार उत्तराखंड के अधिकारियों ने बताया कि आज आयुर्वेद चिकित्सा जगत में अपना एक विशेष स्थान बना रहा है और आने वाला समय आयुर्वेद का होगा। जिसके अंतर्गत तमाम तरह के रोगों का उपचार किया जा सकेगा। इस दौरे का नेतृत्व सहायक प्रोफेसर निधी जिंदल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति डॉ. वीएम सिंह ने कहा कि कोर में इस प्रकार के भ्रमण समय-समय पर कराए जाते हैं, जो छात्र-छात्राओं में एक नई सोच विकसित करते हैं और यही सोच उन्हें आगे चलकर शोधार्थी बनाने के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टि से कार्य करने की क्षमता उत्पन्न करती है और शिक्षा में शिक्षार्थियों को नवीनतम विकास और नवाचार को उजागर करने में सहायक होती है। इसके साथ ही छात्रों को औषधियां निर्माण हेतु जानकारी प्रदान करायी व औषधि तथा मशीनों के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान कराई। इस दौरे ने छात्रों को शिक्षित करने और आयुर्वेदिक औषधियों की गहरी समझ बढ़ाने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। आरोग्य फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिडकुल, हरिद्वार उत्तराखंड की ओर से डॉ. चेतन अवस्थी और दीपक भारद्वाज का मार्गदर्शन मिला।

Date: 11.10.23 Newspaper: Janvaani News Received By: Dr. Ravinder saini (Online)

भ्रमण से होती है छात्रों की नॉलेज अपडेट

कोर मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल का औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रम

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

आयुर्वेदिक विनिर्माण के विषय मे छात्रों को शिक्षित करने के उद्देश्य से कोर मेडिकल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल ने औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी विभाग के छात्रों को आयुर्वेदिक विनिर्माण के रहस्यों कि खोज के विभिन्न प्रकारों के उपकरणों में तकनीकियों के बारे में बताया गया। आरोग्य फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिडकुल, हरिद्वार उत्तराखंड के अधिकारियों ने बताया कि आज आयुर्वेद चिकित्सा जगत में अपना एक विशेष स्थान बना रहा है और आने वाला समय आयुर्वेद का होगा। जिसके अंतर्गत तमाम तरह के रोगों का उपचार किया जा सकेगा। इस दौरे का नेतृत्व सहायक प्रोफेसर निधि जिंदल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिकूलपति डॉ बी एम सिंह ने कहा कोर में इस प्रकार के भ्रमण समय-समय पर कराए जाते हैं जो छात्र-छात्राओं में एक नई सोच विकसित करते हैं और यही सोच उन्हें आगे चलकर शोधार्थी बनाने के साथ-साथ वैज्ञानिक वैज्ञानिक दृष्टि से कार्य करने की क्षमता उत्पन्न करती है और शिक्षा में शिक्षार्थियों को नवीनतम विकास और नवाचार को उजागर करने मे सहायक होती है। इसके साथ ही छात्रों को औषधियां निर्माण हेतू जानकारी प्रदान करायी व औषधि तथा मशीनो के बारे मे पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान कराई।

इस दौरे ने छात्रों को शिक्षित करने और आयुर्वेदिक औषधियों की गहरी समझ बढ़ाने के अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने मे सफलता प्राप्त की। आरोग्य फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिडकुल, हरिद्वार उत्तराखंड की ओर से डॉ. चेतन अवस्थी और श्रीमान, दीपक भारद्वाज का मार्गदर्शन मिला।

Date: 11.10.23 Newspaper: Bhaskar samachar News Received By: Dr. Ravinder saini

कोर में तकनीकी उत्सव मंथन 2के23 का शुभारंभ

भास्कर समाचार सेवा

• देशभर की 80 संस्थाएं ले रहीं भाग

रुड़की। हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित कोर विश्वविद्यालय में तकनीकी उत्सव मंथन-2के23 का शुभारंभ हुआ। इसके अंतर्गत आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रमुख प्रतिष्ठित संस्थानों सहित देशभर की 80 संस्थाएं भाग ले रही हैं। कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागियों को वास्तविक जीवन की तकनीकी परियोजनाओं में शामिल करके नवीन सोच और व्यावहारिक कौशल को बढ़ावा देना है।

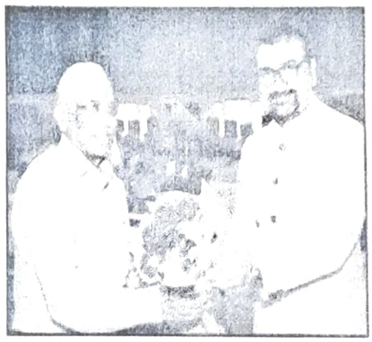

कार्यक्रम के संयोजक क्षितिज जैन और सह-संयोजक विवेक अग्रवाल ने बताया कि कोर ने छात्रों को उनकी रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। तीन दिवसीय महोत्सव ज्ञान, कौशल और प्रदर्शन उत्कृष्टता का एक अनूठा मिश्रण है। यह दृष्टिकोण न केवल इंजीनियरिंग और अनुसंधान उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करता है, बल्कि प्रतिभागियों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करने के लिए भी प्रेरित करता है।

Date: 12.10.23 Newspaper: Rashtiya Sahara News Page No.04

कोर विवि में तकनीकी उत्सव मंथन शुरू

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय में तकनीकी उत्सव मंथन बुधवार से शुरू हुआ। कार्यक्रम में आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रमुख प्रतिष्ठित संस्थानों सहित देशभर की 80 संस्थाए भाग ले रही हैं। प्रथम दिन का कार्यक्रम उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ, जो मुख्य अतिथि कोर विवि के कुलाधिपति जेसी जैन, विशिष्ट अतिथि कुलपति प्रो. पंकज गुप्ता और प्रति कुलपति डा. बृज मोहन सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने किया। उद्घाटन के दौरान कुलपति प्रो. पंकज गुप्ता ने आज की तेजी से विकसित हो रही दुनिया में प्रौद्योगिकी रुझानों के साथ अद्यतन रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने, नई क्षमताओं तक पहुंच हासिल करने और दक्षता को अनुकूलित करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी रुझानों के साथ अपडेट रहना महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में कालेज स्टाफ व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

Date: 20 / sep/ 2023 Newspaper: Dehradun (Garhwal Post) News Received By: Dr. Ravinder saini

● RNI No. UTTENG/2006/17959 ● Postal Regd No. UA/DO/DDN/597/2014-2016

16 Garhwal Post) www.garhwalpost.in Dehradun, 20 Sep, 2023 Dehradun

Motivational Speaker Jaya Kishori enthralls students at COER Varsity

By RADHIKA NAGRATH

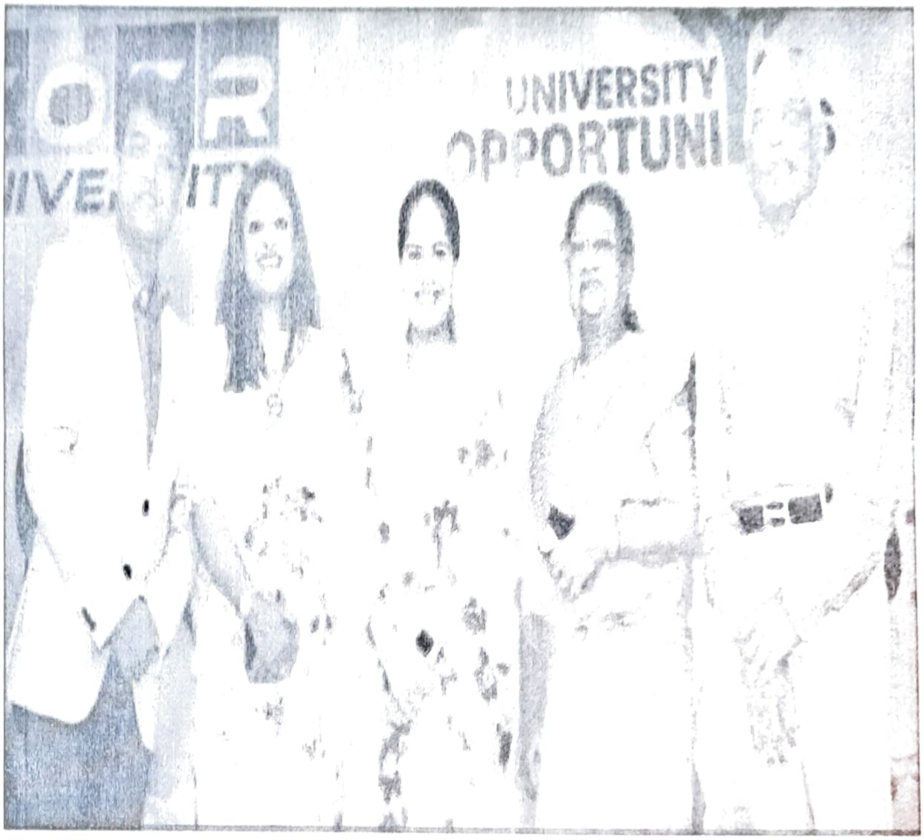

HARIDWAR, 19 Sep. The auditorium was fully packed at COER University where the religious singer and motivational speaker Jaya Kishori was to give a lecture on how to be successful in life. Jaya Kishori, a well-known name in the religious world, who is devoted to Lord Krishna and gives discourses on Srimad Bhagwat Katha, left the audience and students spellbound with her motivating words and enigmatic presence.

The occasion was the 76th birth anniversary of the Founder and Chancellor of COER University, JC Jain.

In her talk on how to be successful for engineering students of COER University, Jaya Kishori said that gaining marks in school or college should not be the goal of students. It should be how to be successful. "Marks do not determine how successful you are but knowledge does. After passing out from college, your knowledge and wisdom gained is going to chart your growth curve and not scores gained in academics." Jaya also stressed on the need to take 'sattvic' food during exams, as it helps a person be more focused and calm. She also goaded the youngsters to make friends wisely. She cited examples from the epic, Mahabharata, that one must have friends like Krishna who raise one in life and not 'Shakuni', who lead on to doom. She also sang a couplet from her musical album at the demand of the audience. Naresh Mohan introduced her to the audience with her brief profile.

Popularly known as 'Kishori Ji' and 'Meera of the Modern Era', Jaya left an everlasting impression on her listeners. JC Jain, Chancellor, COER University, said the tips given by Jaya would help students overcome wrong habits in life and be progressive in their career.

Charu Jain, Executive Director of COER, presented prasadam of Badrinath temple to Jaya Kishori. Former Chief Minister Trivendra Singh Rawat, Legislator from Doiwala Brijbhushan Gairola, Virendra Sati, Legislator from Roorkee, Pradeep Batra, Harendra Garg, Ajay Jain, social worker Jagdish Lal Pahwa, Vishal Garg and others were present on the occasion.

Date: 20/sep/2023 Newspaper: Hardwar(The Hawk) News Received By: Dr. Ravinder saini

ily," he said. —PTI

Motivational Speaker Jaya Kishori Enthralls Students

Hardwar (The Hawk): The auditorium was fully packed at COER University where the religious singer and motivational speaker Jay Kishori was to give a lecture on how to be successful in life. Jaya Kishori, a well-known name in the religious world who is devoted to Lord Krishna and gives discourses on Srimad Bhagwat Katha, left the audience and students spellbound with her motivating words and enigmatic presence. The occasion was 76th birth anniversary of the founder and Chancellor of COER university, J C Jain.

In her talk on how to be successful for engineering students of COER University, Jaya Kishori said that gaining marks in school or college should not be the goal of students but the goal should be how to be successful. "Marks do not determine how successful you are but knowledge determines. After passing out from college your knowledge and wisdom gained, is going to chart your growth curve and not scores gained in academics." Jaya also stressed on the need of taking 'sattvic' food during exam period as it helped a person be more focused and calm. She also goaded the youngsters to make friends wisely. She cited examples from the epic Mahabharata that one must have friends like Krishna who raise you in life and not 'Shakuni' who make life doomed. She also sang a couplet from her musical album on the demand of the audience. Naresh Mohan introduced her to the audience with her brief profile.

Popularly known as 'Kishori Ji' and 'Meera of Modern Era,' Jaya left an everlasting impression on her listeners. J C Jain, Chancellor COER University said the tips given by Jaya will help students overcome wrong habits in life and be progressive in their career.

Charu Jain, executive director of COER presented prasadam of Badrinath temple to Jaya Kishori. Former Chief Minister of Uttarakhand Trivendra Singh Rawat, Legislator from Doiwala Brijbhushan Gairola, Virendra Sati, Legislator from Roorkee Pradeep Batra, Harendra Garg, Ajay Jain, social worker Jagdish Lal Pahwa, Vishal Garg and others were present.

Date: 20/sep/2023 Newspaper: Danik (Haak) News Received By: Dr. Ravinder saini

कोर विश्वविद्यालय में मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी ने छात्रों का मन मोहा

हरिद्वार (दैनिक हाक): कोर विश्वविद्यालय में ऑडिटोरियम पूरी तरह खचाखच भरा हुआ था, जहां कथावाचक और प्रेरक वक्ता जया किशोरी को जीवन में सफल होने के बारे में व्याख्यान देना था। जया किशोरी, धार्मिक जगत में एक जाना-माना नाम, जो भगवान कृष्ण के प्रति समर्पित हैं और श्रीमद्भागवत कथा पर प्रवचन देती हैं, ने अपने प्रेरक शब्दों और करिश्माई उपस्थिति से दर्शकों और छात्रों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौका था कोर विश्वविद्यालय के संस्थापक और कुलाधिपति जे सी जैन की 76वीं जयंती का।

कोर विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग छात्रों के लिए सफल कैसे हों विषय पर अपनी बातचीत में जया किशोरी ने कहा कि स्कूल या कॉलेज में अंक प्राप्त करना छात्रों का लक्ष्य नहीं होना चाहिए बल्कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि सफल कैसे हों। "अंक यह निर्धारित नहीं करते कि आप कितने सफल हैं बल्कि ज्ञान निर्धारित करता है। कॉलेज से निकलने के बाद आपका ज्ञान और बुद्धिमत्ता आपके विकास को प्रभावित करेगी न कि अकादमिक क्षेत्र में प्राप्त अंक।" जया ने परीक्षा के दौरान सात्विक भोजन लेने की आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि इससे व्यक्ति को अधिक ध्यान केंद्रित करने और शांत रहने में मदद मिलती है। उन्होंने युवाओं को सकारात्मकता से जीवन बनाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने महाकाव्य महाभारत से उदाहरण देते हुए कहा कि व्यक्ति को कृष्ण जैसा मित्र होना चाहिए जो आपको जीवन में आगे बढ़ाते हैं न कि शकुनि जैसा जो जीवन को बर्बाद कर देते हैं। दर्शकों की मांग पर उन्होंने अपने म्यूजिकल एलबम से एक दोहा भी गाया। श्रेया मोहन ने उनकी संक्षिप्त प्रोफाइल के साथ दर्शकों को उनका परिचय दिया।

किशोरी जी और आधुनिक युग की मीरा के नाम से मशहूर जया ने अपने भजनों से प्रेरित लाखों छात्रों। कोर विश्वविद्यालय के संस्थापक और कुलाधिपति जे सी जैन ने कहा कि जया द्वारा दिए गए टिप्स छात्रों को जीवन में सफल बनने में, उभरने और अपने करियर में प्रगतिशील बनने में मदद करेंगे।

कोर विश्वविद्यालय की कार्यकारी निदेशक चारु जैन ने जया किशोरी को बद्रीनाथ मंदिर का प्रतीक भेंट किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, वीरेन्द्र सती, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, हरेन्द्र गर्ग, अजय जैन, सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश लाल पाहवा, विकास गर्ग आदि मौजूद रहे।

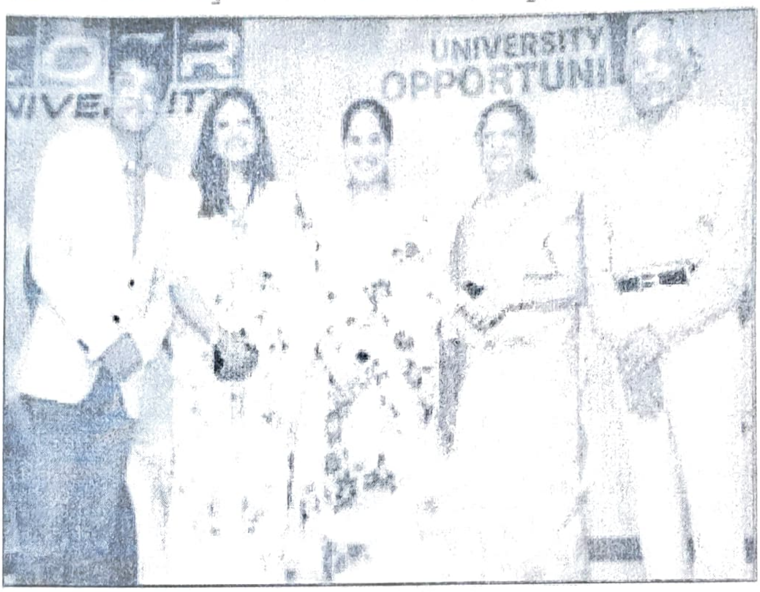

Date: 20/sep/2023 Newspaper: Danik Bhaskar News Received By: Dr. Ravinder Saini

दैनिक भास्कर

बुधवार, 20 सितंबर, 2023

जया किशोरी ने किया छात्रों-शिक्षकों में ऊर्जा का संचार

• कोर विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय में विश्वविख्यात वक्ता प्रेरक जया किशोरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत उन्होंने अपने ओजस्वी शब्दों से विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य अतिथियों में अद्भुत ऊर्जा का संचार किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रो को उनके जीवन लक्ष्य के प्रति प्रेरित करना था, जिससे वे अपनी ऊर्जा का संचय कर एक संरचनात्मक कार्यो में उपयोग कर सके। यह कार्यक्रम कोर विश्वविद्यालय की कार्यकारी निदेशक चारु जैन के नेतृत्व में हुआ एवं मंच का संचालन वक्ता डॉ. नरेश मोहन ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जया किशोरी के स्वागत भाषण के साथ हुआ जो विश्वविद्यालय कुलाधिपति जेसी जैन एवं उनके परिवार ने किया। कार्यक्रम के अंत में जया किशोरी ने श्रोताओ के लिये विशेष प्रश्न उत्तर सत्र भी आयोजित किया जिसने उन्होने सभी श्रोताओ की ओर से पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दिए और उनकी जिज्ञासा को समाप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान जया किशोरी व विवि के पदाधिकारी।

कोर विश्वविद्यालय की कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने जया किशोरी को बद्रीनाथ मंदिर का प्रसाद भेंट किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, विधायक बृजभूषण गैरोला, वीरेन्द्र सती, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, वाइस चेयरपर्सन सुनीता जैन, कुलपति डॉ पंकज गुप्ता, प्रति कुलपति श्रेयांश जैन, डॉ वीएम सिंह, डीन वीके सिंह, डॉ डीवी गुप्ता, डॉक्टर देवेंद्र कुमार, डॉ सुशील जिंदल, जगदीश लाल पाहवा विशाल गर्ग आदि मौजूद थे।

Date: 20/09/2023 Newsapaper: Rashtiya Sahara News Page No. 04

अंक प्राप्त करना लक्ष्य नहीं सफलता पर हो फोकस : जया

रुड़की/बहादराबाद। कोर विवि में प्रेरणादायक कार्यक्रम का शुभारंभ विवि कुलाधिपति जेसी जैन एवं उनके परिवार ने किया।

रुड़की : कोर विवि में कार्यक्रम को संबोधित करतीं जया किशोरी।

कोर विवि में प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में प्रख्यात वक्ता जया किशोरी ने सफलताओं के विभिन्न आयाम को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि स्कूल या कॉलेज में अंक प्राप्त करना छात्रों का लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि सफल कैसे हो। अंक यह निर्धारित नहीं करते कि आप कितने सफल है, बल्कि ज्ञान निर्धारित करता है। उन्होंने परीक्षा के दौरान सात्विक भोजन लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को समझदारी से दोस्त बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। कोर विवि की कार्यकारी निदेशक चारू जैन ने जया किशोरी को बद्रीनाथ मंदिर का प्रसाद भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन डा. नरेश मोहन ने किया। इस अवसर पर पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, वीरेन्द्र जाति, विधायक प्रदीप बत्रा, वाइस चेयरपर्सन सुनीता जैन, कुलपति डा. पंकज गुप्ता, प्रति कुलपति श्रेयांश जैन, डा. बीएम सिंह, डीन वीके सिंह, डा. डीवी गुप्ता, डा. देवेंद्र कुमार, डा. सुशील जिंदल, मयंक देव, हरेन्द्र गर्ग, जगदीश लाल पाहवा, विशाल गर्ग आदि रहे।

Date: 20.09.23 Newspaper: Hindustan News Page No. 04

अंक नहीं लक्ष्य पर करें फोकस

हरिद्वार के कोर विवि में मंगलवार को कार्यक्रम में जया किशोरी के साथ कुलाधिपति।

हरिद्वार, संवाददाता। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की में प्रेरक वक्ता जया किशोरी के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जया किशोरी ने अपनी बातों से कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य अतिथियों में ऊर्जा का संचार किया।

मंगलवार को कोर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जया किशोरी के स्वागत भाषण के साथ हुआ। जया किशोरी ने कहा कि स्कूल और कॉलेज में अंक प्राप्त करना छात्रों का लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि सफल कैसे हों? प्राप्त अंक यह निर्धारित नहीं करते कि आप कितने सफल हैं, सफलता को ज्ञान निर्धारित करता है। कॉलेज से निकलने के बाद आपका ज्ञान और बुद्धिमता आपके विकास को प्रभावित करेगी, न कि अकादमिक क्षेत्र में प्राप्त अंकों को। इस दौरान जया ने परीक्षा के दौरान सात्विक भोजन लेने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

साथ ही युवाओं को समझदारी से दोस्त बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। महाकाव्य महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि व्यक्ति के कृष्ण जैसे मित्र होने चाहिए, जो आपको जीवन में आगे बढ़ाते हैं। न कि शकुनि जैसे जो जीवन को बर्बाद कर देते हैं।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, कार्यकारी निदेशक चारु जैन, डॉ. नरेश मोहन, जेसी जैन, सुनीता जैन, डॉ. पंकज गुप्ता, श्रेयांश जैन, डॉ. बीएम सिंह, वीके सिंह, डॉ. डीवी गुप्ता, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. सुशील जिंदल, मयंक देव, हरेंद्र गर्ग, जगदीश लाल पाहवा, विशाल गर्ग आदि उपस्थित रहे।

Date: 20.09.23 NewsPaper: Amar Ujala (My City) News Page No. 02 (My City)

अच्छा बनने का हो लक्ष्य : जया किशोरी

हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय में हुए कार्यक्रम में जया किशोरी ने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वह अंक लाने को अपना लक्ष्य न मानें, बल्कि अच्छा बनने का

लक्ष्य जीवन में रखें। जया किशोरी ने कहा कि स्कूल या कॉलेज में अंक प्राप्त करना छात्रों का लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि सफल कैसे हों। अंक यह निर्धारित नहीं करते कि आप कितने सफल हैं, बल्कि ज्ञान निर्धारित करता है। जया ने परीक्षा के दौरान सात्विक भोजन लेने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। दर्शकों की मांग पर उन्होंने अपने म्यूजिकल एलबम से एक दोहा भी गाया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जेसी जैन, कार्यकारी निदेशक चारू जैन, पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, वाइस चेयरपर्सन सुनीता जैन, कुलपति डॉ. पंकज गुप्ता मौजूद रहे। संवाद

र विश्वविद्यालय के पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हु

शिक्षा में परिदृश्य परिवर्तन के बीच शिक्षण पर

सेवा

कारी विकास के विमर्श
क्षा में परिदृश्य परिवर्तन
ग और अधिगम विधियों
राखंड विज्ञान शिक्षा और
यूसर्क) के अधीन
गया। आंतरिक गुणवत्ता
कोर विश्वविद्यालय ने
दिनों के फैकल्टी
के उद्घाटन का
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि
का स्वागत किया गया,
एक उपहार के रूप में
भवादन किया गया। सत्र
संक्षेप्त अवलोकन
हुई जिसमें उत्तराखंड
र अनुसंधान केंद्र (यूसर्क)
ौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉ.

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उदघाटन करते कोर विश्वविद्यालय व यूसर्क के पदाधिकारी।

अनीता रावत, निदेशक के योगदान का प्रदर्शन किया गया। कोर विश्वविद्यालय के समूह निदेशक डॉ. बृज मोहन सिंग ने उद्घाटन भाषण दिया जिसमें उन्होंने

कार्यक्रम की महत्वपूर्णता और इसके महत्वपूर्ण विषय को प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) के

सक्रिय समर्थन
मुख्य भाषण क
वैज्ञानिक और
कुमार मेहराज
उन्होंने इस प्रो
और संबद्धता प
मृदुला ने धन्यव
उन्होंने मुख्य अ
लिए आभार व्य
निदेशक, प्रोफेर
समर्थन के लिए
कार्यक्रम में भ
में डॉ एस. पांडे
वी.के सिंग, डॉ.
विभागों के डीन
भागीदारी की ग
सदस्यों की भी
कार्यक्रम का स

कोर कॉलेज रुड़की में शुरू हुई पांच दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम की शुरुआत

रुड़की बद्री विशाल। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, कोर विश्वविद्यालय, रुड़की ने 24 जुलाई से पाँच दिनों के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत 11:00 बजे हुई, जिसमें मुख्य अतिथि और महानुभावों का स्वागत किया गया। सत्र की शुरुआत एक संक्षेप्त अवलोकन वीडियो के साथ हुई, जिसमें उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून उत्तराखंड के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉ. अनीता रावत निदेशक के योगदान का प्रदर्शन किया गया। कोर विश्वविद्यालय के समूह निदेशक डॉ. बृज मोहन सिंह ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की महत्वपूर्णता और इसके महत्वपूर्ण विषय को प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के आयोजन में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून के सक्रिय समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया। मुख्य भाषण को डॉ. राजीव कुमार मेहराजन, भारत सरकार के वैज्ञानिक और सलाहकार ने प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने इस प्रोग्राम के विषय और संबद्धता पर सुझाव दिया। डॉ. मृदुला कोर विश्वविद्यालय ने धन्यवाद भाषण दिया, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और यूसर्क के निदेशक प्रोफेसर डॉ. अनीता रावत के समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने आयोजन समिति को भी उनके समर्पन और मेहनत के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में भव्य व्यक्तित्वों की गतिविधियों में डॉ. एस. पांडेय, प्रो-वाइस चांसलर, डॉ. वी.के सिंग, डॉ. डी.वी. गुप्ता और विभिन्न विभागों के डीन और हेड्स की सक्रिय भागीदारी की गई, जिसमें 112 फैकल्टी सदस्यों की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का समापन 28 जुलाई, 2023 को आयोजित होगा। यह कार्यक्रम शिक्षाविदों के लिए एक अद्भुत अवसर रहा है, जो उनकी शिक्षण और अधिगम विधियों को समृद्ध करने में मदद करेगा, जो उच्च शिक्षा के परिदृश्य परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसमें ज्ञान-विनिमय और पेशेवर विकास का एक वातावरण सृजित किया है, जो शिक्षण परिख्रश्य में हुए परिवर्तन के अनुकूल बनाने में मदद करता है। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान और विचार साझा करने से निश्चित रुप से इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

Date: 1.8.2023	Newspaper: Badri Vishal	News received By: Dr. Ravinder saini

कोर कॉलेज रुड़की में शुरू हुई पांच दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम की शुरुआत

रुड़की बद्री विशाल। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, कोर विश्वविद्यालय, रुड़की ने 24 जुलाई से पाँच दिनों के फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत 11:00 बजे हुई, जिसमें मुख्य अतिथि और महानुभावों का स्वागत किया गया। सत्र की शुरुआत एक संक्षेप्त अवलोकन वीडियो के साथ हुई, जिसमें उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून उत्तराखंड के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉ. अनीता रावत निदेशक के योगदान का प्रदर्शन किया गया। कोर विश्वविद्यालय के समूह निदेशक डॉ. बृज मोहन सिंह ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की महत्वपूर्णता और इसके महत्वपूर्ण विषय को प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के आयोजन में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), देहरादून के सक्रिय समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया। मुख्य भाषण को डॉ. राजीव कुमार मेहराजन, भारत सरकार के वैज्ञानिक और सलाहकार ने प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने इस प्रोग्राम के विषय और संबद्धता पर सुझाव दिया। डॉ. मृदुला कोर विश्वविद्यालय ने धन्यवाद भाषण दिया, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और यूसर्क के निदेशक प्रोफेसर डॉ. अनीता रावत के समर्थन के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने आयोजन समिति को भी उनके समर्पन और मेहनत के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में भव्य व्यक्तित्वों की गतिविधियों में डॉ. एस. पांडेय, प्रो-वाइस चांसलर, डॉ. वी.के सिंग, डॉ. डी.वी. गुप्ता और विभिन्न विभागों के डीन और हेड्स की सक्रिय भागीदारी की गई, जिसमें 112 फैकल्टी सदस्यों की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का समापन 28 जुलाई, 2023 को आयोजित होगा। यह कार्यक्रम शिक्षाविदों के लिए एक अद्भुत अवसर रहा है, जो उनकी शिक्षण और अधिगम विधियों को समृद्ध करने में मदद करेगा, जो उच्च शिक्षा के परिदृश्य परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसमें ज्ञान-विनिमय और पेशेवर विकास का एक वातावरण सृजित किया है, जो शिक्षण परिखश्य में हुए परिवर्तन के अनुकूल बनाने में मदद करता है। कार्यक्रम के दौरान प्राप्त ज्ञान और विचार साझा करने से निश्चित रूप से इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

Date: 5.7.23 Newspaper: Amar Ujala News Page No. 4

विवि प्रयास करें, जनता को मिले अनुसंधान और नवाचार का लाभ

निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ हुई बैठक में राज्यपाल ने कहा

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। विश्वविद्यालय यह प्रयास करें कि अनुसंधान एवं नवाचार का लाभ राज्य एवं आम जनमानस को मिले। यह कहना है राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) का। उन्होंने यह बात राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ हुई बैठक में कही। उन्होंने इस दौरान उत्तरांचल विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किए गए मोबाइल एप यूनिसंगम का लोकार्पण किया।

राज्यपाल ने कहा कि निजी विश्वविद्यालयों की राज्य के विकास एवं प्रगति में अहम भूमिका है। विश्वविद्यालय, राज्य के विभिन्न विभागों को अपने तकनीकी अनुभवों के माध्यम से सहयोग करें। अधिक से अधिक स्टार्टअप, पेटेंट और शोधपत्रों के प्रकाशन पर जोर देने के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। सभी निजी एवं राजकीय विश्वविद्यालय आपसी समन्वय कर सर्वोत्तम प्रथाओं उपायों को साझा करें।

उन्होंने कहा कि बदलते समय में विश्वविद्यालयों को नवीन तकनीकों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर उसमें शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा। इससे पहले राज्यपाल ने उत्तरांचल विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किए गए मोबाइल एप यूनिसंगम का लोकार्पण किया।

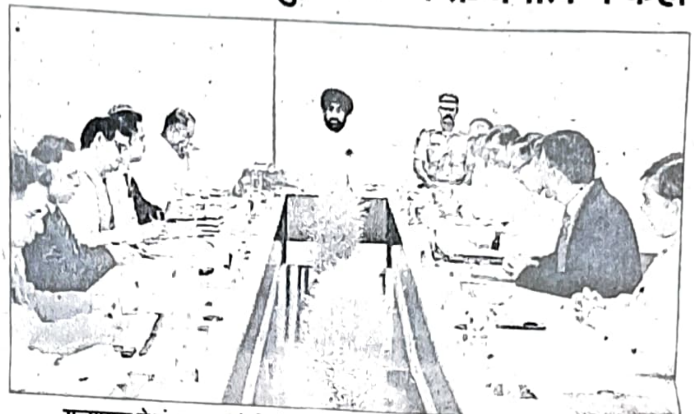

राज्यपाल ने मंगलवार को निजी विवि के कुलपतियों के साथ बैठक की। संवाद

उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से उत्तराखंड के समस्त निजी विश्वविद्यालय एक प्लेटफॉर्म पर राजभवन के साथ जुड़ गए हैं। इससे सभी विश्वविद्यालयों के पास अपनी उपलब्धियों, सर्वोत्तम उपायों, अनुसंधान, नवाचार एवं स्टार्टअप को आपस में व राजभवन के साथ ऑनलाइन संवाद के जरिए साझा किए जाने की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

बैठक में विश्वविद्यालयों में व्यवस्थापक मंडल के गठन एवं उनकी बैठकों को पारदर्शी बनाए जाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में यूपीईएस विश्वविद्यालय, इक्फाई विश्वविद्यालय, पतंजलि विश्वविद्यालय, ग्राफिक एरा पर्वतीय विश्वविद्यालय, आईएमएसयूनिसन, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, डीआईटी विश्वविद्यालय, उत्तरांचल विश्वविद्यालय, मदरहुड विश्वविद्यालय रूड़की, महाराज अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय पोखड़ा, पौड़ी गढ़वाल, क्वांटम विश्वविद्यालय रूड़की, रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय, भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय कोटद्वार, हरिद्वार विश्वविद्यालय, सूरजमल विश्वविद्यालय काशीपुर ऊधमसिंहनगर, कोर विश्वविद्यालय रूड़की, हिमगिरी जी विश्वविद्यालय एवं देवभूमि विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति उपस्थित रहे।

Date: 5.7.23 Newspaper: Bhaskar Samachar News Received By: Mr. Ravinder Saini Ji

उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना उद्देश्य

• पांच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन किया

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय के तत्वावधान में पांच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। इस हैकथॉन में कोर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष सहित प्राध्यापक प्रतिभाग कर रहे है।

इस शोध हैकथॉन का उद्देश्य शोध गुणवता व उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है। हैकथॉन का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई. जेसी जैन ने किया तथा उन्होंने शोध की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में द्वितीय वक्ता के रूप में अपना संबोधन देते हुए कुलपति डॉ. गुप्ता ने शोध की महत्ता को बताया। विश्वविद्यालय के समूह निदेशक डॉ. बीएम सिंह ने विस्तार से शोध हैकथॉन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

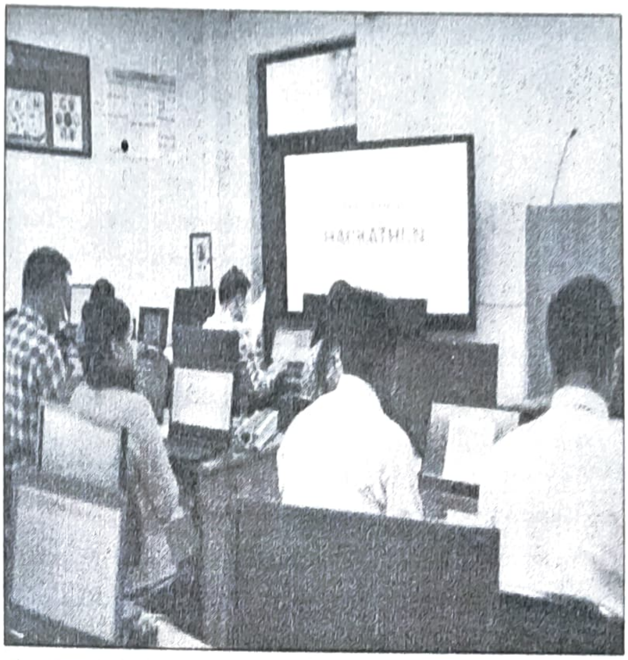

शोध हैकथॉन में प्रतिभाग करते प्राध्यापक व अन्य।

समारोह में नई तकनीकी आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस टूल्स की महत्ता एवं प्रयोगात्मक गुणवत्ता पर विस्तृत रूप से व्याख्यान, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार गोला ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई जेसी जैन, प्रतिकुलाधिपति श्रेयांश जैन, कार्यकारिणी निदेशक चारू जैन, समूह निदेशक डॉ. बीएम सिंह, प्रतिकुलपति डॉ. एसपी पाण्डेय, डीन रिसर्च प्रो. मुनीश सेठी, आईक्यूऐसी समन्वयक डॉ. मृदुला सिंह, सभी विभागों के संकायाध्यक्ष डॉ. डीवी गुप्ता, डॉ. राजेश उपाध्यय, डॉ. वीके सिंह, डॉ. कमल कपूर एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष सहित समस्त प्राध्यपक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डीन रिसर्च डॉ. मुनीश सेठी ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किए हुए सभी प्रतिभागीयों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस शोध हैकथॉन का समापन समारोह 7 जुलाई को किया जाएगा। जिस अवसर पर विजेताओं एवं प्रतिभागियों को उत्साहवर्धन किया जाएगा।

Date: 5.7.23 News Received By: Mr. Ravinder Saini ji (Online)

कोर विश्वविद्यालय के द्वारा पाँच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन

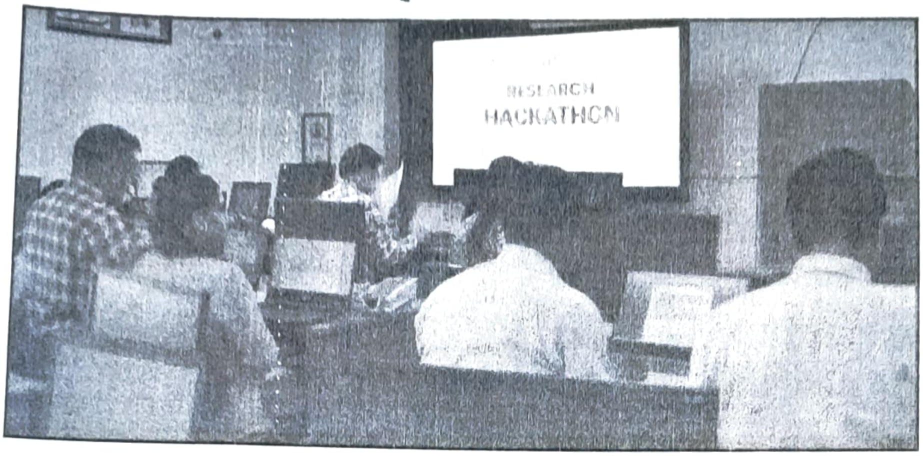

सनतशर्मा

कोर विश्वविद्यालय के तत्वाधान में पाँच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन 03-07 जुलाई, 2023 को किया जा रहा है। इस हैकथॉन में कोर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष सहित प्राध्यापकगण प्रतिभाग कर रहे है। इस शोध हैकथॉन का उद्देश्य शोध गुणवता व उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है। हैकथॉन का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई. जे. सी. जैन जी के कर कमलों द्वारा किया गया तथा उन्होने शोध की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में द्वितीय वक्ता के रूप में अपना संबोधन देते हुए कुलपति डॉ0 गुप्ता जी द्वारा शोध की महत्ता को बताया गया। विश्वविद्यालय के समूह निदेशक डॉ0 बी0एम0 सिंह जी के द्वारा विस्तार से शोध हैकथॉन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला गया। समारोह में नई तकनीकी ''आर्टिफिसियल इन्टैलिजेन्स टूल्स'' की महत्ता एवं प्रयोगात्मक गुणवत्ता पर विस्तृत रूप से व्याख्यान, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो0 कमल कुमार गोला जी के द्वारा किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई0 जे0सी0 जैन, प्रतिकुलाधिपति श्री श्रैयांश जैन, कार्यकारीणी निदेशक श्रीमती चारू जैन, समूह निदेशक डॉ0 बी0एम0 सिंह, प्रतिकुलपति डॉ0 एस0पी0 पाण्डेय, डीन रिसर्च प्रो0 मुनीश सेठी, आई0क्यू0ऐ0सी0 समन्वयक डॉ0 मृदुला सिंह, सभी विभागों के संकायाध्यक्ष डॉ0 डी0वी0 गुप्ता, डॉ0 राजेश उपाध्यय, डॉ0 वी0के0 सिंह, डॉ0 कमल कपूर एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष सहित समस्त प्राध्यपक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में डीन रिसर्च डॉ0 मुनीश सेठी ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किये हुए सभी प्रतिभागीयों का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस शोध हैकथॉन का समापन समारोह दिनांक 07 जुलाई 2023 को किया जायेगा। जिस अवसर पर विजेताओं एवं प्रतिभागीयों को प्रोत्साहनवर्धन किया जायेगा।

Date: 5.7.23 Newspaper: Janvaani (online) News received By: Mr. ravinder saini ji

उच्च स्तरीय शोध को दिया जाए बढ़ावा

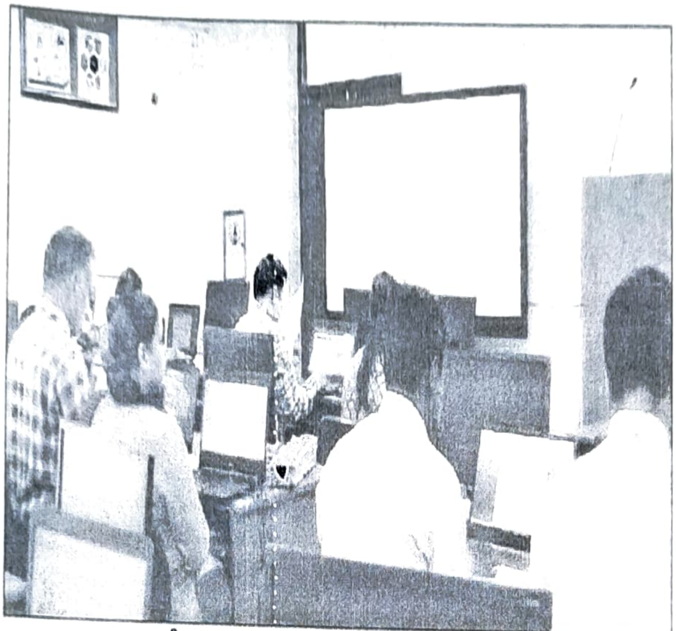

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

कोर विश्वविद्यालय के द्वारा पांच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन

कोर विश्वविद्यालय के तत्वावधान में पांच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। इस हैकथॉन में कोर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष सहित प्राध्यापकगण प्रतिभाग कर रहे हैं। इस शोध हैकथॉन का उद्देश्य शोध गुणवता व उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है। हैकथॉन का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई. जे. सी. जैन के कर कमलों द्वारा किया गया तथा उन्होंने शोध की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कुलपति डा. गुप्ता द्वारा शोध की महत्ता को बताया गया। विश्वविद्यालय के समूह निदेशक डा. बीएम सिंह के द्वारा विस्तार से शोध हैकथॉन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला गया। समारोह में नई तकनीकी आर्टिफिसियल इन्टैलिजेन्स टूल्स की महत्ता एवं प्रयोगात्मक गुणवत्ता पर विस्तृत रूप से व्याख्यान, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार गोला के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई. जेसी जैन, प्रतिकुलाधिपति श्रेयांश जैन, कार्यकारीणी निदेशक श्रीमती चारू जैन, समूह निदेशक डा. बीएम सिंह, प्रतिकुलपति डा. एसपी पाण्डेय, डीन रिसर्च प्रो. मुनीश सेठी, आईक्यूएसी समन्वयक डा. मृदुला सिंह, सभी विभागों के संकायाध्यक्ष डा. डीवी गुप्ता, डा. राजेश उपाध्यय, डा. वीके सिंह, डा. कमल कपूर एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष सहित समस्त प्राध्यपक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में डीन रिसर्च डा. मुनीश सेठी ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किये हुए सभी प्रतिभागीयों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस शोध हैकथॉन का समापन समारोह 07 जुलाई को किया जायेगा। जिस अवसर पर विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रोत्साहनवर्धन किया जायेगा।

Date: 5.7.23	NewsPaper: Amar Ujala (My city)	News page no. 02(My city Page)

कोर विश्वविद्यालय में शोध हैकथॉन शुरू

हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय शोध हैकथॉन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष सहित प्राध्यापक प्रतिभाग कर रहे हैं। शोध हैकथॉन का उद्देश्य शोध गुणवता व उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है। इसकी शुरुआत विवि के कुलाधिपति ई. जेसी जैन ने शोध की गुणवत्ता पर विस्तृत चर्चा के साथ किया। विश्वविद्यालय समूह के निदेशक डॉ. बीएम सिंह ने शोध हैकथॉन की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह में नई तकनीकी 'आर्टिफिसियल इन्टैलिजेन्स टूल्स' की महत्ता एवं प्रयोगात्मक गुणवत्ता पर विस्तृत रूप से व्याख्यान, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. कमल गोला ने प्रस्तुत किया। संवाद

Date: 5.7.23 News paper: Danik Jagran News Page No. 02

कोर विवि में पांच दिवसीय शोध हैकथान का आयोजन

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: कोर विश्वविद्यालय की ओर से पांच दिवसीय शोध हैकथान का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शोध गुणवत्ता और उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है। सोमवार को हैकथान का शुभारंभ करते विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ई. जेसी जैन ने शोध की गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। समूह निदेशक डा. बीएम सिंह ने शोध हैकथान की रूपरेखा की जानकारी दी। समारोह में कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार गोला ने नई तकनीक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स' की महत्ता एवं प्रयोगात्मक गुणवत्ता के बारे में बताया। डीन रिसर्च डा. मुनीश सेठी ने बताया कि शोध हैकथान में विवि के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष सहित प्राध्यापक भाग ले रहे हैं। सात जुलाई को समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर प्रतिकुलाधिपति श्रेयांश जैन आदि मौजूद रहे।

Date: 5.7.23 Newspaper: Rashtiya Sahara News page no. 04

कोर विवि में शोध हैकथॉन आयोजित

रुड़की। कोर विवि के तत्वावधान में पांच दिवसीय शोध हैकथॉम का शुभारंभ कुलाधिपति ई. जेसी जैन ने किया। हैकथॉन में कोर विवि के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष सहित प्राध्यापकगण प्रतिभाग कर रहे हैं। इस शोध हैकथॉन का उद्देश्य शोध गुणवत्ता व उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर कोर विवि के कुलाधिपति ई. जेसी जैन ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में कुलपति डा. गुप्ता द्वारा शोध की महत्ता को बताया गया। विवि के समूह निदेशक डा. बीएम सिंह ने शोध हैकथॉन के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में डीन रिसर्च डा. मुनीश सेठी ने सभी प्रतिभागीयों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर पर प्रतिकुलाधिप्रति श्रैयांश जैन, कार्यकारीणी निदेशक चारू जैन, प्रतिकुलपति डा. एसपी पांडेय, डीन रिसर्च प्रो. मुनीश सेठी, आईक्यूऐसी समन्वयक डा. मृदुला सिंह, प्रो. कमल कुमार गोला, संकायाध्यक्ष डा. डीवी गुप्ता, डा. राजेश उपाध्यय, डा. बीके सिंह, डा. कमल कपूर आदि मौजूद रहे।

Date: 5.7.23 Newspaper: Hindustan News Page No. 05

नए क्षेत्रों में शोध के लिए आगे आएं छात्र

हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय शोध हैकथॉन में कुलाधिपति जेसी जैन ने शोध की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि छात्र-छात्राओं को नए क्षेत्रों में शोध कार्य के लिए आगे आना चाहिए। हैकथॉन का उद्देश्य शोध गुणवता व उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना है। कुलपति डॉ. गुप्ता ने शोध के महत्व को समझाया। समूह निदेशक डॉ. बीएम सिंह ने नई तकनीकी ''आर्टिफिसियल इन्टैलिजेन्स टूल्स'' की महत्ता एवं प्रयोगात्मक गुणवत्ता पर विचार रखे। मौके पर कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार गोला आदि मौजूद थे।

Date: 7/6/23 NewsPaper: Roorkee Badri Vishal News Received By: Dr. Ravinder Saini

पौधारोपण कर कोर विश्वविद्यालय ने धूमधाम के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

रुड़की बद्री विशाल। कोर विश्वविद्यालय ने आज विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सतत् भविष्य में पर्यावरण सुरक्षा संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में अतिथियों और विशेषज्ञों की मौजूदगी रही। जिन्होंने पर्यावरण पर बहुमूल्य ज्ञान साझा किया। इसके साथ ही श्रोताओं के जिज्ञासु प्रश्नों पर विस्तार से चर्चा की। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय कार्यक्रम की विशेषज्ञ, हरिद्वार की

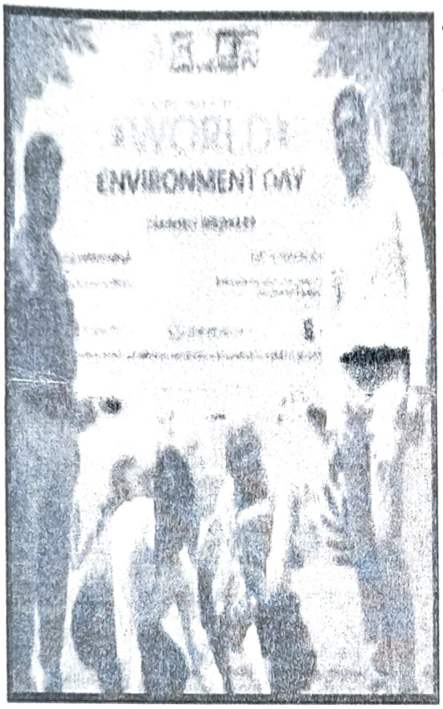

पर्यावरण संवेदनशीलता और मान्यता संज्ञान कक्षा की नोडल अधिकारी डॉ. विनया सेठी ने पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर भाषण दिया। जिसमें उन्होंने गौरैया के संरक्षण के बारे में विद्या का प्रदर्शन किया। डॉ. सेठी का विशेषज्ञता और उनकी उत्कृष्टता ने श्रोताओं में जिम्मेदारी की भावना को जागृत किया, जो उन्हें इन सुंदर पक्षियों की सुरक्षा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। कोर विश्वविद्यालय समय-समय पर वृक्षारोपण अभियान, विशेषज्ञ व्याख्यान जैसी गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। आज विश्वविद्यालय ने एक विशेष जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करना कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभाए। सभी अतिथियों व उच्च प्रबंधन कुलाधिपति जेसी जैन ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। कोर विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (क्यूएसी) के प्रमुख डॉ. मृदुला ने कार्यक्रम का समन्वय किया। डॉ. बी. एम. सिंह कार्यकारी कुलपति, डॉ. डी. वी. गुप्ता, प्रशांत, कमल कुमार गोला और डॉ. रोहित कनौजिया के सहयोग और उनकी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफल रहा। ऐसे कार्यक्रम हमें प्रतिबद्ध करते है कि पर्यावरणीय चुनौतियों को निपटाने और आगामी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए साझी प्रयासों की अत्यंत आवश्यकता है।

Date: 6/6/2023 NewsPaper: Bhaskar Samachar sewa News Received By: Dr. Ravindra saini

पर्यावरण पर बहुमूल्य ज्ञान साझा किया

कोर विश्वविद्यालय ने किया समारोह का आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

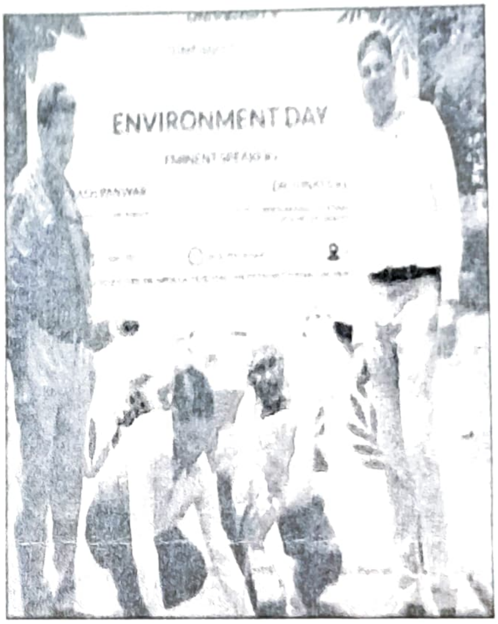

पौधारोपण करते कोर विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सतत भविष्य मे पर्यावरण सुरक्षा संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण अतिथियों और विशेषज्ञों की मौजूदगी रही, जिन्होंने पर्यावरण पर बहुमूल्य ज्ञान साझा किया। इसके साथ ही श्रोताओं के जिज्ञासु प्रश्नों पर विस्तार से चर्चा की। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, कार्यक्रम की विशेषज्ञ हरिद्वार की पर्यावरण संवेदनशीलता और मान्यता संज्ञान कक्षा के नोडल अधिकारी, डॉ. विनया सेठी ने पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर पर अद्भुत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने गौरैया के संरक्षण के बारे में अपनी महान विद्या का प्रदर्शन किया। डॉ. सेठी का विशेषज्ञता और उनकी उत्कृष्टता ने श्रोताओं में जिम्मेदारी की भावना को जागृत किया जो उन्हें इन सुंदर पक्षियों की सुरक्षा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है, कोर विश्वविद्यालय के पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और अन्य समुदायो के बीच पर्यावरणीय जागरूकता की एक संस्कृति को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच स्थापित करता है। कोर विश्वविद्यालय समय-समय पर आयोजन करता रहता है जो कोर विश्वविद्यालय की पर्यावरण के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। डॉ. मृदुला, ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया। डॉ. बीएम सिंह, डॉ. डीवी गुप्ता, कमल गोला, डॉ. रोहित कनौजिया ने सहयोग और सक्रिय भागीदारी निभायी।

Date: 31.5.23 NewsPaper: The Times Of India News Page No. 14

COER UNIVERSITY

www.coeruniversity.in

COER UNIVERSITY FORMERLY KNOWN AS UETR

Roorkee - Haridwar Road, Roorkee (Uttarakhand)

Appointment of Vice-Chancellor

COER University Roorkee is a reputed name in the field of academia, uniquely providing students a chance to prepare themselves for the challenging professional world. To turn this visionary ambition into a reality, the University invites application for the post of Vice-Chancellor. The qualification should be as per UGC norms.

Appointment of Prof / Associate Prof / Assistant Prof & Non-Teaching Staff

Applications for the following domains are also invited:

- Engineering (CE, CSE, ECE, EE, IT, ME)
- Chemistry, English, Maths, Physics
- Computer Applications
- B.M.L.T/ B.M.R.I.T & B.P.T
- Assistant Training & Placement Officer
- Management
- Agriculture
- Nursing
- Pharmacy
- Soft Skill Trainer
- Admission Counselor
- Digital Marketing
- Web Developer
- Clerical Staff

Interested aspirants should apply & e-mail in the prescribed application format with updated CV having two references at career@coer.ac.in within 10 days from the date of publication of this advertisement. The qualification should be as per UGC norms. Detailed advertisement & prescribed application format should be downloaded from the University website www.coeruniversity.in.

(Registrar)

Date: 23.5.23 NewsPaper : Bhaskar Samachar Seva News Raceived By: Dr. Ravinder Saini ji

सीओईआर विश्वविद्यालय ने किया भविष्य के अवसरों की खोज पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन

छात्रों को मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान किया

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। छात्रों को विभिन्न करियर पथों और भविष्य के अवसरों के संबंध में मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग सीओईआर विश्वविद्यालय ने सोमवार को छात्रों के लिए "करियर पथ की नेविगेशन भविष्य के अवसरों की खोज पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। डॉ. वीएम सिंह, संयुक्त कुलपति (कार्यभारी) सीओईआर विश्वविद्यालय और सीओईआर के अन्य अधिकारी ने सत्र का उद्घाटन किया।

उद्घाटन अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख, डॉ. रोहित कनौजिया उद्घाटन भाषण में स्वागत अभिप्रेत करते हुए उन्होंने विशेष सत्र की महत्ता के बारे में बात की क्योंकि इसका उद्देश्य तकनीक के सतत बदलती दुनिया में विभिन्न करियर पथों के संबंध में मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान करना है। डॉ. बीएम सिंह ने अपने की-नोट पत्र में कहा कि हम यहां एक सफल करियर के रोमांचकारी दुनिया में खोज करने के लिए एकत्र हुए हैं। इस तेजी से बदलते डिजिटल युग में, हमारे सामर्थ्य और अवसरों के विशाल और विविध सभावनाओं के चयन में महत्वपूर्ण है। हमें उभरते रुझानों और कौशलों की गहन समझ प्राप्त करना अनिवार्य है जो हमारे भविष्य के करियर को आकार देंगे। चेतन चौहान, सीईटीपीए इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक, सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा दी गए। कार्यक्रम को प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी विशेषज्ञ व छात्र।

कोरर विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग अपने छात्रों को उनकी पेशेवर यात्रा में पोषण और मार्गदर्शन करने के लिए इस तरह के सूचनात्मक सत्र आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सौम्या उपाध्याय, कार्यक्रम समन्वयक, सीओईआर विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसमें उन्होंने कुलपति, रिसोर्स पर्सन और अन्य अधिकारियों को उनकी गंभीर उपस्थिति से समारोह के लिए धन्यवाद दिया।

Date: 23.5.23 **NewsPaper: Bindas Aksh** **News received By: Dr. Ravinder saini ji**

सीओईआर विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 22 मई 2023 को करियर पथ की नेविगेशन: भविष्य के अवसरों की खोज पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया

बिंदास अक्स संवाददाता
सनत शर्मा

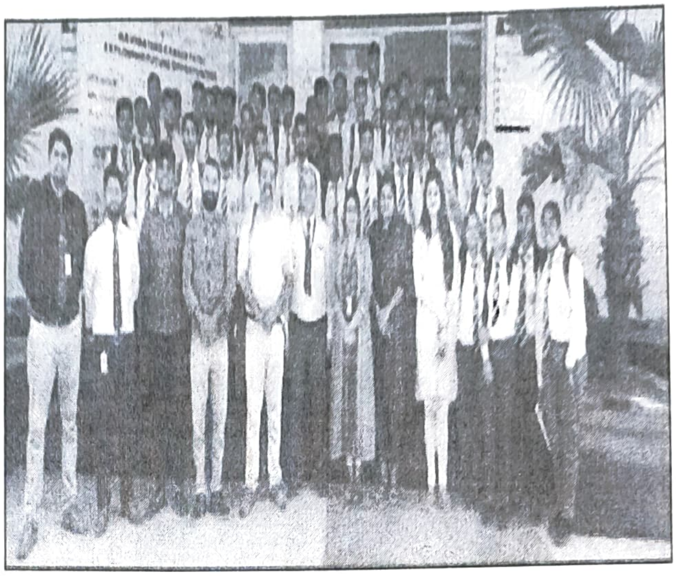

सीओईआर विश्वविद्यालय ने दिनाक 22 मई 2023 को छात्रों के लिए करियर पथ की नेविगेशन: भविष्य के अवसरों की खोज पर किसी विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। सेमिनार को उद्घाटना में डॉ. बीएम सिंह, संयुक्त कुलपति (कार्यभारी) सीओईआर विश्वविद्यालय और सीओईआर के अन्य अधिकारी ने सत्र की उद्घाटन की। डॉ. रोहित कनौजिया, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख, उद्घाटन भाषण में स्वागत अभिप्रेत करते हुए उन्होंने विशेष सत्र की महत्वपूर्ण महत्त्व के बारे में बात की क्योंकि इसका उद्देश्य तकनीक के सतत बदलते दुनिया में विभिन्न करियर पथों के संबंध में मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आज की तेजी से बदलती दुनिया में हमारे लिए नवीनतम रुझानों और अवसरों के बारे में जानकार रहना महत्वपूर्ण है। यह सत्र आपको आपके भविष्य के करियर के बारे में सूचना और संसाधनों से सशक्त करने के लिए डिजाइन किया गया है।उन्होंने सक्रिय भागीदारी की प्रोत्साहन दी और प्रतिभागियों से अपने मूल्यवान दर्शन से सीखने का पूरा फायदा उठाने की अपील की। उन्होंने हमारे अतिथि वक्ताओं को उनकी ज्ञान साझा करने के लिए उनकी इच्छा के लिए ध न्यवाद दिया और इस सत्र को तैयार करने में उनकी कोशिशों की सराहना की।डॉ. बीएम सिंह ने अपने की-नोट पत्र में कहा कि हम यहां एक सफल करियर के रोमांचकारी दुनिया में खोज करने के लिए एकत्र हुए हैं। इस तेजी से बदलते डिजिटल युग में, हमारे सामर्थ्य और अवसरों के विशाल और विविध संभावनाओं के

> **छात्रों को विभिन्न करियर पथों और भविष्य के अवसरों के संबंध में मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग**

चयन में महत्वपूर्ण है। हमें उभरते रुझानों और कौशलों की गहन समझ प्राप्त करना अनिवार्य है जो हमारे भविष्य के करियर को आकार देंगे।उन्होंने जोड़ते हुए कहा कि, जब आप एक सफल करियर को तैयार करने के लिए अपनी यात्रा पर निकलें, तो सही ज्ञान और संसाधनों से अपने आप को सशक्त करना महत्वपूर्ण है। हमारे प्रतिष्ठित अतिथि वक्ताओं ने, जिन्होंने अपने आप में उत्कृष्टता प्राप्त की है, अपने अनुभव और अनुभव साझा करने के लिए यहां आए हैं। उनका ज्ञान और साझा करने का इरादा हमें अद्यतित रखेगा और हमें एक नया दृष्टिकोण और नए अवसरों के साथ आगे बढ़ने में मदद करेगा।श्री चेतन चौहान, सीईटीपीए इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक, सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में सेवा दी गए। श्री चौहान ने अपने व्यापक उद्योग अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करके सशक्त रुझानों और करियर के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने इंटरैक्टिव प्रस्तुति के माध्यम से श्रोताओं को जुड़ाव दिया और वर्तमान नौकरी बाजार में मांग में आने वाले कौशल और गुणों पर मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किया। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। ब्न्द विश्वविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग अपने छात्रों को उनकी पेशेवर यात्रा में पोषण और मार्गदर्शन करने के लिए इस तरह के सूचनात्मक सत्र आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।सुश्री सौम्या उपाध्याय, कार्यक्रम समन्वयक, सीओईआर विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसमें उन्होंने कुलपति, रिसोर्स पर्सन और अन्य अधिकारियों को उनकी गंभीर उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए ध न्यवाद दिया।

Date: 23.5.23 Newspaper: Danik Bhaskar News Received By: Dr. Ravinder Saini ji

दैनिक भास्कर
04 बुधवार, 23 मई, 2023 देहरादून

आधुनिक तकनीक के उपयोग की जानकारी दी

• सीओईआर के छात्रों ने जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग सीओईआर विश्वविद्यालय के छात्रों ने साइबर अपराध और पुलिस आधुनिकीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

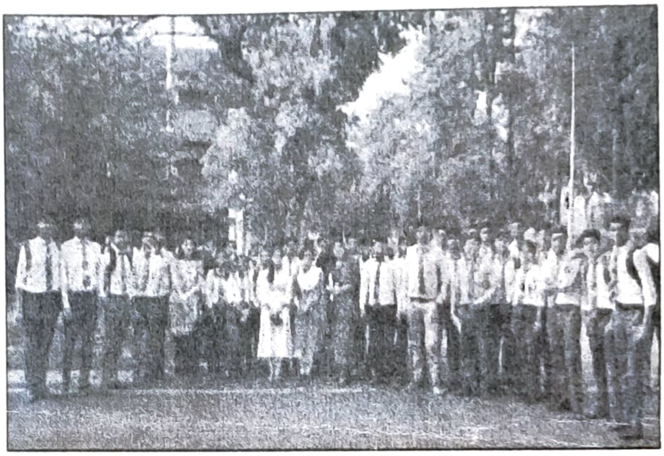

जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागी।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सीओईआर विश्वविद्यालय ने सम्मानित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की द्वारा आयोजित साइबर अपराध और पुलिस आधुनिकीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। यह आयोजन मंगलवार को मल्टी एक्टिविटी सेंटर ऑडिटोरियम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, रुड़की परिसर में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को साइबर अपराध से उत्पन्न चुनौतियों और इससे निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए जा रहे उपायों के बारे में शिक्षित करना था। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत सम्मानित अतिथि थे।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, के 84 उत्साही छात्रों और 4 संकाय सदस्यों ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने उद्योग में प्रसिद्ध पेशेवरों द्वारा आयोजित विशेषज्ञ वार्ता, प्रस्तुतियों और आकर्षक पैनल चर्चाओं में भाग लिया। इस घटना ने उभरते हुए साइबर खतरों, साइबर सुरक्षा की सर्वोत्तम प्रथाओं, डिजिटल फोरेंसिक और कानून प्रवर्तन में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। साइबर अपराध से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए इस तरह की पहल छात्रों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

Date: 23.5.23 Newspaper: Roorkee Badri Vishal News Received By: Dr. Ravinder Saini ji

कोर कॉलेज में हुआ 'कैरियर पथ की नेविगेशन, भविष्य के अवसरों की खोज' विषय पर विशेष सत्र का आयोजन

सही ज्ञान और संसाधनों से अपने को सशक्त करना जरूरी: डॉ. बीएम सिंह

रुड़की बद्री विशाल। सीओईआर विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने 'करियर पथ की नेविगेशन, भविष्य के अवसरों की खोज' पर एक विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। छात्रों को विभिन्न करियर पथों और भविष्य के अवसरों के संबंध में मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग सीओईआर विश्वविद्यालय ने आज छात्रों के लिए 'करियर पथ की नेविगेशन, भविष्य के अवसरों की खोज' पर किसी विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया। सेमिनार का उद्घाटन डॉ. बीएम सिंह संयुक्त कुलपति (कार्यभारी) सीओईआर विश्वविद्यालय और अन्य अधिकारी ने किया। डॉ. रोहित कनौजिया सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख ने विशेष सत्र के महत्वपूर्ण महत्त्व के बारे में बात की। क्योंकि इसका उद्देश्य तकनीक के सतत् बदलते दुनिया में विभिन्न करियर पथों के संबंध में मूल्यवान दर्शन और मार्गदर्शन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आज की तेजी से बदलती दुनिया में हमारे लिए नवीनतम रुझानों और अवसरों के बारे में जानकार रहना महत्वपूर्ण है। डॉ. बीएम सिंह ने अपने की-नोट पत्र में कहा कि हम यहां एक सफल करियर के रोमांचकारी दुनिया में खोज करने के लिए एकत्र हुए हैं। इस तेजी से बदलते डिजिटल युग में, हमारे सामर्थ्य और अवसरों के विशाल और विविध संभावनाओं के चयन में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जब आप एक सफल करियर को तैयार करने के लिए अपनी यात्रा पर निकलें, तो सही ज्ञान और संसाधनों से अपने आप को सशक्त करना महत्वपूर्ण है। चेतन चौहान सीईटीपीए इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक ने संसाधन व्यक्ति के रुप में सेवा दी। चौहान ने अपने व्यापक उद्योग अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करके सशक्त रुझानों और करियर के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने इंटरैक्टिव प्रस्तुति के माध्यम से श्रोताओं को जुड़ाव दिया और वर्तमान नौकरी बाजार में मांग में आने वाले कौशल और गुणों पर मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किया। कार्यक्रम को प्रतिभागियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। सुश्री सौम्या उपाध्याय कार्यक्रम समन्वयक सीओईआर विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसमें उन्होंने कुलपति, रिसोर्स पर्सन और अन्य अधिकारियों को उनकी गंभीर उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया।

Date: 24.5.23 NewsPaper Amar Ujala (My City Page) News page No. 2 (My City)

छात्रों ने जागरूकता कार्यक्रम में लिया हिस्सा

हरिद्वार। कोर विवि के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के छात्रों ने साइबर अपराध और पुलिस आधुनिकीकरण पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के मल्टी एक्टिविटी सेंटर ऑडिटोरियम में हुए जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य छात्रों को साइबर अपराध की चुनौतियों और इससे निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए जा रहे उपायों के बारे में जागरूक करना था। डीजीपी अशोक कुमार मुख्य अतिथि रहे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत सम्मानित अतिथि थे। कोर कॉलेज के 84 छात्रों और चार संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया। संवाद

Date: 24.5.23 News Paper: Bindas Aksh News received by: Dr. Ravinder saini ji

कोर विवि के छात्रों ने साइबर अपराध और पुलिस आधुनिकीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया

बिंदास अक्स संवाददाता

हरिद्वार। कोर विवि सूचना प्रौद्योगिक विभाग के छात्रों ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की द्वारा आयोजित साइबर अपराध और पुलिस आधुनिकीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम आईआईटी रुड़की के मल्टी एक्टिविटी सेंटर ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को साइबर अपराध से उत्पन्न चुनौतियों और इससे निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा किए जा रहे उपायों के बारे में शिक्षित करना था। डीजीपी अशोक कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। जबकि रुड़की आईआईटी के निदेशक प्रोफेसर कमल किशोर पंत सम्मानित अतिथि रहे। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 84 उत्साही छात्रों और 04 संकाय सदस्यों ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने उद्योग में प्रसिद्ध पेशेवरों द्वारा आयोजित विशेषज्ञ वार्ता, प्रस्तुतियों और आकर्षक पैनल चर्चाओं में भाग लिया। यह कार्यक्रम अकादमिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने और छात्रों को अपने संबंधित क्षेत्रों में नवीनतम विकास के साथ अद्यतन रहने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रखा गया था।

Date: 3.5.23 News Paper: Bhaskar samachar Seva News Received By: Dr. Ravinder Saini

छात्रों को प्लेसमेंट के लिए आवश्यक स्किल के बारे में दी जानकारी, कुलाधिपति ने दिए बेहतर करियर के टिप्स

कोर विवि में दो दिवसीय कैंपस-टू-कॉरपोरेट कार्यशाला का आयोजन

• पूर्व छात्रों ने साझा किए अपने अनुभव

भास्कर समाचार सेवा

कैंपस टू कॉरपोरेट कार्यशाला के दौरान कोर के शिक्षक।

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय रुड़की में छात्रों के एमएनसी कंपनियों में साक्षात्कार एवं चयन की प्रक्रिया निरंतर रूप से चल रही है। इसी श्रृंखला मे कोर विश्वविद्यालय ने अपने प्री फाइनल वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए दो दिवसीय कैंपस-टू-कॉरपोरेट कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का आरंभ कोर विश्वविद्यालय कुलाधिपति जेसी जैन, कार्यवाहक कुलपति डॉ. बीएम सिंह, प्रति कुलपति प्रो. एसपी पांडे एवं एक्सपर्ट ट्रेनर्स द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यवाहक कुलपति डॉ. बीएम सिंह ने छात्रों को प्लेसमेंट के लिए आवश्यक स्किल के बारे में बताया और प्लेसमेंट की प्रक्रिया के बारे मे चर्चा की। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जेसी जैन ने छात्रों के साथ अपना अनुभव साझा किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए करियर टिप्स प्रदान किए। कार्यक्रम में कुछ पूर्व छात्रों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण मे एक्सपर्ट ट्रेनर्स नितिन मोहन आर्या ने कम्युनिकेशन स्किल्स पर हमद हसन ने प्रजेंटेशन पर और रिचा चावला ने पर्सनेलिटी डेवलपमेंट पर कार्यशाला मे अपने अनुभव साझा किए।

कम्युनिकेशन स्किल्स के बारे में उन्होंने बताया कि इफेक्टिव कम्युनिकेशन के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और करियर की प्रोग्रेस के लिए क्लियर कम्युनिकेशन कितना जरूरी है। कॉरपोरेट प्रजेंटेशन की इफेक्टिव टेक्निक के बारे में भी उन्होंने जानकारी दी। कार्यक्रम मे इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष, एमबीए और एमसीए प्रथम वर्ष, बीकॉम, बीबीए, बीसीए द्वितीय वर्ष एवं बीएससी एग्रीकल्चर तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन राकेश मार्क्स ने किया। इस अवसर पर दिव्या मिश्रा, नितिन अग्रवाल आदि मौजूद थे।

Date: 3.5.23 News Received By: Dr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कैम्पस टू कॉर्पोरेट कार्यशाला का आयोजन

हरिद्वार। रूड़की स्थित कोर विश्वविद्यालय रुड़की में छात्रों के एम एन सी कंपनियों में साक्षात्कार एवं चयन की प्रक्रिया निरंतर रूप से चल रही है। इसी श्रंखला में कोर विश्वविद्यालय ने अपने प्री फाइनल वर्ष के छात्र- छात्राओं के लिए दो दिवसीय कैम्पस टू कॉर्पोरेट कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला एक एवं दो मई 2023 तक आयोजित की गई।

कार्यशाला का आरंभ श्री जे सी जैन,कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय, कार्यवाहक कुलपति डॉ बी एम सिंह प्रति कुलपति प्रो एस पी पांडे, एवं एक्सपर्ट ट्रेनर्स के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

कार्यवाहक कुलपति डॉ बी एम सिंह ने छात्रों को प्लेसमेंट के लिए आवश्यक स्किल के बारे में बताया और प्लेसमेंट की प्रक्रिया के बारे मे चर्चा की

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री जे सी जैन जी ने छात्रों के साथ अपना अनुभव साझा किया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए करियर टिप्स प्रदान किए। कार्यक्रम में कुछ पूर्व छात्रों ने भी अपने अनुभवों को

साझा किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में हमारे एक्सपर्ट ट्रेनर्स, श्री नितिन मोहन आर्या ने कम्युनिकेशन स्किल्स पर ,श्री हमद हसन ने प्रजेंटेशन पर और सुश्री रिचा चावला ने पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर कार्यशाला मे अपने अनुभव साझा किए।

कम्युनिकेशन स्किल्स के बारे में उन्होंने ने बताया की इफेक्टिव कम्युनिकेशन के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और करियर की प्रोग्रेस के लिए क्लियर कम्युनिकेशन कितना जरूरी है। आगे बताया कि कॉर्पोरेट प्रजेंटेशन की इफेक्टिव टेक्नीक क्या है और उन्होंने बताया की छात्रों को अपने डर और घबराहट पर कैसे काबु पाना चाहिए। ट्रेनर्स ने आगे बताया कि भीतरी और बाहरी पर्सनैलिटी को डेवलप करने के लिए हमें अपने पहले यह मानना होगा की हम यूनीक है और फिर उस पर काम करना चाहिए।

रोल प्ले के द्वारा बच्चों ने इन टेक्नीक का अभ्यास किया और उन्हें पर्सनैलिटी टेस्ट के द्वारा अपने व्यक्तित्व को जानने का मौका मिला। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष, एम बी ए और एम सी ए प्रथम वर्ष ,बी काम,बी बी ए,बी सी ए द्वितीय वर्ष एवं बी एस सी एग्रीकल्चर तृतीय वर्ष के छात्र छात्राओं ने सक्रियता के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री राकेश मार्कस ने किया एवं समापन धन्यवाद श्रीमती दिव्या मिश्रा , उप कुलसचिव ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर श्रीमती दिव्या मिश्रा उप कुलसचिव - ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट, श्री नितिन अग्रवाल हेड प्लेसमेंट एवं श्री राकेश मार्कस हेड ट्रेनिंग थे।

भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी नेहा मित्तल और उनके समर्थकों ने नगर में निकाली विशाल बाइक रैली

जालौन। भारतीय जनता पार्टी नेहा मित्तल की विशाल बाइक यात्रा नगर की सड़कों पर निकाली गइ।पुनीत मित्तल अपने समर्थकों के साथ इस विशाल रैली मे सबसे आगे पैदल चल कर लोगों से अपने पक्ष मे मतदान करने की अपील कर रहे थे तो वही प्रत्याशी नेहा मित्तल,सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा नगर की जनता से वोट माग रहे थे।। नगर पालिका चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अंतिम दिन अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए विशाल बाइक रैली निकाली जो हजारों की संख्या कार्यकर्ता तथा मतदाताओं ने इस बाइक रैली में शामिल होकर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नेहा मित्तल के लिए वोट मांगा। तो वही भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नेहा पुनीत मित्तल, सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, स्वच्छ भारत मिशन के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शाक्य,पूर्व पालिकाध्यक्ष कांती वर्मा, मलखान दोहरे, पप्पू चौहान,भाजपा नगर अध्यक्ष अभय राजावत,राजीव मोहन मिश्रा,राजा गधेला,रिषी श्रीवास्तव,विष्णु अग्रवाल,आशीष द्विवेदी,सहित तमाम कार्यकर्ताओ सहित मतदाताओ ने द्वारकाधीश मंदिर से अपनी बाइक रैली निकाली जिसमें मुख्य मार्ग झंडा चौराहा सब्जी मंडी बस स्टैंड तहसील रोड कोतवाली रोड बंगला रोड देव नगर चौराहा तथा चुर्खी रोड बालाजी मंदिर होते हुए हरिपुरा मोहल्ले से रैली निकाली गइ नगर में चारों ओर जय श्रीराम के नारे तथा पूरा नगर भगवा माहौल मे नजर आया।

Date: 3.5.23 | NewsPaper: Hindustan | News Page No. 04

हरिद्वार के कोर विवि में कैम्पस टू कार्पोरेट कार्यशाला का शुभारंभ करते पदाधिकारी।

प्लेसमेंट स्किल के बारे में बताया

हरिद्वार। रुड़की स्थित कोर विवि में छात्र- छात्राओं के लिए दो दिवसीय कैम्पस टू कार्पोरेट कार्यशाला का आयोजन किया गया। शुभारंभ कुलाधिपति जेसी जैन, डॉ. बीएम सिंह, एसपी पांडे ने किया। कार्यवाहक कुलपति डॉ. बीएम सिंह ने छात्रों को प्लेसमेंट के लिए आवश्यक स्किल के बारे में बताया और प्लेसमेंट की प्रक्रिया के बारे मे चर्चा की।

Date : 1.5.23 | News Paper: Amar Ujala (My City) | News Page No. 3 (My City)

संस्थानों के बीच तालमेल की जरूरत

उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हुआ कार्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

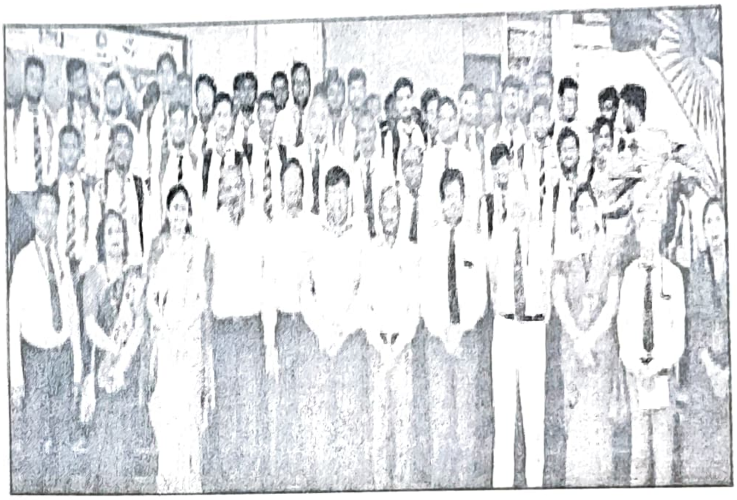

कोर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व अन्य। - संवाद

हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय में एमएसएमई भारत सरकार, उत्तराखंड सरकार और इंडस्ट्रीज एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के सहयोग से इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक बीडी पटेल ने कहा कि उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि आईआईटी रुड़की के निदेशक डॉ. केके पंत ने पीने के पानी, हरित ऊर्जा, प्लास्टिक प्रबंधन, भूस्खलन की समस्याओं को हल करने के लिए उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर चर्चा की। विशिष्ट अतिथि पंकज गुप्ता ने कहा कि युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए उद्योग और शिक्षा के बीच तालमेल बनाने की जरूरत है। प्रो. वाइस चांसलर डॉ. एसपी पांडे ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उद्योग और शिक्षाविदों को हाथ मिलाना होगा ताकि अप्रचलित पाठ्यक्रम को बदला जा जाए। कुलपति (कार्यवाहक) डॉ. बीएम सिंह ने भी विचार रखे। इस दौरान राजीव अग्रवाल, वंदना मोनाहन, जतिन अग्रवाल, डॉ. प्रदीप कोठियाल ने अनुभव साझा किए। वहीं, डीन डॉ. डीवी गुप्ता, डॉ. वीके सिंह, डॉ. कमल कपूर, डॉ. मुनीश सेठी आदि मौजूद रहे।

Date: 1.5.23 News Paper: Bhaskar samachar News Received By : Dr. Ravinder Saini

कोर ने एमएसएमई विभाग, उत्तराखंड सरकार और इंडस्ट्रीज एसो. ऑफ उत्तराखंड के सहयोग से किया कार्यक्रम आयोजित

उद्योग और शिक्षा के बीच तालमेल को तय करना है लंबा रास्ता

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कोर विश्वविद्यालय ने एमएसएमई विभाग, उत्तराखंड सरकार और इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के सहयोग से शुक्रवार को इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस का आयोजन किया। इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस के संयोजक बीडी पटेल ने इस आयोजन के उद्देश्य बताते हुए कहा कि उपयुक्त कौशल बल जो आसानी से रोजगार योग्य है, इस प्रकार उद्योग के प्रशिक्षण पहलू को लागत प्रभावी बनाता है क्योंकि इसमें कार्यबल के प्रशिक्षण पर लगातार भारी खर्च करना पड़ता है।

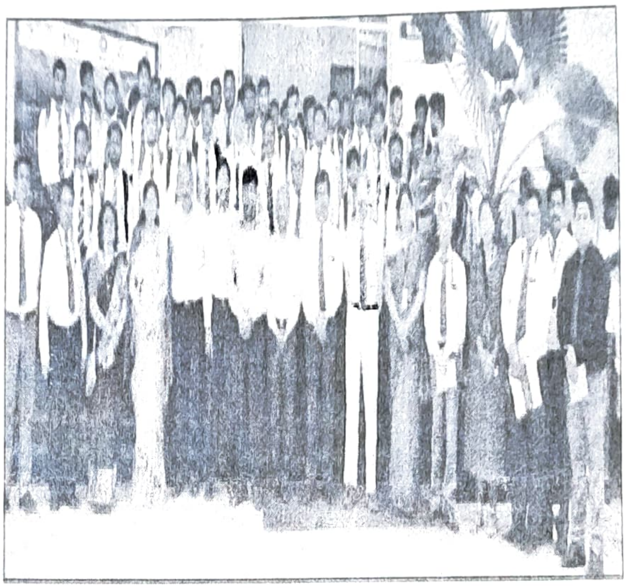

इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस के दौरान शिक्षकगण।

मुख्य अतिथि डॉ. केके पंत, निदेशक आईआईटी रुड़की ने पीने के पानी, हरित ऊर्जा, प्लास्टिक प्रबंधन, भूस्खलन की समस्याओं को हल करने के लिए उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर चर्चा की और शिक्षाविदों को उत्तराखंड राज्य के मुद्दों को हल करने के लिए संयुक्त अनुसंधान के लिए कहा। विशिष्ट अतिथि पंकज गुप्ता ने कहा कि यह हमारे युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए उद्योग और शिक्षा के बीच तालमेल बनाने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना होगा ताकि युवाओं को दुनिया भर में लाभकारी रूप से नियोजित किया जा सके। इसके अलावा, यह प्रयास स्किल गैप को कम करने में भी मदद करेगा। इसके लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करने के साथ-साथ मौजूदा उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए रिवर्स इंजीनियरिंग करना चाहिए।

प्रोवाइस चांसलर डॉ. एसपी पांडे ने कहा कि राज्य में रोजगार योग्य कार्यबल बनाने के लिए, तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उद्योग और शिक्षाविदों को हाथ मिलाना होगा। डॉ. बीएम सिंह ने तकनीकी शिक्षा में 25 वर्षों की विरासत वाले कोर विश्वविद्यालय की यात्रा का विवरण दिया।

Date: 1.5.23 NewsPaper: Roorkee Badri vishal News Received By: Dr. Ravinder saini

इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस का कोर विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कोर विश्वविद्यालय ने एमएसएमई विभाग, उत्तराखंड सरकार और इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के सहयोग से इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस का आयोजन किया। इंडस्ट्री एकेडेमिया इंटरफेस के संयोजक वी.डी. पटेल ने इस आयोजन के उद्देश्य बताए और कहा कि उपयुक्त कौशल बल, जो आसानी से रोजगार योग्य है, इस प्रकार उद्योग के प्रशिक्षण पहलू को लागत प्रभावी बनाता है। क्योंकि इसमें कार्यबल के प्रशिक्षण पर लगातार भारी खर्च करना पड़ता है। मुख्य अतिथि डॉ. के. के. पंत निदेशक आईआईटी रुड़की ने आईआईटी रुड़की के साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया। डॉ. पंत ने पीने के पानी, हरित ऊर्जा, प्लास्टिक प्रबंधन, भूस्खलन की समस्याओं को हल करने के लिए उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर चर्चा की और शिक्षाविदों को उत्तराखंड राज्य के मुद्दों को हल करने के लिए संयुक्त अनुसंधान के लिए कहा। विशिष्ट अतिथि पंकज गुप्ता ने कहा कि यह हमारे युवाओं को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए उद्योग और शिक्षा के बीच तालमेल बनाने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना होगा ताकि युवाओं को दुनियाभर में लाभकारी रूप से नियोजित किया जा सके। इसके अलावा, यह प्रयास स्किल गैप को कम करने में भी मदद करेगा और इसके लिए छात्रों को कड़ी मेहनत करने के साथ-साथ मौजूदा उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए रिवर्स इंजीनियरिंग करना चाहिए। इस इंटरफेस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रो. वाइस चांसलर डॉ. एस.पी. पांडे ने कहा कि राज्य में रोजगार योग्य कार्यबल बनाने के लिए, तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उद्योग और शिक्षाविदों को हाथ मिलाना होगा ताकि अप्रचलित पाठ्यक्रम को बदल दिया जाए और सरकार की नई शिक्षा नीति पर बात की। कुलपति (कार्यवाहक) डॉ. वी. एम. सिंह ने तकनीकी शिक्षा में 25 वर्षों की विरासत वाले कोर विश्वविद्यालय की यात्रा का विवरण दिया। कोर विश्वविद्यालय के चांसलर जे.सी. जैन ने वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने के लिए उद्योग और शैक्षणिक संस्थान के बीच तालमेल की आवश्यकता के बारे में बात की। राजीव अग्रवाल एम.डी. कामेट बल्ब देहरादून ने एक भारतीय रेलवे अधिकारी और एक उद्यमी के रूप में अपने लंबे अनुभव को साझा करते हुए कहा कि छात्रों को यथार्थवादी सपने बनाने चाहिए और उन पर काम करना चाहिए। श्रीमती वंदना मोनाहन एमडी अनुविद्युत प्राइवेट लिमिटेड रुड़की ने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग चलाने के अपने अनुभव को साझा किया और छात्रों से प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल रखने और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। जतिन अग्रवाल एमडी एग्रोमेक समूह ने कौशल उन्नयन पर जोर दिया, न केवल तकनीकी लेकिन कम्युनिकेशन स्किल, टीम बिल्डिंग भी सफल करियर के लिए महत्वपूर्ण पहलू हैं। ओम इंडस्ट्रीज के सीईओ डॉ. प्रदीप कोठियाल ने कहा कि भविष्य उनके लिए है, जो नई चुनौतियों को स्वीकार करने और जोखिम लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने वर्तमान उद्योग चुनौतियों का भी उदाहरण दिया और नई तकनीकों को हल करने और सुझाव देने के लिए शिक्षाविद एक साथ कैसे आ सकते हैं। इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रिकल, सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग से कोर विश्वविद्यालय के 300 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इनके अलावा डीन डॉ. डी.वी. गुप्ता, डॉ. वी.के. सिंह, डॉ. कमल कपूर, डॉ. मुनीश सेठी, रजिस्ट्रार डॉ. मनीष कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. गुंजन अग्रवाल, श्रीमती अनुराधा, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. रोहित कनौजिया, डॉ. के.के. वर्मा भी मौजूद रहे। डॉ. प्रभात ने धन्यवाद ज्ञापित किया। श्रीमती रचना ने कार्यक्रम का संचालन किया और थॉमस मैथ्यू, डॉ. मुकुल दीक्षित, मोहित सेंगर, अमरदीप, विवेक, श्रीमती कविता, श्रीमती हिमानी आयोजन समिति के सदस्य रहे।

Date: 21.4.23 News Paper: Badri vishal News Received By: Dr. Ravinder Saini

कोर में हुआ महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए जागरूकता कार्यक्रम

महिलाओं के लिए विशिष्ट स्वच्छता और स्वास्थ्य मुद्दों पर की गई चर्चा

रुड़की बद्री विशाल। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग कोअर विश्वविद्यालय, ने महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कोअर विश्वविद्यालय ने महिलाओं की भलाई को बढ़ावा देने और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए आज महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती चारू जैन कार्यकारी निदेशक सीओईआर विश्वविद्यालय, डॉ. संगीता अग्रवाल एमबीबीएस निदेशक हैप्पी फैमिली हॉस्पिटल, रुड़की व सीओईआर के अन्य पदाधिकारियों ने द्वीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यकारी निदेशक सीओईआर विश्वविद्यालय श्रीमती चारु जैन ने कृतज्ञता के प्रतीक के साथ रिसोर्स पर्सन का स्वागत किया और महिलाओं के लिए विशिष्ट स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व पर बात की। उन्होंने कहा कि एक समाज के रूप में, हमें यह पहचानना चाहिए कि महिलाओं को अद्वितीय स्वास्थ्य चुनौतियों और स्वच्छता संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ता है। इन मुद्दों का उनके समग्र कल्याण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें संबोधित करें और हम सभी को इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर कार्रवाई करने का आग्रह करना चाहिए। चाहे वह शिक्षा के माध्यम से हो, समर्थन के माध्यम से हो, या आवश्यक सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने के माध्यम से हो, हम सभी एक अंतर ला सकते हैं। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं, जहां सभी महिलाओं के पास स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक समर्थन और संसाधन हों। डॉ. संगीता अग्रवाल एमबीबीएस ने बताया कि कैसे उचित स्वच्छता प्रथाओं की कमी से विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं जैसे संक्रमण, मूत्र पथ के संक्रमण और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि इन स्वास्थ्य समस्याओं का महिलाओं के जीवन की समग्र गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। डॉ. मृदुला प्रमुख आईक्यूएसी, सीओईआर विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि और संसाधन व्यक्ति को उनकी गंभीर उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि गुप्ता, सुश्री रेणु बहुगुणा, सुश्री सौम्या उपाध्याय, सुश्री अदिति, सुश्री आकांक्षा, सुश्री स्वाति आर्य की सक्रिय भागीदारी देखी गई। साथ ही छात्रों और संकाय सदस्यों सहित 38 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया।

Date: 19.4.23 News Paper: Bhaskar Samachar News Received By: Dr. Ravinder Saini

महिलाओं के कल्याण को मिलकर करना होगा काम

● स्वास्थ्य व स्वच्छता के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भास्कर समाचार सेवा

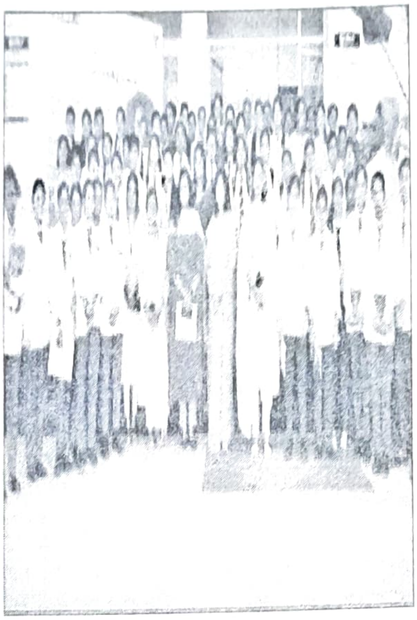

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारी व अतिथि।

रुड़की। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कोअर विश्वविद्यालय ने महिलाओं की भलाई को बढ़ावा देने और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यकारी निदेशक सीओईआर विश्वविद्यालय चारू जैन, एमबीबीएस निदेशक हैप्पी फैमिली हॉस्पिटल रुड़की डॉ. संगीता अग्रवाल व सीओईआर के अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया।

कार्यकारी निदेशक चारु जैन ने उद्घाटन भाषण प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने महिलाओं के लिए विशिष्ट स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व पर बात की।

उन्होंने कहा कि एक समाज के रूप में, हमें यह पहचानना चाहिए कि महिलाओं को अद्वितीय स्वास्थ्य चुनौतियों और स्वच्छता संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ता है। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहां सभी महिलाओं के पास स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक समर्थन और संसाधन हों।

डॉ. संगीता अग्रवाल ने समझाया कि कैसे उचित स्वच्छता प्रथाओं की कमी से विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं जैसे संक्रमण, मूत्र पथ के संक्रमण और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि इन स्वास्थ्य समस्याओं का महिलाओं के जीवन की समग्र गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। वक्ता ने हाथ धोने, नहाने और साफ कपड़े पहनने के महत्व पर जोर दिया। वक्ता ने समझाया कि कैसे तनाव और चिंता एक महिला के शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं और आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर मदद मांगने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. मृदुला, प्रमुख, आईक्यूएसी, सीओईआर विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि और संसाधन व्यक्ति को उनकी गंभीर उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि गुप्ता, रेणु बहुगुणा, सौम्या उपाध्याय, अदिति, आकांक्षा, स्वाति आर्य की सक्रिय भागीदारी देखी गई, साथ ही छात्रों और संकाय सदस्यों सहित 38 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया।

Date: 19.4.23 News Paper: Bindas Aksh News Received By: Dr. Ravinder Saini

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कोर विश्वविद्यालय, में महिलाओं के कल्याण और उनके समग्र विकास के लिए महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिंदास अक्स संवाददाता
सनत शर्मा

बहादराबाद सिडकुल।सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कोर विश्वविद्यालय, ने महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देने और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कोआर विश्वविद्यालय, ने महिलाओं की भलाई को बढ़ावा देने और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार के लिए 18 अप्रैल 2023 को सुबह 11:00 बजे से महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया, जिसमें श्रीमती चारू जैन, कार्यकारी निदेशक, सीओईआर विश्वविद्यालय, डॉ. संगीता अग्रवाल, एमबीबीएस, निदेशक, हैप्पी फैमिली हॉस्पिटल, रुड़की व सीओईआर के अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया ।कार्यकारी निदेशक, सीओईआर विश्वविद्यालय, श्रीमती चारु जैन ने कृतज्ञता के प्रतीक के साथ रिसोर्स पर्सन का स्वागत किया और उद्घाटन भाषण प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने महिलाओं के लिए विशिष्ट स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व पर बात की। उन्होंने संबोधित किया कि एक समाज के रूप में, हमें यह पहचानना चाहिए कि महिलाओं को अद्वितीय स्वास्थ्य चुनौतियों और स्वच्छता संबंधी चिंताओं का सामना करना पड़ता है। इन मुद्दों का उनके समग्र कल्याण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें संबोधित करें और हम सभी को इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर कार्रवाई करने का आग्रह करना चाहिए। चाहे वह शिक्षा के माध्यम से हो, समर्थन के माध्यम से हो, या आवश्यक सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने के माध्यम से हो, हम सभी एक अंतर ला सकते हैं। साथ मिलकर, हम एक ऐसी दुनिया बना सकते हैं जहां सभी महिलाओं के पास स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक समर्थन और संसाधन हों।उन्होंने आगे इस कार्यक्रम की सफलता की कामना की और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जागरूकता कार्यक्रम के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को बधाई दी।डॉ. संगीता अग्रवाल, एमबीबीएस, निदेशक, हैप्पी फैमिली हॉस्पिटल, रुड़की, अपने मुख्य भाषण में समझाया कि कैसे उचित स्वच्छता प्रथाओं की कमी से विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं जैसे संक्रमण, मूत्र पथ के संक्रमण और अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि इन स्वास्थ्य समस्याओं का महिलाओं के जीवन की समग्र गुणवत्ता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।वक्ता ने हाथ धोने, नहाने और साफ कपड़े पहनने के महत्व पर जोर दिया। वक्ता ने समझाया कि कैसे तनाव और चिंता एक महिला के शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं और आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर मदद मांगने के महत्व पर प्रकाश डाला।डॉ. मृदुला, प्रमुख, आईक्यूएसी, सीओईआर विश्वविद्यालय ने औपचारिक रूप से धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि और संसाधन व्यक्ति को उनकी गंभीर उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाने के लिए ध न्यवाद दिया।कार्यक्रम में डॉ. रश्मि गुप्ता, सुश्री रेणु बहुगुणा, सुश्री सौम्या उपाध्याय, सुश्री अदिति, सुश्री आकांक्षा, सुश्री स्वाति आर्य की सक्रिय भागीदारी देखी गई, साथ ही छात्रों और संकाय सदस्यों सहित 38 प्रतिभागियों ने सत्र में भाग लिया।

05 ... साथ

बिंदास अक्स संवाददाता
सनत शर्मा

बहादराबाद सिडकुल बहादराबाद ''जनपद को नशा मुक्त करने व नशा (अवैध शराब /स्मैक/चरस/गांजा आदि) तस्करों के विरुध पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम मे पुलिस द्वारा थानाक्षेत्र अंतर्गत

Date: 8.4.23 **NewsPaper: Bindas Aksh** **News Received By: Dr. Ravinder Saini**

कोर विश्विद्यालय में मूलभूत विज्ञान मे आधुनिक प्रवृत्ति विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ

बिंदास अक्स संवाददाता
सनत शर्मा

बहादराबाद सिडकुल राजकीय राजमार्ग 58 रुड़की हरिद्वार पर स्थित कोर विश्वविद्यालय में मूलभूत विज्ञान मे आधुनिक प्रवृति विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। जिसके मुख्य अतिथि यूजीसी एचआरडीसी निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे, विशिष्ट अतिथि प्रति कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय श्री श्रेयांश जैन, कार्यकारी निदेशक श्रीमती चारू जैन, कोर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर मनीष माथुर, प्रवेश विभाग के निदेशक डॉ देवेंद्र कुमार रहे। कार्यक्रम का संचालन कम्युनिकेशन विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ रश्मि गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में सेमिनार के समन्वयक डीन छात्र कल्याण डॉ बांके सिंह ने सभी अतिथियों एवं विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए सेमिनार की महत्ता पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया इस सेमिनार का उद्देश्य शिक्षकों छात्र-छात्राओं को मूलभूत विज्ञान मे आधुनिक प्रवृत्तियो को विस्तार से अवगत कराना है, जिसे समझ कर छात्र-छात्राएं समाज कल्याण के लिए उपयोगी तकनीकी विकसित कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान के मूलभूत तत्वों को गहराई से समझने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्री श्रेयांश जैन ने छात्रों को संबोधित करते हुए बुनियादी विज्ञान के बारे में बताया और साथ ही उन्होंने बेसिक साइंसेज और फंडामेंटल साइंसेज के विभिन्न आयामों को बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो राजेश कुमार दुबे ने अपने व्याख्यान इप्रोमाईजिंग इकोसिस्टम आफ एच ई आई पर बोलते हुए ज्ञान प्रज्ञान व विज्ञान को विस्तार से बताया । इसके साथ साथ उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों के विभिन्न शोध व उनके विभिन्न आयामों के बारे में चर्चा करते हुए विज्ञान व आत्मा गॉड पार्टिकल ताम्रपत्र व भोजपत्र के फ्लॉपी, पेनड्राइव, क्लाउड स्टोरेज के परिवर्तन युग के बारे में विस्तार से चर्चा की इसके साथ ही उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सेमिनार की अन्य वक्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से आई प्रो दविंदर कौर वालिया ने अपने व्याख्यान में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिकल सिस्टम के महत्व इसके कार्य विधि के साथ-साथ विभिन्न अनुप्रयोगों को विस्तृत रूप में समझाया। सेमिनार व्याख्यान की अगले चरण के व्याख्यान में कोर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो एसपी पांडे ने ग्रीन केमेस्ट्री और ग्रीन एनर्जी के ऊपर विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ भविष्य की संभावनाओं पर विकसित किए गए मॉडल्स को भी छात्रों के सम्मुख रखा। उन्होंने बताया कि आज पूरा विश्व अल्टरनेटिव एनर्जी सोर्सेस पर काम कर रहा है जिसके अंतर्गत भारत भी अग्रणीय देशों की सूची में है। सेमिनार के अंतिम व्याख्यान में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त गणित और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग, सहारनपुर कैंपस, आईआईटी रुड़की डॉ मिली पंत, ने मशीन लर्निंग में अनुकूलन एल्गोरिदम विषय पर अपने अमूल्य विचार रखे उन्होंने छात्र-छात्राओं को मशीन लर्निंग पर आज के युग में प्रयोग हो रही आधुनिकतम तकनीकों को बड़े रुचि पूर्ण ढंग से बताया। सेमिनार के प्रथम दिवस के अंत में डीन बेसिक साइंसेज प्रोफेसर डॉ वी गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों, विषय विशेषज्ञों एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अपना अपना दायित्व निभा रहे सभी छात्रों शिक्षकों डीन शैक्षणिक डॉ कमल कपूर, डॉ आदित्य चौहान, डॉ सुमैया प्रवीन, डॉ दीप गुप्ता, डॉ मोहित गुप्ता डॉ अमरनाथ, डॉ पशुपति नाथ, डॉ अरुणा तोमर, डॉ रेनू चौधरी कर्मचारियों राजकुमार, संजय कुमार, राकेश कुमार आदि के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया।

Date: 8.4.23 News Paper: Bhaskar Samachar Seva News Received By: Dr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय में किया गया दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ

बुनियादी विज्ञान के बारे में छात्रों को किया जागरूक

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कोर विश्वविद्यालय में मूलभूत विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्ति विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। जिसके मुख्य अतिथि यूजीसी एचआरडीसी निदेशक प्रोफेसर राजेश कुमार दुबे, विशिष्ट अतिथि प्रति कुलाधिपति कोर विश्वविद्यालय श्रेयांश जैन, कार्यकारी निदेशक चारू जैन, कोर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉक्टर मनीष माथुर, प्रवेश विभाग के निदेशक डॉ देवेंद्र कुमार रहे।

कार्यक्रम का संचालन कम्युनिकेशन विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ रश्मि गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में सेमिनार के समन्वयक डीन छात्र कल्याण डॉ वीके सिंह ने सभी

सेमिनार का शुभारंभ करते कोर विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

अतिथियों एवं विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए सेमिनार की महत्ता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि श्रेयांश जैन ने छात्रों को संबोधित करते हुए बुनियादी विज्ञान के बारे में बताया और साथ ही उन्होंने बेसिक साइंसेज और फंडामेंटल साइंसेज के विभिन्न आयामों को बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो राजेश कुमार दुबे ने अपने व्याख्यान इप्रोमाइजिंग इकोसिस्टम आफ एच ई आई पर बोलते हुए ज्ञान प्रज्ञान व विज्ञान को विस्तार से बताया। सेमिनार की अन्य वक्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से आई प्रो दविंदर कौर वालिया ने अपने व्याख्यान में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिकल सिस्टम के महत्व इसके कार्य विधि के साथ-साथ विभिन्न अनुप्रयोगों को विस्तृत रूप में समझाया। सेमिनार के अंतिम व्याख्यान में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त गणित और वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग, सहारनपुर कैंपस, आईआईटी रुड़की डॉ मिली पंत ने मशीन लर्निंग में अनुकूलन एल्गोरिदम विषय पर अपने अमूल्य विचार रखें। सेमिनार के प्रथम दिवस के अंत में डीन बेसिक साइंसेज प्रोफेसर डॉबी गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों, विषय विशेषज्ञो एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से अपना अपना दायित्व निभा रहे सभी छात्रों शिक्षकों डीन शैक्षणिक डॉ कमल कपूर, डॉ आदित्य चौहान, डॉ दीप गुप्ता, डॉ मोहित गुप्ता डॉ अमरनाथ, डॉ पाशुपति नाथ, डॉ अरुणा तोमर, डॉ रेनू चौधरी, राजकुमार, संजय कुमार, राकेश कुमार आदि के प्रति आभार व्यक्त किया।

Date: 8.4.23 News Paper: Amar Ujala (My City) News Page No. 04 (My City)

समाज कल्याण की उपयोगी तकनीक विकसित करें

हरिद्वार। कोर विश्वविद्यालय में मूलभूत विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्ति विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ हो गया। मुख्य अतिथि प्रो. राजेश कुमार दुबे ने भारतीय वैज्ञानिकों के विभिन्न शोध व उनके विभिन्न आयामों जैसे विज्ञान, पार्टिकल ताम्रपत्र व भोजपत्र के फ्लॉपी, पेनड्राइव, क्लाउड स्टोरेज के परिवर्तन युग के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नई शिक्षा नीति के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। सेमिनार के समन्वयक डीन छात्र कल्याण डा. वीके सिंह ने कहा कि समाज कल्याण के उपयोगी तकनीकी विकसित कर सकें इसलिए सेमिनार आयोजित हुआ। इस मौके पर श्रेयांश जैन, प्रति कुलपति प्रो. एसपी पांडे, प्रो. डीबी गुप्ता, डॉ. कमल कपूर आदि रहे। संवाद

Date: 8.4.23 News Paper: Hindustan News Page No. 06

मूलभूत विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्ति की जानकारी दी

हरिद्वार में कोर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

हरिद्वार,संवाददाता। कोर विवि में सेमिनार में छात्रों को मूलभूत विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियों के बारे में बताया गया।

मुख्य अतिथि यूजीसी एचआरडीसी निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे, प्रति कुलाधिपति श्रेयांश जैन, कार्यकारी निदेशक चारू जैन, कुलसचिव डॉ. मनीष माथुर, डॉ देवेंद्र कुमार ने शुभारंभ किया। संचालन डॉ. रश्मि गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि ने ज्ञान-विज्ञान के बारे में बताया। श्रेयांश जैन ने बुनियादी विज्ञान की जानकारी दी। आईआईटी की प्रो. दविंदर कौर वालिया ने माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स के महत्व, कार्य विधि और उपयोग की जानकारी दी। प्रो एसपी पांडे ने ग्रीन केमेस्ट्री और ग्रीन एनर्जी और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताया। इस मौके पर आईआईटी की डॉ. मिली पंत, डीबी गुप्ता, डॉ. कमल कपूर, आदित्य चौहान, सुमैया, दीप गुप्ता, मोहित गुप्ता, अमरनाथ, पशुपति नाथ, अरुणा तोमर, रेनू, राजकुमार, संजय आदि मौजूद रहे।

Date:7.4.23 Newspaper:Hindustan News Page No. 05

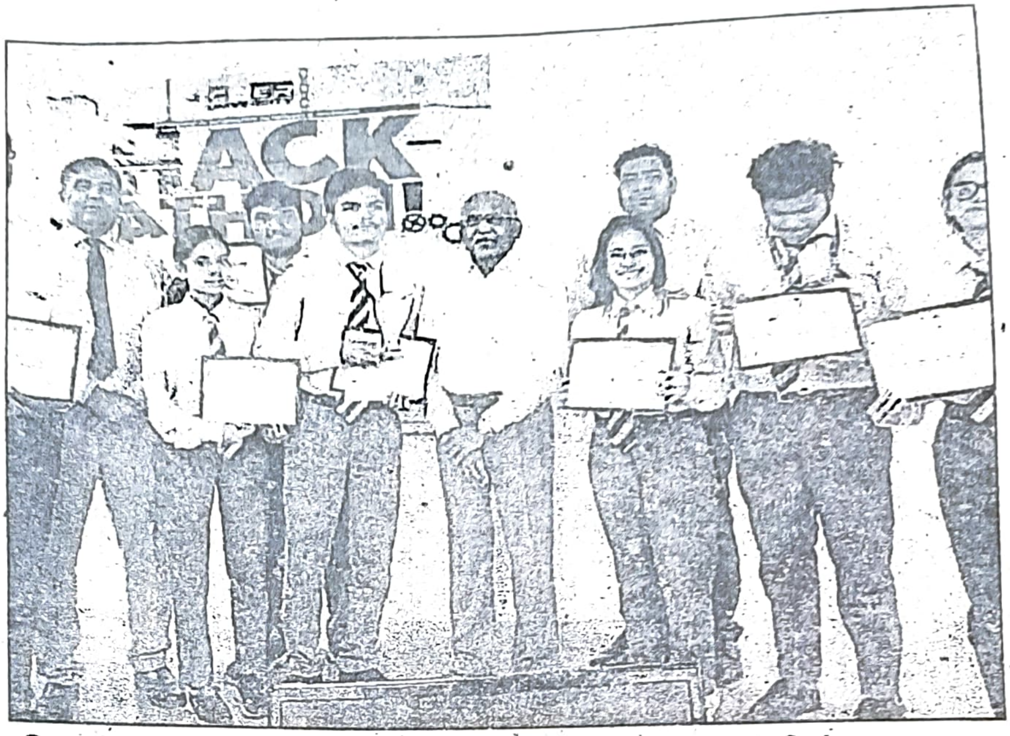

हरिद्वार में गुरुवार को कोर में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों के साथ जेसी जैन। • हिन्दुस्तान

कोर विश्वविद्यालय में हैकाथॉन का आयोजन

हरिद्वार,संवाददाता। छात्रों के कौशल और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर काम करने के लिए कोर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय हैकाथॉन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को हैकथॉन के लिए थीम के रूप में तैयार किया गया था। जिसमें स्वास्थ्य देखभाल, स्मार्ट कृषि, स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा, ब्लॉक और साइबर सुरक्षा और आपदा प्रबंधन शामिल थे। कार्यक्रम में 12 टीम ने भाग लिया। जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 84 छात्र शामिल हैं। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. रोहित कनौजिया मौजूद रहे।

Date:6.4.23 Newspaper: Bindas Aksh News Received By : Mr. Ravinder saini

कोर विश्वविद्यालय ने 5 और 6 अप्रैल 2023 को दो दिवसीय हैकाथॉन का आयोजन किया

बिंदास अक्स संवाददाता
सनत शर्मा

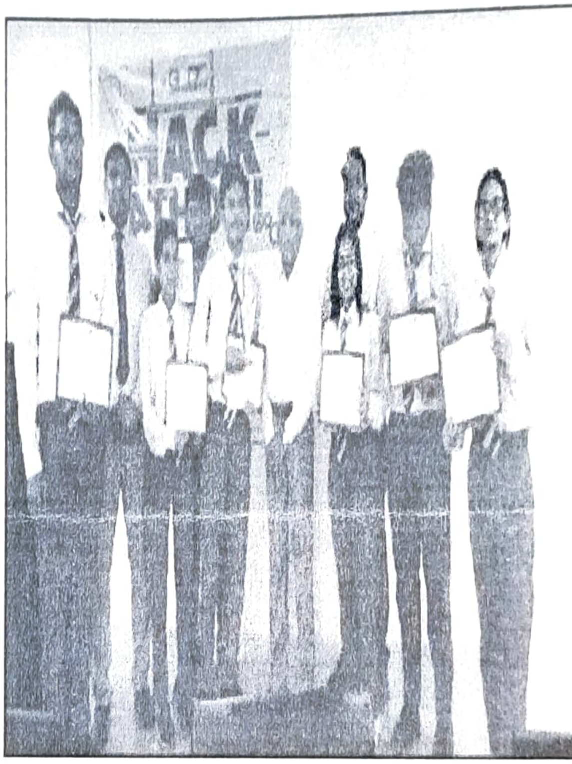

सिडकुल बहादराबाद
सहयोगी और प्रतिस्पर्धी माहौल में छात्रों के कौशल और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर काम करने के लिए, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कोएर विश्वविद्यालय ने 5 और 6 अप्रैल 2023 को कंप्यूटिंग ब्लॉक में दो दिवसीय हैकाथॉन का आयोजन किया। हैकथॉन को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसमें प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान विकसित करने का कार्य दिया गया था। मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए सलाहकारों और विशेषज्ञों के साथ टीमों ने दो दिनों तक अथक परिश्रम कियाइस कार्यक्रम को हैकथॉन के लिए थीम के रूप में तैयार किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल, स्मार्ट कृषि, स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नवीकरणीय/सस्टेनेबल ऊर्जा, ब्लॉक और साइबर सुरक्षा और आपदा प्रबंधन शामिल थे। इस कार्यक्रम में 12 टीम ने भाग लिया जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के 84 छात्र शामिल हैंहैकथॉन की शुरुआत 5 अप्रैल 2023 को हुई थी, जिसमें टीमों ने अपने समाधान विकसित करना जारी रखा, अपने प्रोटोटाइप को परिष्कृत किया और जजों के एक पैनल के सामने अपने विचार प्रस्तुत करने की तैयारी की। प्रस्तुतियां प्रभावशाली थीं, प्रत्येक टीम ने न्यायाधीशों और दर्शकों के लिए अपने अभिनव समाधान प्रदर्शित किएसमापन समारोह 6 अप्रैल 2023 को कम्प्यूटिंग ब्लॉक में आयोजित किया गया था। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. रोहित कनौजिया ने अपने उद्घाटन भाषण में सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए, उन्होंने वर्तमान और भविष्य के पहलुओं के साथ विभाग में अपनाई जाने वाली प्रथाओं और रणनीतियों का वर्णन किया। उन्होंने चल रही परियोजनाओं और देश के नवोन्मेषी विचारों वाले युवाओं की प्रतिभा का अवलोकन किया, साथ ही दो दिवसीय हैकथॉन के बारे में विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत कीसीओईआर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.एम. सिंह ने हैकाथॉन के मुख्य उद्देश्यों और इसकी आवश्यकता को साझा किया। इसके अलावा उन्होंने हैकाथॉन आयोजित करने के लिए विभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने छात्रों को उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं और छात्रों द्वारा सामने रखे गए समाधानों का सकारात्मक चर्चा और समाज पर प्रभाव पड़ा। उन्होंने सर्वशक्तिमान से सभी को आशीर्वाद देने की प्रार्थना करते हुए समापन किया।श्री जे.सी. जैन। सीओईआर यूनिवर्सिटी के चांसलर ने अपने संबोधन में आयोजन के मुख्य उद्देश्य के बारे में जोर दिया, जो उन छात्रों के लिए एक मंच प्रदान करना है जो राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने व्यक्त किया कि कैसे हैकथॉन के क्षेत्र में मानव समाज में काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा नवाचार और उद्यमिता की दिशा में किए गए प्रयासों को संबोधित कियाउन्होंने आयोजन की सफलता की कामना की और इस तरह के मूल्य वर्धित कार्यक्रम के लिए और कई सरकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदार होने के लिए आयोजन टीम को बधाई दीसुश्री सौम्या उपाध्याय ने समारोह में उपस्थित अतिथियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने इस आयोजन के लिए फैकल्टी और छात्र टीम को बधाई दी और बधाई दीनिर्णायक मंडल ने परियोजनाओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद निम्नलिखित विजेताओं का चयन किया:विजेता टीम का नाम : "हेल्थ टेक"द्वितीय विजेता टीम का नाम: "फिटनेस गतिविधि मान्यता"तीसरा स्थान टीम का नाम : "मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक वेबसाइट"यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी, प्रतिभागियों को सीखने, नेटवर्क बनाने और सीखने का अवसर प्रदान करता हैकुल मिलाकर, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का हैकथॉन एक शानदार पहल थी, जो आईटी के क्षेत्र में नवाचार, सहयोग और रचनात्मकता के लिए एक मंच प्रदान करता है।

Date:15.3.23 NewsPaper: Bhaskar Samachar Seva News online received by: Mr. Ravinder Saini

5 Mar 2023

कोर में दो दिवसीय बूट कैंप का आयोजन

• विशेषज्ञों ने स्टार्टअप पर साझा किए अपने अनुभव

भास्कर समाचार सेवा

रुड़की। कॉलेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की, (कोर) विश्वविद्यालय में दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन आईआईएम काशीपुर व उद्योग निदेशालय उत्तराखंड सरकार के सहयोग से आयोजित हुआ। स्टार्टअप बूट कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि कोर विश्वविद्यालय के प्रो वाइसचांसलर प्रो. एसपी पांडे एवं आईआईएम काशीपुर के प्रोफेसर डीके पाठक ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्य अतिथि प्रो. एसपी पांडे ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को स्टार्टअप की महत्ता को विस्तारपूर्वक समझाया। आइआइएम काशीपुर के मैनेजर रामकुमार ने उत्तराखंड सरकार द्वारा विभिन्न स्टार्टअप योजनाओं के बारे में जानकारी दी। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. बीएम सिंह ने इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विद्यार्थियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगारों के सृजन के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर निखिल पंवार, फार्मिकान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी स्टार्टअप यात्रा से विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। आइआइएम काशीपुर के प्रो. डीके पाठक ने विद्यार्थियों को विभिन्न स्टार्टअप विचारों के क्रियान्वयन की रूपरेखा को साझा किया। वरुण तिवारी हेडस्टार्ट देहरादून ने विद्यार्थियों को नये विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने के तरीकों से अवगत कराया। इस अवसर पर आइआइएम काशीपुर के प्रो. कमल कपूर, प्रो. डीवी गुप्ता आदि थे।

बूट कैंप के दौरान कोर के छात्रों के साथ प्रोफेसर।

Date:15.3.23	Newspaper: Saha Times	News online received by: Mr. Ravinder Saini

कालेज आफ इंजीनियरिंग रूड़की, कोर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

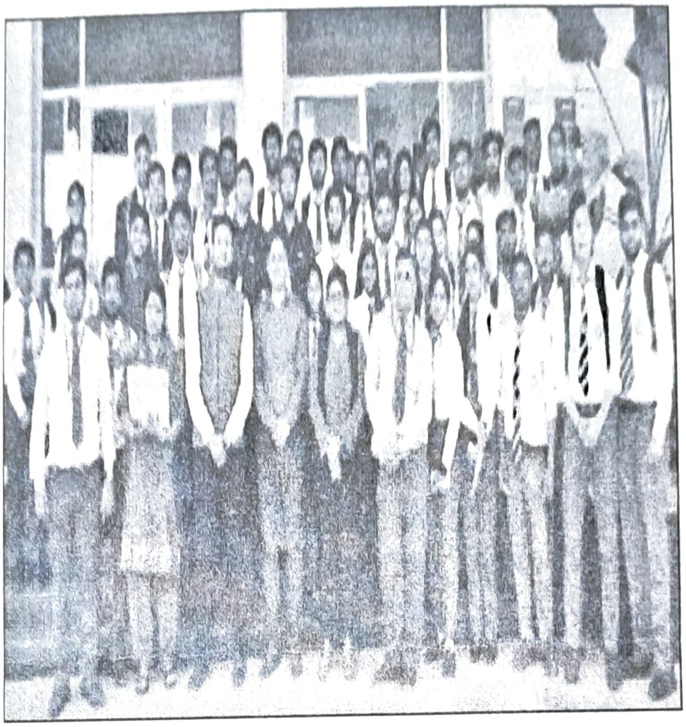

बहादराबाद। इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर, कालेज आफ इंजीनियरिंग रूड़की, कोर विश्वविद्यालय और आई.आई.एम. काशीपुर के सहयोग से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं जानकारी दी कि वे नए उद्यम व उद्योग किस प्रकार शुरू कर सकती हैं। इन्हें शुरू करने में राज्य सरकार की बहुउद्देशीय योजनाएं मील का पत्थर साबित हो सकती हैं।

कोर विश्वविद्यालय परिसर में उत्तराखण्ड स्टार्टअप, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रायोजित बूट कैम्प का उद्घाटन मुख्य अतिथि कोर विश्वविद्यालय के प्रो. वाईस चांसलर प्रोफेसर एसपी पांडेय एवं आई. आई.एम. काशीपुर के प्रोफेसर डीके पाठक ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर एसपी पांडेय अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को स्टार्टअप की महत्तवता को विस्तारपूर्वक समझाया। राम कुमार मैनेजर, एफ.आई.ई.डी., आई.आई.एम. काशीपुर ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विभिन्न स्टार्टअप योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नये स्टार्टअप अवसरों को खोजने और उन पर कार्य करने लिए पहल करनी होगी। बाजार की वर्तमान मांग के अनुरूप राज्य सरकार की कई योजनाएं प्रचलित हैं। युवा उन योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार के स्वर्णिम अवसरों पर काम कर सकते हैं।

ग्रुप डायरेक्टर डा. बीएम सिंह ने सभी छात्रों ने उत्तराखण्ड सरकार और आई.आई.एम. काशीपुर के सहयोग को सराहनीय कदम बताया और विद्यार्थियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगारों के सृजन के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर निखिल पंवार, फार्मिकान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी स्टार्टअप यात्रा से विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. डीके पाठक, आइ.आइ.एम. काशीपुर ने विद्यार्थियों को विभिन्न स्टार्टअप विचारों के क्रियान्वयन की रूपरेखा को साझा किया। वरुण तिवारी हेडस्टार्ट देहरादून ने विद्यार्थियों को नये विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने के तरीकों से अवगत कराया। विला ओ टेल के श्री सोमिल ने अपनी स्टार्टअप जर्नी के अनुभवों को साझा किया एवं पल्लवी गुप्ता जनरल मैनेजर, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड सरकार ने छात्रों द्वारा बूट कैंप में उत्साह पूर्वक भाग लेने पर हर्ष व्यक्त किया। कोर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीमती चारु जैन के मार्गदर्शन में सफल बूट कैंप आयोजित करने पर कोर मैनेजमेंट ने हर्ष व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के सी. आई.आई.सी. के प्रोफेसर बी डी पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य था कि स्टार्ट अप कैंप के माध्यम से स्टार्टअप करने वाले छात्र छात्राए मिल सकें, सामुहिक प्रयास से यह उद्देश्य सफल रहा। समन्वयक डा. अरुणा भट ने इस कार्यक्रम में प्रमुख भुमिका निभाई। इस अवसर पर आइ.आइ.एम. काशीपुर के उत्कर्ष, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कमल कपूर, प्रोफेसर डीवी गुप्ता, प्रोफेसर वीरा लक्समी, प्रोफेसर अमित कुमार, संजय कुमार, रजिस्ट्रार सोहन लाल आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

Date: 15.3.23 NewsPaper: Roorkee Badri Vishal News online received by: Mr. Ravinder Saini

कोर विश्वविद्यालय में हुआ दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन

आई.आई.एम. काशीपुर व उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड सरकार के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

रुड़की बद्री विशाल। इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की

कोर विश्वविद्यालय और आई.आई.एम. काशीपुर के सहयोग से दो दिवसीय (13-14 मार्च 2023) स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को जानकारी दी कि वे नए उद्यम व उद्योग किस प्रकार शुरू कर सकते हैं। इन्हें शुरू करने में राज्य सरकार की बहुउद्देशीय योजनाएं मील का पत्थर साबित हो सकती हैं। कोर विश्वविद्यालय परिसर में उत्तराखण्ड स्टार्टअप, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रायोजित बूट कैम्प का उद्घाटन मुख्य अतिथि कोर विश्वविद्यालय के प्रो. वाईस चांसलर प्रोफेसर एसपी पांडेय एवं आई.आई.एम. काशीपुर के प्रोफेसर डीके पाठक ने संयुक्त रुप से किया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर एसपी पांडेय ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप की महत्तवता को विस्तारपूर्वक समझाया। राम कुमार मैनेजर एफ. आई.ई.डी., आई.आई.एम. काशीपुर ने उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विभिन्न स्टार्टअप योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नये स्टार्टअप अवसरों को खोजने और उन पर कार्य करने लिए पहल करनी होगी। बाजार की वर्तमान मांग के अनुरूप राज्य सरकार की कई योजनाएं प्रचलित हैं। युवा उन योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार के स्वर्णिम अवसरों पर काम कर सकते हैं। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. बीएम सिंह व सभी छात्रों ने उत्तराखण्ड सरकार और आई.आई.एम. काशीपुर के सहयोग को सराहनीय कदम बताया और विद्यार्थियों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगारों के सृजन के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर निखिल पंवार फार्मिकान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी स्टार्टअप यात्रा से विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. डीके पाठक आई.आई.एम. काशीपुर ने विद्यार्थियों को विभिन्न स्टार्टअप विचारों के क्रियान्वयन की रुपरेखा को साझा किया। वरुण तिवारी हेडस्टार्ट देहरादून ने विद्यार्थियों को नये विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने के तरीकों से अवगत कराया। विला ओ टेल के सोमिल ने अपनी स्टार्टअप जर्नी के अनुभवों को साझा किया एवं पल्लवी गुप्ता जनरल मैनेजर उद्योग निदेशालय ने छात्रों द्वारा बूट कैंप में उत्साह पूर्वक भाग लेने पर हर्ष व्यक्त किया। कोर की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीमती चारु जैन के मार्गदर्शन में सफल बूट कैंप आयोजित करने पर कोर मैनेजमेंट ने हर्ष व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के सी.आई.आई.सी. के प्रोफेसर बीडी पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य था कि स्टार्ट अप कैंप के माध्यम से स्टार्टअप करने वाले छात्र-छात्राएं मिल सकें, सामुहिक प्रयास से यह उद्देश्य सफल रहा। समन्वयक डॉ. अरुणा भट ने इस कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका निभाई। इस अवसर पर आई.आई.एम. काशीपुर के उत्कर्ष, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कमल कपूर, प्रोफेसर डीवी गुप्ता, प्रोफेसर वीरा लक्ष्मी, प्रोफेसर अमित कुमार, संजय कुमार, रजिस्ट्रार सोहन लाल आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

Date: 15.3.23 Newspaper: Amar Ujala (My City) News Page No.3 (My City)

विशेषज्ञों ने छात्रों को उद्योग लगाने के टिप्स बताए

हरिद्वार। इंक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की, कोर विवि और आईआईएम काशीपुर के सहयोग से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप में विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को नए उद्यम लगाने के टिप्स दिए।

मंगलवार को विवि परिसर में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ वाइस चांसलर प्रो. एसपी पांडेय, आईआईएम के प्रोफेसर डीके पाठक ने किया। एसपी पांडेय ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप की महत्ता को समझाया। मैनेजर रामकुमार ने प्रदेश सरकार की कई स्टार्टअप योजनाओं की जानकारी दी। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. बीएम सिंह ने स्टार्टअप से स्वरोजगारों के सृजन के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर निखिल पंवार, प्रो. डीके पाठक, वरुण तिवारी, पल्लवी गुप्ता, चारू जैन, बीडी पटेल, डॉ. अरुणा भट्ट, उत्कर्ष, कमल कपूर मौजूद थे। संवाद

Date:15.3.23 NewsPaper: Rashtiya Sahara News Page No.4

नए स्टार्टअप पर कार्य करने लिए करें पहल

कोर विवि में स्टार्टअप बूट कैंप आयोजित

रुड़की। इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर कालेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की व आईआईएम काशीपुर के सहयोग से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने छात्रों नए उद्यम शुरू करने की जानदारी दी।

कोर विवि परिसर में उत्तराखंड स्टार्टअप, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रायोजित बूट कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि कोर विवि के प्रो. वाईस चांसलर प्रोफेसर एसपी पांडेय एव आईआईएम काशीपुर के प्रोफेसर डीके पाठक ने किया। प्रोफेसर एसपी पांडेय छात्रों को स्टार्टअप की महत्तवता को विस्तारपूर्वक समझाया। राम कुमार मैनेजर, एफआईईडी, आईआईएम काशीपुर ने विभिन्न स्टार्टअप योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नये स्टार्टअप अवसरों को खोजने और उन पर कार्य करने लिए पहल करनी होगी। बाजार की वर्तमान मांग के अनुरूप राज्य सरकार की कई योजनाएं प्रचलित हैं। युवा उन योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार के स्वर्णिम अवसरों पर काम कर सकते हैं। ग्रुप डायरेक्टर डा. बीएम सिंह ने सभी छात्रों ने उत्तराखंड सरकार और आईआईएम काशीपुर के सहयोग को सराहनीय कदम बताया और छात्रों को स्टार्टअप के माध्यम से स्वरोजगारों के सृजन के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर निखिल पंवार, फार्मिकान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी स्टार्टअप यात्रा से विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. डीके पाठक, आइआइएम काशीपुर ने छात्रों को विभिन्न स्टार्टअप विचारों के क्रियान्वयन की रूपरेखा को साझा किया। विवि के सीआईआईसी के प्रोफेसर बीडी पटेल नें धन्यवाद ज्ञापन दिया। समन्वयक डा. अरुणा भट ने कार्यक्रम में प्रमुख भुमिका निभाई। इस मौके पर आइआइएम काशीपुर के उत्कर्ष, विश्वविद्यालय के प्रो. कमल कपूर, प्रोफेसर डीवी गुप्ता, प्रोफेसर वीरा लक्समी, प्रोफेसर अमित कुमार, संजय कुमार, रजिस्ट्रार सोहन लाल आदि मौजूद रहे।

हरिद्वार में मंगलवार को कोर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

नये स्टार्टअप अवसरों को तलाशें

हरिद्वार। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रूड़की और आईआईएम काशीपुर के सहयोग से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैंप का आयोजन किया गया है। वाईस चांसलर प्रो. एसपी पांडेय ने कहा कि छात्रों को नये स्टार्टअप अवसरों को खोजने और उन पर कार्य करने लिए पहल करनी होगी। उन्होंने कहा कि बाजार की वर्तमान मांग के अनुरूप राज्य सरकार की कई योजनाएं प्रचलित हैं। युवा उन योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार के स्वर्णिम अवसरों पर काम कर सकते हैं। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. बीएम सिंह आदि मौजूद रहे।

Date: 4.3.23 Newspaper: Bhaskar Samachar Seva News Received By : Mr. Ravinder Saini Sir

महिलाओं को सशक्त बनाने को हैं प्रतिबद्धः जैन

- उत्साह और जोश के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

भास्कर समाचार सेवा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं।

रुड़की। विश्वविद्यालय ने उत्साह और जोश के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों में भाग लिया।

समारोह की शुरुआत यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक चारू जैन के स्वागत भाषण से हुई। इस आयोजन की मुख्य अतिथि पद्म डॉ माधुरी बर्थवाल, (नारी शक्ति पुरस्कार द्वारा सम्मानित), उत्तराखंड, भारत की लोक गायिका थीं। वह ऑल इंडिया रेडियो में संगीतकार बनने वाली पहली महिला हैं। उन्होंने अपने जीवन की यात्रा को साझा किया है और लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती देने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता के बारे में बात की है। इस कार्यक्रम में डॉ माधुरी बर्थवाल की ओर से मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन भी दिखाया गया। इस अवसर पर मनीषा जग्गा, सामाजिक कार्यकर्ता, पूनम राणा, पूनम श्रीवास्तव, प्रिंसिपल डीपीएस दौलतपुर, पूनम चंद्रा, प्रिंसिपल, चंद्र शेखर पब्लिक स्कूल, रुड़की, चंद्रप्रभा गुलेरिया, प्रिंसिपल, आर्य कन्या इस अवसर पर इंटर कॉलेज, रुड़की उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ मृदुला व सौम्या उपाध्याय ने किया। समारोह में डॉ गुंजन अग्रवाल, अनुराधा, हर्षिता चौधरी आदि मौजूद थे। वकालत और जागरूकता बढ़ाने की पहल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

Date: 4.3.23 News Received By: Mr. Ravinder Saini Sir

महिलाओं को कोर विश्वविद्यालय ने किया सम्मानित

रुड़की, 3 मार्च (अनिल): कोर विश्वविद्यालय ने बड़े उत्साह और जोश के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के सदस्यों ने भाग लिया, जिन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लिया। समारोह की शुरुआत कोर यूनिवर्सिटी की कार्यकारी निदेशक शचारू जैन के स्वागत भाषण से हुई। आयोजन की मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ माधुरी बर्थवाल ने लैंगिक रूढ़ियों को चुनौती देने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता बात की। कार्यक्रम में मनीषा जग्गा, सामाजिक कार्यकर्ता, पूनम राणा, प्रिंसिपल, जीजीआईसी, ज्वालापुर पूनम श्रीवास्तव, प्रिंसिपल डीपीएस दौलतपुर पूनम चंद्रा, चंद्र शेखर पब्लिक स्कूल, रुड़की, चंद्रप्रभा गुलेरिया, प्रिंसिपल, आर्य कन्या आदि मौजूद रहे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि।

Date : 3.2.23 Newspaper:Badri Vishal News Reicived By: Ravinder Saini sir

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कोर कॉलेज में कार्यशाला आयोजित

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र देहरादून के तत्वाधान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यशाला अनुसंधान पद्धति

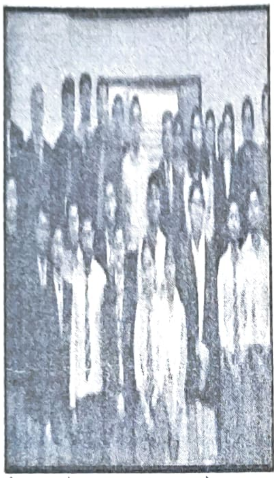

रुड़की बद्री विशाल। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी), (उत्तराखंड सरकारऱ के तत्वाधान में सूचना प्रौद्योगिकी और डीओईवाई विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज रुड़की ने आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के अवसर पर एक कार्यशाला अनुसंधान पद्धति का आयोजन किया। कार्यशाला छात्रों के लिए अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव विकास पर जोर देती है।

सत्र की शुरुआत एक संक्षिप्त सिंहावलोकन वीडियो के साथ हुई, जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी) देहरादून के योगदान को प्रदर्शित किया गया। उद्घाटन भाषण डॉ. रोहित कनौजिया प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी विभाग कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की द्वारा दिया गया, जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व को प्रस्तुत किया गया। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय उपलब्धि और विज्ञान की दुनिया में उनके योगदान की शुरुआत की। क्योंकि यह दिन एक विशेष महत्व रखता है जो सर सी. वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज का प्रतीक है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी में नोडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की यात्रा के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसके अलावा, उन्होंने सभी छात्रों को अनुसंधान और विकास में उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि राष्ट्र के विकास के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। डॉ. वीके सिंह डीन स्टूडेंट वेलफेयर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की ने अपने संबोधन में हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व और वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार में समर्थन और प्रोत्साहन के लिए निरंतरता की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने महान वैज्ञानिकों की उपलब्धियों के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए और सभी के लिए एक बेहतर और समृद्ध भविष्य बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने छात्रों के बीच अनुसंधान की संस्कृति के उत्थान के महत्व पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र का संचालन डॉ. मयंक अग्रवाल विभागाध्यक्ष कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से छात्रों के लिए अनुसंधान विकास प्रक्रिया के महत्व और अनुसंधान के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने एक अच्छी शोध परियोजना और संबंधित प्रमुख घटकों को विकसित करने के चरणों की गणना की और संक्षेप में चर्चा की। उन्होंने अच्छा स्रोत भी सूचीबद्ध किया और नौकरी प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। डॉ. मयंक ने एक नैतिक शोध करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने मुद्दों को संबोधित करने, उन्हें अपनी सेवा/उत्पाद में मैप करने और फिर उस शोध को व्यावहारिक रूप से अपने डोमेन में लागू करने में सक्षम होने पर भी जोर दिया।

आधिकारिक धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. मृदुला, प्रमुख, आईक्यूएसी, इंजीनियरिंग कॉलेज, रुड़की द्वारा प्रस्तुत किया गया, प्रो. डॉ. अनीता रावत, निदेशक यूएसईआरसी द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के शुभ अवसर पर कार्यशाला के आयोजन में उनके उदार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया। सत्र के संचालन के लिए संसाधन व्यक्ति और उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए छात्रों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की आयोजन टीम को भी बधाई दी।

Date:1.2.23 Newspaper: Badri Vishal News Received By: Ravinder Saini Sir

यूईटीआर रुड़की में हुआ दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी रुड़की के रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेल के तत्वाधान में 'इमर्जिंग टैक्नोलॉजीज एंड बिजनेस

इंटेलीजेंस (ई.टी.बी.आई. 2023)' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, पोलैंड के साथ संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि व्रोकला यूनिवर्सिटी के ऑपरेशनस रिसर्च व बिजनेस इंटेलिजेंस विभाग के प्रो. रफाल वेरोन रहे व मुख्य वक्ता के तौर पर व्रोकला यूनिवर्सिटी के प्रो. कटेरजिना वेरोन, प्रो. एना कोवालस्का पायजलस्का, डॉ. दिमित्रियोस सार्टिरियोस व डॉ. यश चावला व आई.आई.टी. रुड़की के शोधकर्ताओं डॉ. मनु कुमार गुप्ता एवं डॉ. तरूण शर्मा ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में व्रोकला यूनिवर्सिटी व आई.आई.टी. रुड़की से आये सभी अतिथियों एवं यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी रुड़की के कुलपति डॉ. एस. पी. गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर संस्थान के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. एस.पी. पाण्डेय, डॉ. विवेक जगलान, डॉ. वी.के. सिंह, डॉ. डी.वी. गुप्ता, डॉ. कमल कपूर, डॉ. राजेश कुमार उपाध्याय, डॉ. वरलक्ष्मी, डॉ. सुनीता रानी, सोहन लाल व छात्र-छात्रायें मौजूद रहे। सम्मेलन में अतिथियों का स्वागत डॉ. सुनीता रानी द्वारा किया गया। एवं सम्मेलन का पारंपरिक शुभारंभ डॉ. मुनीष सेठी डीन (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) द्वारा व्रोकला यूनिवर्सिटी, पोलैंड के विशेषज्ञों एवं आई.आई.टी. रुड़की के शोधकर्ताओं के संक्षिप्त परिचय के साथ किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.पी. गुप्ता द्वारा संस्थान की उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन में विशेषज्ञों के साथ-साथ संस्थान के सभी गणमान्य अतिथि व भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड इंजीनियरिंग पोलैंड द्वारा ई.टी.बी.आई. श्रृंखला का आयोजन देश के 7 विभिन्न शहरों में भी किया जा चुका है। इस सम्मेलन को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य देश के युवा शोधकर्ताओं को सार्थक और नवीन शोध करने के लिये प्रोत्साहित करना है। यह उद्देश्य भारतीय एवं पोलिश मूल के अनुभवी शोधकर्ताओं के अमूल्य मार्गदर्शन में ही प्राप्त किया जा सकता है। इमर्जिंग टैक्नोलॉजीज एंड बिजनेस इंटेलीजेंस (ई.टी.बी.आई. 2023) सम्मेलन में शोधकर्ताओं ने हालिया तकनीकों पर अपने मूल्यवान विचार साझा किये। अनुभवी शोधकर्ताओं द्वारा दिये गये व्याख्यानों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है।

वायरलैस कम्यूनिकेशन में मल्टीपल एक्सेस स्कीम्स में नये रूझान

उक्त व्याख्यान हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी कानपुर के प्रोफेसर डॉ. मनोज कुमार शुक्ला द्वारा प्रस्तुत किया गया। यह व्याख्यान मुख्य रूप से नेटवर्क पर सूचना प्रकाशित करने के लिये उपयोग किये जा रहे विभिन्न तरीकों पर केंद्रित था। वक्ता द्वारा सटीक जानकारी निकालने के लिये रिसीवर पर संकेतों को अलग करने से संबंधित कई मुद्दों और उनके समाधानों पर प्रकाश डालते हुये अपने व्याख्यान को विराम दिया।

स्मार्ट मीटर और उपभोक्ता व्यवहार

उक्त व्याख्यान व्रोकला यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर एना कोवालस्का पायजलस्का द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में उन रूप-रेखाओं के बारे में जानकारी दी, जो प्रभावी रूप से घरों की ऊर्जा की खपत की निगरानी व खपत को कम करने में मदद करती है।

२०२० में बिजली की कीमतों का पूर्वानुमान

उक्त व्याख्यान व्रोकला यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रफाल वेरोन द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में बिजली की कीमतों के पूर्वानुमान के क्षेत्र में अत्याधुनिक पूर्वानुमान मॉडल की खोज के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने आपूर्ति और मांग के सभी कारकों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की जो कि बाजार में बिजली की कीमतों पर तत्काल प्रभाव डालते है।

भविष्यवक्ता और संकट के समय में सार्वजनिक ज्ञान के परिणाम: कोविड-१९ का मामला

उक्त व्याख्यान व्रोकला यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यश चावला द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में मुख्य रूप से सामूहिक रूप से आपात स्थिति को रोकने के लिये नीति और सामाजिक नेटवर्क प्लेटफार्मों पर फैली गलत सूचना को जटिलता के बारे में श्रोताओं को अवगत कराया।

Date: 1.3.23 **Newspaper: Janvani** **News Received By : Ravinder Saini sir**

कार्यशाला : महान वैज्ञानिकों की उपलब्धियों से प्रेरणा लें छात्र

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी), (उत्तराखंड सरकार) के तत्वाधान में सूचना प्रौद्योगिकी और विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज रुड़की ने 28 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के अवसर पर एक कार्यशाला अनुसंधान पद्धति का आयोजन किया है। कार्यशाला छात्रों के लिए अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव विकास पर जोर देती है।

कार्यक्रम की शुरूआत पूर्वाह्न 11 बजे अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। सत्र की शुरूआत एक संक्षिप्त सिंहावलोकन वीडियो के साथ हुई, जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी), देहरादून के योगदान को प्रदर्शित किया गया।

उद्घाटन भाषण डॉ. रोहित कनौजिया, प्रमुख, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की द्वारा दिया गया, जिसमें राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व को प्रस्तुत किया गया। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों की उल्लेखनीय उपलब्धि और विज्ञान की दुनिया में उनके योगदान की शुरूआत की क्योंकि यह दिन एक विशेष महत्व रखता है जो सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज का प्रतीक है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी में नोडल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास की यात्रा के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसके अलावा, उन्होंने सभी छात्रों को अनुसंधान और विकास में उनके योगदान के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि राष्ट्र के विकास के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

डॉ वी के सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रुड़की ने अपने संबोधन में हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व और वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार में समर्थन और प्रोत्साहन के लिए निरंतरता की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने महान वैज्ञानिकों की उपलब्धियों के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए और सभी के लिए एक बेहतर और समृद्ध भविष्य बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने छात्रों के बीच अनुसंधान की संस्कृति के उत्थान के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र का संचालन डॉ. मयंक अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने विशेष रूप से छात्रों के लिए अनुसंधान विकास प्रक्रिया के महत्व और अनुसंधान के महत्व के बारे में बताया। .उन्होंने एक अच्छी शोध परियोजना और संबंधित प्रमुख घटकों को विकसित करने के चरणों की गणना की और संक्षेप में चर्चा की। उन्होंने अच्छा स्रोत भी सूचीबद्ध किया और नौकरी प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। डॉ. मयंक ने एक नैतिक शोध करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने मुद्दों को संबोधित करने, उन्हें अपनी सेवा/उत्पाद में मैप करने और फिर उस शोध को व्यावहारिक रूप से अपने डोमेन में लागू करने में सक्षम होने पर भी जोर दिया।

आधिकारिक धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. मृदुला, प्रमुख, आईक्यूएसी, इंजीनियरिंग कॉलेज, रुड़की द्वारा प्रस्तुत किया गया, प्रो. डॉ. अनीता रावत, निदेशक यूएसईआरसी द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 के शुभ अवसर पर कार्यशाला के आयोजन में उनके उदार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया गया। सत्र के संचालन के लिए संसाधन व्यक्ति और उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए छात्रों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की आयोजन टीम को भी बधाई दी।

वैज्ञानिक प्रगति से उन्नत बन सकता है जीवन

● जनवाणी संवाददाता, बहादराबाद

भारत के महान वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सीवी रमन की खोज 'रमन इफैक्ट' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले नोबेल वैज्ञानिक सीवी रमन को सम्मान देने के लिए इनकी स्मृति में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। राजकमल साइंस एंड मैनेजमेंट कॉलेज बहादराबाद हरिद्वार में प्रतिभा गिरी जूलॉजी विभागाध्यक्ष व प्रेरणा राजपूत भौतिकी विभागाध्यक्ष के संयुक्त नेतृत्व में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 'वैश्विक कल्याण के लिए वैश्विक विज्ञान' के विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल, पोस्टर व क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभाग किया कार्यक्रम संयोजक प्रतिभा गिरी ने कहा कि छात्र-छात्राओं को जीवन में हमें नित नए वैज्ञानिक प्रयोग करने चाहिए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर डा. आर० डी० कौशिक पूर्व विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, काउंसिल सदस्य, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ प्रतिनिधि, हरिद्वार चैप्टर ने कहा कि विज्ञान विषय के अध्ययन से ज्यादा आवश्यक है वैज्ञानिक सोच विकसित करने की साथ ही संसाधनों के समुचित उपयोग की आदत डालने पर बल दिया छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रति आकर्षित, जागरूकता एवं प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य है प्रोफेसर डा. मुकेश कुमार, वनस्पति विज्ञान एव सूक्ष्म जीव विज्ञान गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार ने कहा कि छात्र-छात्राओं को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मूल उद्देश्य है। राजकमल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राघवेंद्र चौहान ने बताया कि लोगों के दैनिक जीवन में उपयोग में लाए जाने वाले विज्ञान के क्षेत्र में विकास के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर साल लोगों के दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में संदेश फैलाने और मानव कल्याण के लिए विज्ञान के क्षेत्र में सभी गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है। कार्यक्रम में श्रीमती राजेश देवी सचिव राजकमल कॉलेज, तथा महाविद्यालय के प्रबंध समिति सदस्य दुष्यंत प्रताप, नितिन चौहान, व डॉ विपिन शर्मा फार्मेसी विभाग, डा. जसपाल सिंह, डा. रिचा सैनी, संजीव कुमार लांबा गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार कुंवरपाल सिंह, यशपाल सिंह, जयंत चौहान जिला पंचायत सदस्य आदि व प्रवक्तागण, अजब कुमार, विनीत कुमार, आस्था यादव, नैंसी चौहान, वेदांश कौशिक, बृजेश कुमार, अविनाश उपस्थित रहे।

Date: 1.3.23 Newspaper: Amar Ujala (My City) News Page No.4 (My City)

अनुसंधान, नवाचार का प्रयोग जरूरी : कनौजिया

हरिद्वार। इंजीनियरिंग कॉलेज रुड़की में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित कार्यशाला में छात्रों के लिए अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव विकास पर जोर दिया गया। कार्यशाला उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी) देहरादून के तत्वावधान में की गई। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग प्रमुख डॉ. रोहित कनौजिया ने उद्घाटन भाषण में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व की जानकारी दी। स्टूडेंट वेलफेयर के डीन डॉ. वीके सिंह ने कहा, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन की जरूरत है। तकनीकी सत्र का संचालन गुरुकुल कांगड़ी विवि कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. मयंक अग्रवाल ने किया। संवाद

Date: 28.2.23 Newspaper: Badri Vishal (Roorkee) News Received By: Ravinder Saini sir

यूईटीआर कॉलेज में हुआ दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव का समापन

रुड़की बद्री विशाल। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के तत्वाधान में दो दिवसीय रिसर्च कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव के दूसरे दिन व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, पोलैंड के ऑपरेशन रिसर्च फॉर बिजनेस इंटेलिजेंस विभाग के प्रोफेसर रफाल वेरॉन ने शोध के नए-नए आयामों के विषय में विस्तार पूर्वक अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर बोलते हुए व्रोकला यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यस चावला ने शोध और व्यापार एवं शिक्षा के समावेशी कार्य के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि शोध कार्य में कौन-कौन सी चुनौतियां सामने आती है। 2 दिन तक चले कॉन्क्लेव के अंतिम पड़ाव में यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की द्वारा एक राउंड टेबल डिस्कशन का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र केंद्रित प्रशिक्षण कार्य, शोधपरक? शिक्षा व देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय व शोध संस्थाओं में हो रहे शोध कार्य के बारे में चर्चा हुई। कॉन्क्लेव के अंत में मुख्य वक्ता के रुप में बोलते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की के कुलपति डॉ. एसपी गुप्ता ने 2 दिन तक चली, सभी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की योजनाओं पर परिचर्चा की और शोधार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया। शोध संकाय अध्यक्ष डॉ. मनीष सेठी ने सभी विषय विशेषज्ञों, आयोजकों एवं कार्यक्रम सफल बनाने में प्रत्यक्ष व परोक्ष रुप में अपनी भागीदारी निभाने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

Date: 28.2.23
By: Ravinder Saini sir

Newspaper: Badri Vishal (Roorkee) 2

News Received

कोर कॉलेज में एडवांस्ड इण्डस्ट्रियल ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी विषय पर हुआ पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

रुड़की बद्री विशाल। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की द्वारा 20 से 24 फरवरी तक उत्तराखंड साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर देहरादून

के संयुक्त तत्वाधान में एडवांस्ड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को वर्तमान में मेनुफेक्चरिंग इंडस्ट्रीज में उपयोग होने वाली तकनिकी की जानकारी, समय के साथ कैसे वर्तमान तकनीकी को और बेहतर किया जा सकता है एवं छात्रों को कौन-कौन सी स्किल डेवलप करनी चाहिए, जिससे बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध हो, के बारे में बताना था। कार्यशाला में इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन के विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए एवं हैंड्स आन ट्रेनिंग दी गयी। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज कन्नौज के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार शुक्ला ने असेंबली लाइन बैलेंसिंग इन प्रोडक्शन इंडस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रुड़की के प्रो. वाईस चांसलर, प्रोफेसर एसपी पांडेय ने डिजिटल रेवोलुशन ऑफ इंडस्ट्री/एजुकेशन 4.0, मावेरिक एक्सीलेंस, गुरुग्राम के संदीप कुमार ने इण्डस्ट्रियल कंट्रोलर्स के एप्लिकेशन्स, यूपीइएस के डॉ. रोशन कुमार ने हाइड्रोलिक तकनीक, अनिल राज ने स्काडा, अंकित सिंघल ने हाइड्रोलिक तकनीक के प्रेक्टिकल सेशन, नितिन चंद ने नूमेटिक तकनीक के प्रैक्टिकल सेशन, डॉ. गुंजन अग्रवाल ने मैन्युफैक्चरिंग तकनीक, प्रोफेसर अनुराधा ने इलेक्ट्रिक मोटर्स, प्रोफेसर थॉमस मैथ्यू ने ऑटोमोबाइल, प्रोफेसर मोहित संगर ने टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट, प्रोफेसर बीडी पटेल ने सेंसर्स विषय पर व्याख्यान दिए। कार्यशाला के समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गए। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. बीएम सिंह ने सभी छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कार्यशाला के आयोजक बीडी पटेल ने यूसर्क देहरादून की निदेशक प्रो. अनीता रावत का कार्यशाला को प्रायोजित करने हेतु धन्यवाद दिया।

Date:26.2.23	Newspaper: Hindustan	News Page No. 4

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

हरिद्वार। इमरजिंग टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस इंटेलीजेंस विषय पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के तत्वाधान में व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग पौलेंड के साथ संयुक्त रूप से किया गया है।

व्रोकला यूनिवर्सिटी के ऑपरेशनस रिसर्च व बिजनेस इंटेलिजेंस विभाग के प्रोफेसर रफाल वेरान और यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रूड़की के कुलपति डॉ. एसपी गुप्ता ने शुभारंभ किया।

Date : 27.2.23 Newspaper: Rashiya Sahara News Page No. 2

अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव का समापन

रुड़की। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के तत्वावधान में दो दिवसीय रिसर्च कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव के दूसरे दिन व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, पोलैंड के ऑपरेशन रिसर्च फॉर बिजनेस इंटेलिजेंस विभाग के प्रोफेसर रफाल वेरॉन ने शोध के नए-नए आयामों के विषय में विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया।

इस अवसर व्रोकला यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यश चावला ने शोध और व्यापार एवं शिक्षा के समावेशी कार्य के बारे में जानकारी दी। मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की के कुलपति डा. एसपी गुप्ता ने भविष्य की योजनाओं पर परिचर्चा की। शोध संकाय अध्यक्ष डा. मनीष सेठी ने सभी विशेषज्ञों व आयोजकों आभार व्यक्त किया।

Date: 27.2.23	Newspaper: Janvani	News : online by Ravinder saini sir

यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में रिसर्च कॉन्क्लेव

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव का समापन यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के तत्वावधान में दो दिवसीय रिसर्च कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव के दूसरे दिन व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, पोलैंड के ऑपरेशन रिसर्च फॉर बिजनेस इंटेलिजेंस विभाग के प्रोफेसर रफाल वेरॉन ने शोध के नए-नए आयामों के विषय में विस्तार पूर्वक अपना व्याख्यान दिया। इस अवसर पर बोलते

अंतिम पड़ाव में यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की द्वारा एक राउंड टेबल डिस्कशन का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र केंद्रित प्रशिक्षण कार्य, शोधपरक शिक्षा व देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय व शोध संस्थाओं में हो रहे शोध कार्य के बारे में चर्चा हुई। कॉन्क्लेव के अंत में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की के कुलपति डा. एसपी गुप्ता ने 2 दिन तक चली, सभी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की योजनाओं पर परिचर्चा की और शोधार्थियों का उत्साह वर्धन किया। शोध संकाय अध्यक्ष

Date: 27.2.23 | Newspaper : Online By Ravinder Saini sir

शोध के नए आयामों पर विशेषज्ञों ने रखी अपनी-अपनी बात

भविष्य की योजनाओं पर भी हुई चर्चा

रुड़की, 26 फरवरी (अनिल): दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव का समापन यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी के तत्वाधान में दो दिवसीय रिसर्च कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कॉन्क्लेव के दूसरे दिन व्रोकला यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग, पोलैंड के ऑपरेशन रिसर्च फॉर बिजनेस इंटेलिजेंस विभाग के प्रोफेसर रफाल वेरॉन ने शोध के नए-नए आयामों के विषय में विस्तार पूर्वक अपना व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए व्रोकला यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर यस चावला ने शोध और व्यापार एवं शिक्षा के समावेशी कार्य के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि शोध कार्य में कौन-कौन सी चुनौतियां सामने आती है। 2 दिन तक चले कॉन्क्लेव के के अंतिम पड़ाव में यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की द्वारा एक राउंड टेबल डिस्कशन का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य छात्र केंद्रित प्रशिक्षण कार्य, शोधपरक शिक्षा व देश विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालय व शोध संस्थाओं में हो रहे शोध कार्य के बारे में चर्चा हुई।

कॉन्क्लेव के अंत में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी रुड़की के कुलपति डॉ एस पी गुप्ता ने 2 दिन तक चली, सभी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की योजनाओं पर परिचर्चा की और शोधार्थियों का उत्साह वर्धन किया। शोध संकाय अध्यक्ष डॉ मनीष सेठी ने सभी विषय विशेषज्ञो, आयोजकों एवं कार्यक्रम सफल बनाने में प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप में अपनी भागीदारी निभाने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

Date:23.2.23 Newspaper: Amar ujala (My city) News Page No. 1 (My City)

बच्चा बाहर निकलकर आया था। बच्चे

नहीं कर रही है। वहीं, सीसीटीवी कैमरे

बिना हेलमेट पहने बाइक नहीं होगी चालू

दो छात्रों ने विशेष कोड वाला बनाया स्मार्ट हेलमेट

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। नगर के दो बीबीए के छात्रों ने बाइक और स्कूटर पर हेलमेट की अनिवार्यता को देखते हुए एक स्मार्ट हेलमेट बनाया है। हेलमेट की खासियत है कि यह बाइक से एक विशेष कोडिंग से जुड़ा होगा। ऐसे में बिना हेलमेट पहने बाइक या स्कूटर स्टार्ट ही नहीं हो पाएगा।

इसके अलावा भी इस स्मार्ट हेलमेट में कई विशेषताएं हैं। नगर के आदर्शनगर निवासी वंश सैनी और तेजस चौहान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की में बीबीए के छात्र हैं। उन्होंने सिर की पूरी सुरक्षा के लिए एक स्मार्ट हेलमेट बनाया है। यह हेलमेट दोपहिया वाहनों के साथ एक विशेष कोडिंग से जुड़ा होगा। ऐसे में बिना हेलमेट लगाए कोई भी स्कूटर या बाइक स्टार्ट नहीं होगी।

स्मार्ट हेलमेट बनाने वाले छात्र

वंश सैनी।

तेजस चौहान।

अगर रास्ते में चलते हुए बाइक या स्कूटी से हेलमेट गिर जाता है तो वाहन थोड़ी दूर आगे जाकर रुक जाएगा। हेलमेट में तीन संपर्क फोन नंबर अटैच करने की सुविधा भी है। एक नंबर एंबुलेंस, जबकि दो नंबर वाहन चालक किसी भी परिचित का दे सकता है। हादसा होने के बाद अटैच नंबरों पर चालक की लोकेशन चली जाएगी।

पुलिस को चालान काटते देख आया आइडिया

वंश सैनी ने बताया, शुरू से ही उन्हें इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में काम करने का शौक रहा है। घर में भी इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। यहीं से इस काम का शौक लगा। बताया, एक दिन बाजार में जाते समय पुलिस बिना हेलमेट वालों के चालान करते दिखी। बिना हेलमेट वाले दो युवक पुलिस से माफी मांग रहे थे। इसके बाद मन में विचार आया कि ऐसा हेलमेट बनाया जाए जिसे युवक घर से बाहर निकलते हुए चाहकर भी न भूल सकें। बताया, हर दिन तीन से चार घंटे का समय देने के बाद उन्होंने इस हेलमेट को दो सप्ताह में तैयार कर दिया था। एक हेलमेट की लागत करीब 2500 रुपये की आई है। बताया, वह चाहते हैं कि यह तकनीक बाइक में सेट होकर आए। इसके लिए वह प्रयास कर रहे हैं।

Date: 7.2.23 NewsPaper: Badri Vishal News By: Ravindra Saini Sir

कोर में हुआ पांच दिवसीय 'साइबर सुरक्षा' पर फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन

रुड़की बद्री विशाल। आज उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र (यूएसईआरसी) देहरादून के तत्वाधान में सूचना प्रौद्योगिकी

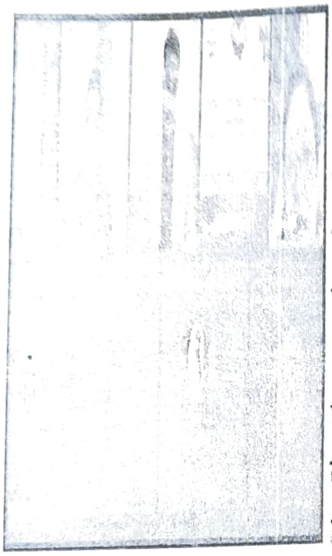

विभाग, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की द्वारा 'साइबर सुरक्षा' पर ऑनलाइन पांच दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई और प्रतिभागियों के बीच छात्र केंद्रित शिक्षण-अध्यापन शिक्षण को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य उन शिक्षकों के लिए था, जो कॉलेजों या विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषयों के विभिन्न विषयों को पढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम के लिए 120 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम का आयोजन समाज में मंडरा रहे सुरक्षा खतरों के बारे में पेशेवरों को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग रुड़की के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. रोहित कन्नौजिया ने कार्यक्रम का अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने आज के परिदृश्य में साइबर सुरक्षा के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। सीओईआर विश्व विद्यालय के समूह निदेशक डॉ. वी.एम. सिंह ने अपने उद्घाटण भाषण में एनालॉग कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी से लेकर आधुनिक आईसीटी आधरित शिक्षण तक प्रतिमान परिवर्तन और वर्तमान दिनों में ऑनलाईन उपकरणों, सोशल नेटवर्किंग साईटों और मूल्यांकन का सुरक्षित रुप से उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया। प्राचार्य ने शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों और बदलते प्रतिमानों से निपटने की जरूरत पर भी जोर दिया। सीओईआर यूनिवर्सिटी के चांसलर जे.सी. जैन ने बताया कि ऑनलाईन लेन-देन लोगों के लिए सुविधजनक और फायदेमंद हैं, लेकिन वे डेटा चोरी, ऑनलाईन लेन-देन, धोखाधड़ी और धोखाधड़ी के घोटालों सहित गंभीर खतरे भी पैदा करते हैं। उन्होंने 5वीं पीढ़ी के अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य का हवाला देते हुए अवधारणा की जानकारी दी। मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनिता रावत ने साइबर सुरक्षा पर इस फैकल्टी डवलपमेंट कार्यक्रम के आयोजन के लिए संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि हम संस्थान द्वारा प्रस्तावित इस कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ने में सक्षम हैं। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर साईबर खतरों का जवाब देने की हमारी क्षमता के और विकास में हमारी सहायता करेगा। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के हितधारकों, जो अपनी विशेषज्ञता और सलाह प्रदान करने में अमूल्य रहे हैं, को स्वीकार नहीं करना उनकी भूल होगी। उद्घाटन सत्र के तीन तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. अजय इण्डियन केंद्रीय राजस्थान विश्व विद्यालय अजमेर, डॉ. अनुराग जैन प्रोफेसर गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्व विद्यालय दिल्ली और डॉ. सोनम गुप्ता, अजय कुमार गर्ग इंजीनियर ने संचालन किया। कॉलेज गाजियाबाद, जिसमें विशेषज्ञों ने क्रमशः साइबर सुरक्षा और डीप लर्निंग एल्गोरिदम वित्तीय धोखाधड़ी का पता लगाने, रोकथाम, प्रमाणीकरण और अभिगम नियंत्रण में प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की। सत्र में डॉ. विवेक जागलान प्रो-वाईस चांसलर, डॉ. वी.के. सिंह डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ. मृदुल प्रमुख आईक्यूएसी, सुश्री साम्या उपाध्याय और राष्ट्रव्यापी संस्थान के 103 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

Date : 7.2.23 NewsPaper: Danik Jagran News Page No.05

सुरक्षा पर मंथन, खतरों से किया आगाह

- डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर हुआ मंथन
- साइबर सुरक्षा के महत्व पर ध्यान किया केंद्रित

जागरण संवाददाता, हरिद्वार: साइबर सुरक्षा पर पांच दिवसीय आनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन कालेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने किया। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र देहरादून के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में कालेजों और विश्वविद्यालयों में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषयों का अध्यापन कराने वाले 129 शिक्षक जुड़े।

कालेज आफ इंजीनियरिंग रुड़की के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डा. रोहित कन्नौजिया ने आज के परिदृश्य में साइबर सुरक्षा के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। समूह निदेशक डा. बीएम सिंह ने एनालाग कंप्यूटर प्रौद्योगिकी से लेकर आधुनिक आइसीटी आधारित शिक्षण तक प्रतिमान परिवर्तन और वर्तमान दिनों में आनलाइन उपकरणों, सोशल नेटवर्किंग साइटों और मूल्यांकन का सुरक्षित रूप से उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया। कोर के चांसलर जेसी जैन ने बताया कि आनलाइन लेनदेन लोगों के लिए सुविधाजनक और फायदेमंद है, लेकिन डेटा चोरी, आनलाइन लेनदेन धोखाधड़ी और धोखाधड़ी के घोटालों सहित गंभीर खतरे भी पैदा हो गए हैं। मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र की निदेशक डा. अनीता रावत ने कहा कि कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर साइबर खतरों का जवाब देने की हमारी क्षमता के और विकास में सहायता करेगा। साइबर खतरे उच्चतम सुरक्षा जोखिमों में से एक है। कार्यक्रम में डा. अजय, डा. अनुराग जैन, डा. सोनम गुप्ता, अजय कुमार ने भी विचार रखे। डा. विवेक जागलान, डा. वीके सिंह, डा. मृदुल, सौम्या उपाध्याय शामिल रहे।

Date:7.2.23 News Paper: Amar Ujala (My City) News Page No. 02 (My City)

साइबर सुरक्षा से बचाव करने की जानकारी दी

हरिद्वार। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र देहरादून के तत्वावधान में साइबर सुरक्षा पर कोर कॉलेज में पांच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान डिजिटल सुरक्षा के कई पहलुओं पर जागरूक किया गया।

कोर कॉलेज के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख डॉ. रोहित कनौजिया ने मौजूदा परिदृश्य में साइबर सुरक्षा के महत्व पर जानकारी दी। समूह निदेशक डॉ. बीएम सिंह ने एनालॉग कंप्यूटर प्रौद्योगिकी से लेकर आधुनिक आईसीटी आधारित शिक्षण तक प्रतिमान परिवर्तन और ऑनलाइन उपकरणों, सोशल नेटवर्किंग साइटों के उपयोग और सावधानियों पर जानकारी साझा की।

प्राचार्य ने शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों और बदलते प्रतिमानों से निपटने की जरूरत पर भी जोर दिया। चांसलर जेसी जैन ने कहा, ऑनलाइन लेनदेन लोगों के लिए सुविधाजनक और फायदेमंद है, लेकिन डेटा चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी का खतरा भी है।

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केंद्र के निदेशक प्रो. अनीता रावत ने कहा, कार्यक्रम साइबर खतरों से बचाव में सहायता करेगा। राजस्थान विवि के डॉ. अजय इंडियन, डॉ. अनुराग जैन, डॉ. सोनम गुप्ता, अजय कुमार गर्ग, डॉ. विवेक जागलान, डॉ. वीके सिंह, डॉ. मृदुल, सौम्या उपाध्याय आदि मौजूद थे। संवाद

Date: 4.2.23 Newspaper: amar Ujala (My City) News page No. 2 (My City)

स्क्वे मार्शल आर्ट में गोवा बना चैंपियन

कोर कॉलेज में राष्ट्रीय प्रतियोगिता के समापन पर विजेता टीम के साथ कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल अन्य अतिथि। संवाद

विजेता खिलाड़ियों को कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने किया पुरस्कृत

माई सिटी रिपोर्टर

हरिद्वार। कोर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय 23वीं स्क्वे मार्शल आर्ट की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोवा की टीम चैंपियन बनी।

गोवा की टीम ने 416 मेडल के साथ 65 गोल्ड मेडल जीते। अंडमान निकोबार की टीम ने 33 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रांज मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रही। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की टीमें 131-131 मेडल जीतकर तीसरे स्थान पर रहीं। विजेताओं को कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने पुरस्कृत किया।

प्रतियोगिता का आयोजन स्क्वे मार्शल आर्ट फेडरेशन इंडिया उत्तराखंड की ओर से किया गया। अंडर 11 बालक वर्ग में गोवा के आर्यन रुसलन, अंडर 11 बालिका वर्ग में गोवा की पूर्वी चोलिप, अंडर 14 बालक वर्ग में महाराष्ट्र के सोहम भोंगे, अंडर 14 बालिका वर्ग में गोवा की श्वेता कुमारी, अंडर 18 बालक वर्ग में गोवा के लिखित सालकर चैंपियन रहे। जबकि बालिका वर्ग की अंडर 18 में मध्यप्रदेश की साधना पांडेय, 18 वर्ष से ऊपर बालक वर्ग में अंडमान निकोबार के आर दिनेश, 18 वर्ष से ऊपर बालिका वर्ग में गोवा की प्रनाली नाईक चैंपियन रहे।

कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि जीवन में खेलों का विशेष महत्व है। खेल हमारे भीतर राष्ट्रीय भावना का संचार करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक आरती सैनी और संयोजक दुष्यंत सैनी ने बताया कि राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से 500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस दौरान विधायक प्रदीप बत्रा और पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन, प्रवीण सिंह कुशवाहा, श्रेयांश जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोर विवि के कुलाधिपति जेसी जैन और संचालन राधिका सारस्वत ने किया।

Date : 4.2.23 Newspaper: Hindustan News Page no. 7

जीवन में खेल का विशेष महत्व: सुबोध

हरिद्वार में शुक्रवार को कोर में आयोजित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को अतिथि ने सम्मानित किया। • हिन्दुस्तान

23 वीं स्कवे मार्शल आर्ट प्रतियोगिता संपन्न

■ **65 गोल्ड मेडल लेकर गोवा पहले स्थान पर रहा**

हरिद्वार, संवाददाता। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि जीवन में खेलों का विशेष महत्व है 'खेल हमारे भीतर राष्ट्रीय भावना का संचार करते हैं और खेल मनुष्य को जीवन में हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। खिलाड़ियों में सकारात्मकता रचनात्मकता अनुशासन और आत्मविश्वास की भावना उन्हें अपने जीवन में किसी भी निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यंत मददगार होती है। जिस खिलाड़ी में यह 4 गुण होते हैं वह कभी भी अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकता है। सुबोध उनियाल शुक्रवार को कोर विवि में 23 वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

गोवा की टीम 65 गोल्ड, 26 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर पहले स्थान पर रही। कोर विवि के वर्धमान ऑडिटोरियम में प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतकर गोवा की टीम ने अपना परचम लहराया। अंडमान निकोबार ने 33 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। कुल 195 मेडल जीतकर अंडमान निकोबार दूसरे स्थान और 131-131 मेडल जीतकर तीसरे स्थान पर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की टीमें रहीं। प्रतियोगिता में अंडर 11 बालक वर्ग में गोवा के आर्यन रुसलन, अंडर 11 बालिका वर्ग में गोवा की पूर्वी वेलिप, अंडर 14 बालक वर्ग में महाराष्ट्र के सोहम भागे, अंडर 14 बालिका वर्ग में गोवा की श्वेता कुमारी, अंडर 18 बालक वर्ग में गोवा के लिखित सालकर, अंडर 18 बालिका वर्ग में मध्यप्रदेश की साधना पांडेय, 18 वर्ष से ऊपर बालक वर्ग में अंडमान निकोबार के आर. दिनेश, 18 वर्ष से ऊपर बालिका वर्ग में गोवा की प्रनाली नाईक ने चैम्पियन ऑफ चैम्पियन्स का खिताब जीतकर अपने-अपने राज्य का नाम रोशन किया है।

Date: 4.2.23	Newspaper: Danik Jagran	News Page No. 3

मनुष्य को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं खेल

कोर विश्वविद्यालय में 23वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

जागरण संवाददाता, हरिद्वारः कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि जीवन में खेलों का विशेष महत्व है। खेल मनुष्य को जीवन में हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। खिलाड़ियों में सकारात्मकता, रचनात्मकता, अनुशासन और आत्मविश्वास की भावना उन्हें अपने जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होती है।

कोर विश्वविद्यालय में 23वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उन्होंने कहा कि यदि कोई खिलाड़ी सिफारिश करके किसी टीम में शामिल हो जाता है लेकिन जब मैदान में उतरता है, तब उसकी कार्यक्षमता काम आती है, सिफारिश नहीं। उन्होंने कहा कि यदि हमारे जीवन में सकारात्मकता है तो हमें कोई भी ताकत लक्ष्य हासिल करने से नहीं रोक सकती है। कहा कि उत्तराखंड सरकार नई खेल नीति लेकर आई है जो खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगी। कोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जेसी जैन ने कहा कि खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और अखंडता को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। मुख्य संयोजक आरती सैनी और संयोजक दुष्यंत सैनी ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में 27 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से 500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया।

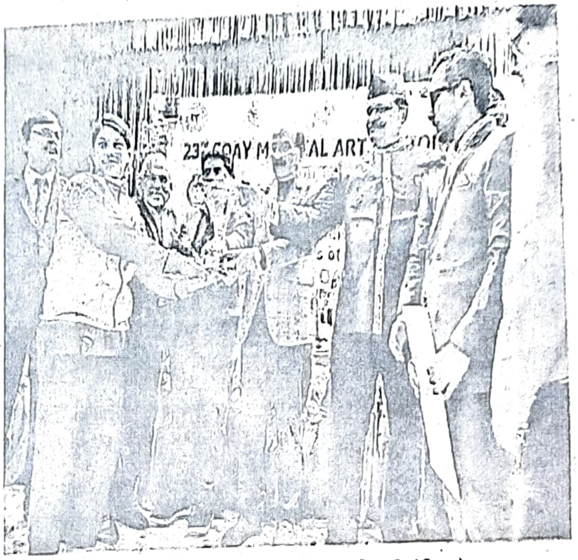

कोर विश्वविद्यालय में 23 वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता को ट्राफी देते कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ० सामारस्वयं

गोवा ने मारी बाजीः कोर विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय 23वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में गोवा की टीम ने 65 गोल्ड मैडल समेत कुल 416 मैडल जीतकर पहले स्थान पर रही। अंडमान निकोबार ने 33 गोल्ड, 8 सिल्वर और 6 ब्रांज मेडल हासिल किए। कुल 195 मेडल जीतकर अंडमान निकोबार दूसरे स्थान पर रही और 131-131 मेडल जीतकर तीसरे स्थान पर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की टीमें रही। मध्यप्रदेश ने 17 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रांज मेडल जीते तो वहीं महाराष्ट्र ने 9 गोल्ड, 23 सिल्वर और 17 ब्रांज मेडल हासिल किए। मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर 11 बालक वर्ग में गोवा के आर्यन रूसलन, अंडर 11 बालिका वर्ग में गोवा की पूर्वी वेलिप, अंडर 14 बालक वर्ग में महाराष्ट्र के सोहम भांगे, अंडर 14 बालिका वर्ग में गोवा की श्वेता कुमारी, अंडर 18 बालक वर्ग में गोवा के लिखित सालकर, अंडर 18 बालिका वर्ग में मध्यप्रदेश की साधना पांडेय, 18 वर्ष से ऊपर बालक वर्ग में अंडमान निकोबार के आर दिनेश, 18 वर्ष से ऊपर बालिका वर्ग में गोवा की प्रनाली नाईक ने चैंपियन आफ चैंपियंस का खिताब जीतकर अपने-अपने राज्य का नाम रोशन किया है।

Date: 4.2.23 Newspaper : Rashtiya Sahara News Page no.3

स्कवे मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में गोवा ने लहराया परचम

हरिद्वार (एसएनबी)। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि जीवन में खेलों का विशेष महत्व है। खेल हमारे भीतर राष्ट्रीय भावना का संचार करते हैं और खेल मनुष्य को जीवन में हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। वे कोर विवि रुड़की में 23 वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कोर विवि के कुलाधिपति जेसी जैन ने की और अति विशिष्ट अतिथि विधायक प्रदीप बत्रा तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह चैंपियन, श्रेयांश जैन और चारू जैन थे। कार्यक्रम की मुख्य संयोजक आरती सैनी और संयोजक दुष्यंत सैनी ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से 500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय समिति के अध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा, राष्ट्रीय सचिव काशीनाथ नायक, प्रदेश सचिव दुष्यंत कुमार सैनी, कार्यक्रम के मुख्य संयोजक आरती सैनी, कोर विवि के नोडल अधिकारी अनुराग राठौर, खेल अधिकारी रमेश सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता के दौरान गोवा की टीम 65 गोल्ड, 26 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर पहले स्थान पर रही।

स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

कोर विवि के वर्धमान अडिटोरियम में तीन दिवसीय 23वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतकर गोवा की टीम ने परचम लहराया। 23वीं स्कवे मार्शलआर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में गोवा की टीम ने 65 गोल्ड मेडल जीतकर बाजी मारी। गोवा की टीम ने 26 सिल्वर और 13 ब्रॉज मेडल जीते। गोवा की टीम कुल 416 मेडल जीतकर पहले स्थान पर रही। अंडमान निकोबारने 33 गोल्ड, आठ सिल्वर और छह ब्रॉज मेडल हासिल किए। 195 मेडल जीतकर अंडमान निकोबार दूसरे स्थान पर रही। 131-131 मेडल जीतकर तीसरे स्थान पर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की टीमें रही। मध्य प्रदेश ने 17 गोल्ड, 11 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल, महाराष्ट्र ने नौ गोल्ड, 23 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

23वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर 11 बालक वर्ग में गोवा के आर्यन रूसलन, अंडर 11 बालिका वर्ग में गोवा की पूर्वी वेलिप, अंडर-14 बालक वर्ग में महाराष्ट्र के सोहम भांगे, अंडर-14 बालिका वर्ग में गोवा की श्वेता कुमारी, अंडर-18 बालक वर्ग में गोवा के लिखित सालकर, अंडर-18 बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की साधना पांडेय, 18 आयु से ऊपर बालक वर्ग में अंडमान निकोबार के आर. दिनेश, 18 वर्ष से ऊपर बालिका वर्ग में गोवा की प्रनाली नाइक ने चौम्पियन आफ चौम्पियन्स का खिताब जीतकर अपने-अपने राज्य का नाम रोशन किया है।

Date : 4.2.23 Newspaper: Badri Vishal News By : Ravinder saini sir

बद्री विशाल उत्तराखंड आसपास हरिद्वार

23 वीं स्कवे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न

खेल मनुष्य को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं: सुबोध उनियाल

हरिद्वार (बद्री विशाल)।

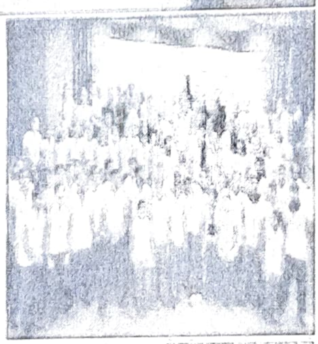

गोवा की टीम 65 गोल्ड, 26 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर पहले स्थान पर रही

Date: 2.2.23 **Newspaper: rashtiya sahara** **News Page No. 4**

खिलाड़ियों के लिए सरकार चला रही कई योजनाएं : आर्य

रुड़की। खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि भाजपा सरकार खिलाड़ियों के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसमें मुख्यमंत्री खिलाड़ी उदीयमान उन्नयन योजना सहित कई योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ ही खेल भी जरूरी है। बच्चों को इस दौर में आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट की जानकारी बहुत जरूरी है।

बुधवार को कोर विश्वविद्यालय में आयोजित 23 वी मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि उत्तराखंड को देव भूमि कहा जाता है। सरकार और विभाग की कोशिश है कि आने वाले समय में इसे खेल भूमि के नाम से भी जाना और पहचाना जाए। उन्होंने कहा कि 2024 में राज्य में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन होना है, जिसके लिए विभाग लगातार काम कर रहा है। आने वाले समय में हमारे बच्चे देश के साथ प्रदेश का नाम भी रोशन करें, इस ओर सरकार व विभाग लगातार गंभीर है। उन्होंने कहा कि खेलों से बच्चे आत्मरक्षा के गुर सीख रहे है जो बेहद जरूरी है। वर्तमान में मार्शल आर्ट की कई विधाएं वैश्विक खेल स्पर्धाओं का हिस्सा है। जिनमें सबसे लोकप्रिय मार्शल आर्ट में ताइक्वांडो है। उन्होंने कहा कि यह लड़ने की तकनीक, आत्मरक्षा, खेल, व्यायाम, ध्यान और दर्शन को जोड़ती है। इस दौरान उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल के लिए भी समय निकालना चाहिए। कार्यक्रम में 20 राज्यों और एक केंद्र शासित राज्य के कई खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, जेसी जैन, चारू जैन, वीएम सिंह प्रवीण आदि मौजूद रहे।

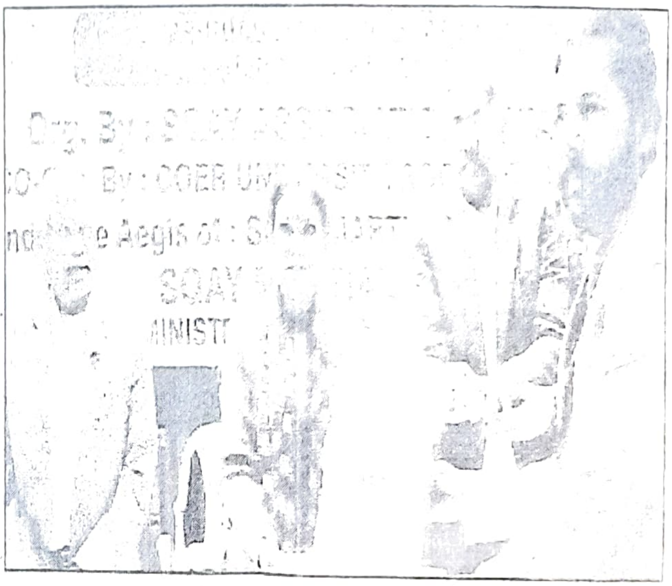

मेधावी छात्रों को सम्मानित करती खेल मंत्री रेखा आर्य।

Date: 2.2.23 Newspaper: Danik Jagran News Page No. 15

प्रदेश में खुलेगा खेल विश्वविद्यालय : आर्य

- खेल मंत्री रेखा आर्य ने किया राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्घाटन
- कस्तूरबा गांधी स्कूल की छात्राओं ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : प्रदेश की खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि उत्तराखंड में खेलों के विकास के लिए स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फंड (खेल विकास कोष) का गठन किया जाएगा। ताकि सुविधाओं से वंछित प्रतिभावान और दिव्यांग खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से मदद कर अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर दिया जा सके। उन्होंने कहा कि खेल विश्वविद्यालय खोलने पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। खेल मंत्री रेखा आर्य बुधवार को कोर विश्वविद्यालय के वर्धमान आडिटोरियम में 23वीं स्क्वे मार्शल आर्ट राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जेसी जैन की अध्यक्षता में हुए उद्घाटन समारोह में कस्तूरबा गांधी स्कूल रानीमाजरा की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि 2024 में उत्तराखंड सरकार 38वें राष्ट्रीय खेल का आयोजन धूमधाम से करेगी। सरकार ने खेलों के विकास के लिए खेल कोटे से नौकरियों में चार फीसद आरक्षण की व्यवस्था की है। खिलाड़ियों का भोजन भत्ता 175 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये कर दिया गया है। जिसमें हर वर्ष दस फीसद की बढ़ोतरी होती रहेगी। विशिष्ट अतिथि स्क्वे मार्शल आर्ट फेडरेशन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवीण सिंह कुशवाह, राष्ट्रीय सचिव काशीनाथ नायक और भाजपा के रुड़की जिलाध्यक्ष शोभाराम प्रजापति ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। संचालन डा. राधिका नागरथ ने किया।

मुख्य संयोजक आरती सैनी और संयोजक दुष्यंत सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता में 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।